राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 26 फ़रवरी 2026

वर्ष 07,अंक 146, पृष्ट 12,मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कलेक्ट्रेट परिसर में आशा एवं आशा संगिनी बहनों का प्रदर्शन....03

धोखाधड़ी के आरोपियों को बचाने में लगे चौकी प्रभारी कुकुरा- आरोप...06

रूह अफज़ा को सुप्रीम कोर्ट ने माना फ्रूट ड्रिंक, इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला रद्द, लगेगा सिर्फ 4 फीसदी वैट

● सुप्रीम कोर्ट ने हमदर्द के शरबत 'रूह अफ़ज़ा' को 'फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड' श्रेणी में रखते हुए 4% वैट (वीएटी) लगाने का अहम फैसला सुनाया है। इससे पहले इस पर 12.5% वैट लगता था.कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला रद्द कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (25 फरवरी) हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज के मशहूर शरबत 'रूह अफ़ज़ा'को लेकर बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने अफज़ा फ्रूट ड्रिंक मानते हुए कहा कि रूह अफ़ज़ा को फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट की कैटेगरी में रखा जाएगा और इस पर 12.5% के बजाय सिर्फ 4% वैट (वीएटी) लगेगा. यह फैसला उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 (यूपी वीएटी एक्ट) के तहत कर निर्धारण से जुड़ा है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कई राज्यों में रूह अफज़ा को पहले से ही रियायती दर पर टैक्स के दायरे में रखा गया है, जिससे हमदर्द की दलील मजबूत होती है. बेंच ने माना कि उत्पाद को फ्रूड ड्रिंक मानने की व्याख्या 'न तो बनावटी थी और न ही गलत थी, बल्कि व्यावसायिक रूप से मान्य और वास्तविक' थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला रद्द

कोर्ट ने कहा कि रूह अफज़ा को अधिनियम की अनुसूची-II की प्रविष्टि 103 के तहत फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट के रूप में क्लासिफाई किया जा सकता है. इसलिए संबंधित आकलन वर्ष के दौरान यह उत्पाद 4 प्रतिशत की रियायती वैट दर पर कर योग्य होगा. इस फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज की अपील स्वीकार कर ली और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें रूह अफ़ज़ा को नॉन-फ्रूट और कृत्रिम तत्वों से तैयार ड्रिंक मानते हुए अधिक वैट लगाने की बात कही गई थी।

क्या है मामला

दरअसल यह विवाद हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज के पॉपुलर ड्रिंक कॉन्संट्रेट शरबत रूह अफजा के उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 के तहत टैक्स क्लासिफिकेशन से पैदा हुआ था. यह विवाद इस बात से जुड़ा था कि क्या प्रोडक्ट को UP VAT एक्ट के शेड्यूल II के पार्ट A की एंट्री 103 के तहत 4 परसेंट टैक्सेबल फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फ्रूट माना जाए या शेड्यूल V में रेसिड्यूरी एंट्री के तहत 12.5 परसेंट टैक्सेबल अनक्लासिफाइड कमोडिटी माना जाए।

असेसमेंट ईयर 200708 और 200809 के लिए, हमदर्द ने रूह अफजा की बिक्री पर 4 परसेंट की कम दर से VAT दिया, यह दावा करते हुए कि यह प्रोसेस्ड या प्रिजर्व्ड फल, फ्रूट स्क्वैश, फ्रूट ड्रिंक और फ्रूट जूस की श्रेणी में आता है। टैक्स अधिकारी इससे सहमत नहीं थे और उन्होंने प्रोडक्ट को ज़्यादा VAT के लिए लायबल अनक्लासिफाइड आइटम माना. फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटी और कमर्शियल टैक्स ट्रिब्यूनल के सामने हमदर्द की अपील खारिज हो गई, ट्रिब्यूनल ने कहा कि आम और कमर्शियल भाषा में, प्रोडक्ट को फ्रूट ड्रिंक के बजाय शरबत समझा जाता है।

हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सही ठहराया

जुलाई 2018 में, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हमदर्द द्वारा दायर रिव्यू पिटीशन याचिकाओं को खारिज कर दिया और ट्रिब्यूनल के फैसले को सही ठहराया। हाईकोर्ट ने आम बोलचाल के टेस्ट पर बहुत ज़्यादा भरोसा किया और कहा कि फ्रूट जूस या फ्रूट ड्रिंक मांगने वाले कंज्यूमर्स को रूह अफ़ज़ा नहीं दिया जाएगा और इसका उल्टा भी होगा।

हमदर्द ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी. सुप्रीम कोर्ट ने टैक्स अधिकारियों और हाईकोर्ट के तर्क को खारिज कर दिया और फैसला हमदर्द के पक्ष में सुनाया. कोर्ट ने कहा कि एक साथ दिए गए नतीजे अपील की जांच से सुरक्षित नहीं हैं.इसने पाया कि वे नतीजे कानून में साफ तौर पर गलत जानकारी की वजह से गलत थे और फिस्कल क्लासिफिकेशन को कंट्रोल करने वाले तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल पर आधारित थे।

अहमदाबाद में ED की बड़ी कार्रवाई, तंबाकू कारोबारी समूह के ठिकानों पर छापे, करोड़ों की नकदी और सोना-चांदी बरामद

● प्रवर्तन निदेशालय ने अहमदाबाद में अनस ग्रुप के 9 ठिकानों पर एफईएमए के तहत छापेमारी की. इस दौरान 1.01 करोड़ नकद, 1.6 किलो सोना (2.5 करोड़) और 80 किलो चांदी (2 करोड़) सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए. तंबाकू कारोबारी पर दुबई में हवाला के जरिए संपत्तियां खरीदने का शक है

प्रवर्तन निदेशालय (प्रवर्तन निदेशालय) के अहमदाबाद जोनल ऑफिस ने बड़ी कार्रवाई की है. ईडी ने तंबाकू कारोबारी अनस ग्रुप और उसके साझेदारों के 9 ठिकानों पर छापेमारी की. यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए), 1999 के तहत की गई. ईडी की इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया. बताया जा रहा है कि अनस ग्रुप अम्बर तम्बाकू, उमदा तम्बाकू और समा फिल्टर खैनी जैसे ब्रांड नामों से तंबाकू की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मैन्युफैक्चरिंग का कारोबार करता है. ईडी ने तलाशी के दौरान नकदी समेत सोना-चांदी और कई अहम दस्तावेज बरामद किए।

दुबई के पॉश इलाकों में कई संपत्तियां

ईडी को विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली थी कि नागरिया परिवार (अनस ग्रुप और उसके साझेदार) ने दुबई के पॉश इलाकों में कई संपत्तियां और अलग-अलग कारोबार में निवेश कर रखा है. जांच एजेंसी को शक है कि इन निवेशों के लिए पैसा हवाला और अन्य अवैध बैंकिंग चैनलों के जरिए विदेश भेजा गया।

ईडी को छापेमारी में क्या-क्या मिला

इधर ईडी ने अनस ग्रुप और उसके साझेदारों के 9 ठिकानों पर छापेमारी की. इस दौरान ने बड़ी मात्रा में नकदी और कीमती धातुएं बरामद कीं. इनमें 1.01 करोड़ रुपए भारतीय नकद, करीब 33.34 लाख के बराबर विदेशी मुद्रा, विदेशी मार्किंग वाली 16 सोने की ईंटें (करीब 1.6 किलो, अनुमानित कीमत ?2.5 करोड़), 168 चांदी की ईंटें (करीब 80 किलो, अनुमानित कीमत 2 करोड़) शामिल हैं।

अहम दस्तावेज भी बरामद

इसके अलावा ईडी ने दुबई में संपत्तियों से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं, जो अनस ग्रुप के साझेदारों और परिवार के सदस्यों से जुड़े बताए जा रहे हैं. फिलहाल ईडी की आगे की कार्रवाई जारी है।

तलाशी में क्या-क्या मिला?

ED की छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, विदेशी मुद्रा और कीमती धातुएं बरामद की गईं। जब्ती का संक्षिप्त ब्योरा इस प्रकार है:

- भारतीय मुद्राः लगभग 1.01 करोड़
- विदेशी मुद्रा : करीब 33.34 लाख
- सोने की 16 ईंटें: लगभग 1.6 किलोग्राम (अनुमानित मूल्य ?2.5 करोड़)
- चांदी की 168 ईंटें: लगभग 80 किलोग्राम (अनुमानित मूल्य 2 करोड़)

कुल बरामदगी का अनुमानित मूल्य करीब 5.84 करोड़ आंका गया है। इसके अलावा दुबई स्थित संपत्तियों से जुड़े अहम दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच जारी है।

संक्षिप्त ख़बरें

होली पर सुरक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 घंटे कंट्रोल रूम रहेगा सक्रिय; बदसलूकी नहीं होगी बर्दाश्त

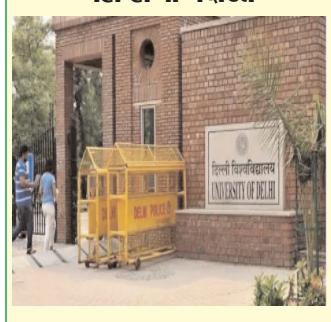

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार पहले से व्यापक सुरक्षा योजना लागू करने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि होली के नाम पर किसी भी प्रकार की बदसलूकी, अव्यवस्था या अनुशासनहीनता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार चार मार्च 2026 तक नॉर्थ और साउथ कैंपस में संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जो 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। परिसर में सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने के साथ पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग भी तेज की जाएगी। विशेष रूप से 'वामिका' नामक पुलिस वाहन की तैनाती लगातार निगरानी सुनिश्चित करेगी। आपात स्थिति में छात्र निर्धारित हेल्पलाइन नंबर या पुलिस से सीधे संपर्क कर सकेंगे।प्रशासन ने सभी कालेजों और छात्रावासों को आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। बाहरी व्यक्तियों की एंट्री पर कड़ी नजर रखी जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने को कहा गया है। डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्राक्टोरियल बोर्ड और सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से निगरानी रखेंगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने छात्रों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और त्योहार को भाईचारे व जिम्मेदारी के साथ मनाएं। वहीं, दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया है, ताकि परिसर में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बना रहे।

बलिया में शादी समारोह में खूनी हमला: बारात में आए युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या, तीन नामजद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। बलिया के सहतवार थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब बारात में शामिल 22 वर्षीय युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई।

घटना मंगलवार रात करीब 11:30 बजे रेवती-सहतवार मार्ग स्थित एक मैरिज हॉल के पास हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, सहतवार थाना क्षेत्र के बलेऊर निवासी सुरेश राजभर की बेटी की शादी मनियर थाना क्षेत्र के बड़सरी जागीर से आई बारात के साथ हो रही थी। जयमाल कार्यक्रम के बाद मोहन राजभर अपने साथी विजय राजभर के साथ खाना खाकर जनवासे की ओर जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोग वाहन से उतरे और बिना किसी पूर्व विवाद के दोनों पर हमला कर दिया। हमले में मोहन के सिर पर गंभीर चोटें आईं।

घायल मोहन को पहले स्थानीय चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथी विजय राजभर को भी चोटें आई हैं, जिसका निजी अस्पताल में उपचार कराया गया।

मृतक के पिता श्रीकेवल राजभर ने थाने में दी तहरीर में राजू यादव, रंजीत यादव (दोनों निवासी सहतवार) और पंकज राजभर (निवासी बलेऊर) को नामजद किया है। आरोप है कि तीनों ने मिलकर मोहन और विजय को गिराकर बेरहमी से पीटा और फरार हो गए।

सहतवार थाना प्रभारी ने बताया कि शव को मोर्चरी में रखवाया गया है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। मोहन दो भाइयों में बड़ा था और अविवाहित था। वह राजकोट में एक निजी कंपनी में कार्यरत था और 18 फरवरी को ही शादी में शामिल होने घर आया था। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के विरोध में प्रदर्शन, टाइटल बदलने की मांग

फरुखनगर। फरुखनगर अनाज मंडी में मंगलवार को फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के विरोध में यादव समाज के साथ सर्व समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार प्रतीक यादव को सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि फिल्म का टाइटल नहीं बदला गया तो गुरुग्राम जिले में फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने दिया जाएगा यादव कल्याण सभा के अध्यक्ष मास्टर जीतराम यादव व सुनील राव प्रधान ने कहा कि 27 फरवरी को रिलीज होने जा रही फिल्म की कहानी को लेकर समाज में रोष है। उनका आरोप है कि फिल्म में जिस प्रकार की कहानी बताई गई है, उससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय तक मार्च किया और फिल्म पर रोक लगाने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि फिल्म के टाइटल में 'यादव जी' नाम के प्रयोग पर समाज को आपत्ति है। उनका कहना है कि इससे समाज की भावनाएं आहत हो सकती हैं। प्रदर्शन में नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रदीप यादव, पृथ्वी सरपंच, जीतराम मास्टर, रामबीर यादव के अलावा विभिन्न गांवों के सरपंच व बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मितौली में शर्मनाक हालातः स्कूल की दीवार से सटा कूड़े का अंबार, मासूमों की सेहत से खिलवाड़

● जहां गूंजनी चाहिए बच्चों की पढ़ाई, वहां उठ रही भयंकर दुर्गंध

लखीमपुर खीरी जिले के विकासखंड मितौली की ग्राम पंचायत खानपुर ग्रंट में शिक्षा और स्वच्छता व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां एक सरकारी स्कूल की बाउंड्री वाल से सटाकर गांव का कूड़ा डाला जा रहा है। हालात यह हैं कि जहां बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, वहां सड़ते कचरे की बदबू और संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत की अधिकांश गंदगी स्कूल की दीवार के पास ही इकट्ठा की जाती है। कूड़े के ढेर से उठती दुर्गंध, पनपते मच्छर और बैक्टीरिया बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। स्कूल परिसर के बाहर उपले भी पाथे जा रहे हैं, जो सड़-गलकर सूखते हैं और आसपास का वातावरण दूषित कर रहे हैं। स्कूल के प्रधानाध्यापक राज बहादुर ने बताया कि इस संबंध में कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि पंचायत के ही कुछ दबंग लोग जबरन स्कूल के पास कूड़ा डालते हैं। मना करने पर गाली-गलौज तक की नौबत आ जाती है। एक ओर सरकार 'स्वच्छता ' और 'स्कूल चलो अभियान 'जैसे कार्यक्रमों का प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर स्कूल के बाहर कूड़े का अंबार इन दावों की पोल खोल रहा है। यह स्थिति सीधे तौर पर बच्चों के स्वास्थ्य अधिकारों के साथ खिलवाड़ है। यदि समय रहते गंदगी नहीं हटाई गई तो डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। सवाल यह है कि प्रशासन कब जागेगा और मासूम छात्रों को इस गंदगी और बदबू से राहत दिलाएगा? अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

नोएडा पुष्प प्रदर्शनी में गमले-फूलों की लूट, वायरल वीडियो में दिखी भीड़ की शर्मनाक हरकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नोएडा। नोएडा सेक्टर-33ए स्थित शिवालिक पार्क में पुष्प प्रदर्शनी के समापन के बाद लोग गमले और फूल लूट ले गए। इससे संबंधित वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। 31 सेकेंड के इस वीडियो में भीड़ में कई लोग फूल और गमले लूटते नजर आ रहे हैं। इसमें महिलाएं और पुरुष भी शामिल हैं। बता दें शिवालिक पार्क में चार दिवसीय फ्लावर शो का रविवार को समापन हुआ। समापन पर देर शाम यहां भीड़ पहुंची। फूल और गमलों को लूटने की सभी में होड़ मच गई। घटना का वीडियो बना रहे व्यक्ति ने इसको गलत बताया। नोएडा को पढ़े-लिखों का शहर माना जाता है। यहां साक्षरता दर भी अधिक है। ऐसे में इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए इस वीडियो से लोगों ने पढ़े लिखे लोगों की हरकत और मानसिकता को बेहद खराब बताया है। लुटते गमले और फूलों को बचाने के लिए गार्ड सीटी बजाता रहा लेकिन लोग नहीं माने।

बाहर लगे फूल और गमले पहले ही हो गए चोरी

फ्लावर शो के दौरान शिवालिक पार्क के बाहर सड़कों पर भी प्राधिकरण ने फूल और गमले लगाए। लोगों ने यहां से भी आधे से ज्यादा गमले और फूलों की चोरी कर लिया।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के आवास पर आयकर की छापेमारी, 50 से अधिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। बुधवार सुबह जिले की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के आवास पर आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की। यह कार्रवाई आय और संपत्ति से जुड़े मामलों की जांच के तहत की गई। छापेमारी में 50 से अधिक आयकर अधिकारी और भारी पुलिस बल शामिल रहा।

सुबह से घेरा गया आवास

आयकर विभाग की टीम ने तड़के ही विधायक के आवास को घेर लिया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया और किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। अधिकारियों ने व्यवस्थित तरीके से घर के अंदर और अन्य संबंधित ठिकानों पर दस्तावेजों व लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, टीम ने संपत्ति से संबंधित कागजात, बैंक लेनदेन और अन्य वित्तीय दस्तावेजों को खंगाला। हालांकि आयकर विभाग की ओर से अभी तक इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज

उमाशंकर सिंह बसपा के टिकट पर रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और वर्तमान में पार्टी के इकलौते विधायक माने जाते हैं। ऐसे में इस कार्रवाई को राजनीतिक दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छापेमारी का समय और तरीका कई सवाल खड़े कर रहा है।

हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि यदि आय और संपत्ति में किसी प्रकार की अनियमितता है तो जांच होना स्वाभाविक है। वहीं समर्थकों का आरोप है कि यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा भी हो सकती है।

जांच जारी, परिणाम का इंतजार

आयकर विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने तक किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की जाएगी। छापेमारी के दौरान जुटाए गए दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल जिले में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में क्या सामने आता है और इसका कानूनी व राजनीतिक असर क्या पड़ता है।

चाड़ी घाट में अज्ञात युवक का शव मिला

नैनी, औद्योगिक क्षेत्र के चाड़ी गांव में बुधवार शाम एक अज्ञात युवक का शव मिलन है। जानकारी के अनुसार शाम करीब 5 बजे चाड़ी घाट के पास ग्रामीणों ने एक शव देखा, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि शव काफी सड़ा-गला था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी।थाना प्रभारी ने बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा , वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com www.epaper.swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

होली व ईद-उल-फित्र को लेकर थाना लालगंज में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न, मौके पर क्षेत्राधिकारी रूधौली व थाना प्रभारी लालगंज

बस्ती। बस्ती जिले मे आगामी पर्व होली एवं ईद-उल-फित्र को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना लालगंज, जनपद बस्ती परिसर में पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी रुधौली द्वारा की गई, जबकि थानाध्यक्ष लालगंज श्री संजय कुमार सहित पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों, जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं, व्यापारी बंधुओं एवं संभ्रांत नागरिकों, डीजे संचालकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि होली और ईद उल- फित्र केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव, सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक हैं। इन पर्वों को मिल-जुलकर, परस्पर सम्मान और भाईचारे की भावना के साथ मनाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण व रूक्मिणी के विवाह प्रसंग का हुआ वर्णन

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत निपनिया में चल रहे नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण के आयोजन के सातवें दिन श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी के विवाह प्रसंग का वर्णन किया गया। वहीं श्रीकृष्ण व रुक्मिणी के विवाह का प्रसंग सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे। इस दौरान श्री कृष्ण के जयकारों से पूरा पंडाल गूंजायमान हो उठा। जानकारी के मुताबिक नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत निपनिया में नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का आयोजन चल रहा है। वहीं बीती रात श्रीमद्भागवत कथा में कथावाचक पुरोहित आचार्य राहुल मिश्रा ने कथा में कहा कि विदर्भ के राजा भीष्मक का पुत्र रुक्मी अपनी बहन रुक्मिणी का विवाह भगवान श्रीकृष्ण के बजाय शिशुपाल से करना चाह रहा था। रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति मान लिया था। भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल के सौ गलतियों को क्षमा कर चुके थे लेकिन एक सौ एक गलती के बाद श्री कृष्ण ने रूक्मी का वध कर रुक्मिणी के साथ विवाह किया। रुक्मिणी व श्रीकृष्ण विवाह का प्रसंग सुनकर श्रोता आनन्द से भावविभोर हो गए। इस मौके पर विजय कुमार चौरसिया, रामरतन चौरसिया, महेश चौरसिया, धर्मेन्द्र चौधरी, दर्शन चौधरी, भगवती चौधरी, बृजमोहन चौधरी सहित आदि लोग शामिल रहे।

दो झोलाछाप पर एफआईआर दर्ज

बलरामपुर । जिले के श्रीदत्तगंज क्षेत्र स्थित शुक्लागंज बाजार में बिना डिग्री मरीजों का इलाज कर रहे दो झोलाछाप के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। डॉ. प्रीति यादव और डॉ. सत्यम यादव नामक व्यक्तियों पर 23 फरवरी को एफआईआर दर्ज कराई गई है। दोनों फार्मेसी हेल्थ केयर क्लीनिक संचालित कर एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का उपचार कर रहे थे, जबकि उनके पास संबंधित विधा की कोई वैध डिग्री नहीं पाई गई। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 18 फरवरी को दोपहर लगभग तीन बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज के अधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने शुक्लागंज बाजार में संचालित क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया।जांच के दौरान दोनों व्यक्ति मरीजों का इलाज करते पाए गए। टीम द्वारा जब एलोपैथिक चिकित्सा से संबंधित शैक्षणिक प्रमाण-पत्र और पंजीकरण दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में यह भी सामने आया कि क्लीनिक का पंजीकरण मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में नहीं कराया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने इसे मरीजों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ मानते हुए तत्काल कार्रवाई की संस्तुति की। थानाध्यक्ष अविरल शुक्ल ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एसीएमओ ने कहा कि अवैध रूप से क्लीनिक संचालित करने और बिना योग्यता इलाज करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

मनोरमा की पुकार बनाम प्रशासनिक खामोशी, अब सड़क पर उतरा जनसंकल्प!

●भाजपा नेता चांदमणि पांडे द्वारा ग्रामीण को लेकर मनोरमा की सफाई का कार्य कर रहे हैं जिले के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरण नींद में सो रहे हैं जबकि इस नदी की सफाई में करोड़ों का भ्रष्टाचार जिले से हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के हरैया विधानसभा क्षेत्र में एक माह से चल रहे मनोरमा सफाई अभियान में जिला प्रशासन क्यों नहीं दिख रहा है अधिकारी कर्मचारी की संवेदना शून्य हो चुकी है भाजपा नेता चंद्रमणि पांडेय द्वारा किया जा रहाकार्य अधिकारियों के मुंह पर तमाचा मार रहा है पाँच दिनों से चल रहा मनोरमा नदी सफाई अभियान अब केवल सफाई का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ जनआक्रोश का प्रतीक बन चुका है। नदी को अविरल और निर्मल बनाने के उद्देश्य से शुरू हुआ यह अभियान अपने अंतिम चरण में पहुँचते-पहुँचते एक बड़े जनांदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है। समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने जिस तरह बिना संसाधन, बिना सरकारी सहायता और बिना मशीनरी के श्रमदान किया, उसने प्रशासन की निष्क्रियता को खुली चुनौती दे दी है।चार दिनों से लगातार क्लाइमेक्स कोचिंग सेंटर के संचालक ऋषभ सिंह सहित क्षेत्र के नवयुवक नदी में उतरकर जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा, गाद और मल-जल से जूझते रहे। कीचड़ और दुर्गंध के बीच काम कर रहे युवाओं का कहना है कि यह केवल सफाई नहीं, बल्कि अपनी जीवनरेखा को बचाने का संघर्ष है।

जनता मैदान में, प्रशासन गायब

अभियान के दौरान सबसे बड़ा सवाल यही उठा कि जब आम नागरिक अपने दम पर नदी बचाने उतर सकते हैं तो सरकारी तंत्र आखिर क्यों मौन है? मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार जलकुंभी हटाने के लिए कोई मशीन उपलब्ध नहीं कराई गई कचरा उठाने के लिए ट्रैक्टर या ट्रॉली तक नहीं भेजी गई सिंचाई विभाग और नगर निकाय के बीच कोई समन्वय नहीं दिखा एक भी जिम्मेदार अधिकारी निरीक्षण करने नहीं पहुँचा यह स्थिति केवल लापरवाही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी से पलायन का उदाहरण मानी जा रही है।

जनभावना से नदी नहीं बचेगी, नीति चाहिए

भाजपा नेता एवं समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय ने प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केवल प्रतीकात्मक प्रयासों से

मनोरमा नदी को बचाया नहीं जा सकता। उनके अनुसार सरकार के पास संसाधन, मशीनरी और विभागीय संरचना होने के बावजूद ठोस कार्ययोजना का अभाव प्रशासनिक विफलता को उजागर करता है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा तो आंदोलन सड़क से कार्यालय तक पहुँचेगा।

नदी नहीं, क्षेत्र की जीवनरेखा

अभियान में शामिल युवा अमन मिश्र, रबी पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, विक्रांत पाण्डेय और गौरीशंकर यादव ने बताया कि नदी की दुर्दशा अब स्वास्थ्य संकट में बदल रही है। दुर्गंध, मच्छरों की बढ़ती संख्या और जलजनित रोगों का खतरा ग्रामीणों को परेशान कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मनोरमा केवल जलधारा नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान है – खेतों की सिंचाई, भूजल संतुलन और स्थानीय जीवनशैली इससे जुड़ी हुई है। यदि नदी मरती है तो पूरा क्षेत्र पर्यावरणीय संकट की ओर बढ़ेगा।

मांगें साफ, चेतावनी भी स्पष्टी कर्ण

अभियान से जुड़े समाजसेवियों ने प्रशासन के सामने चार प्रमुख मांगें रखी हैं– तत्काल सरकारी मशीनरी और संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ स्थायी एवं समयबद्ध सफाई योजना बनाई जाएनदी में गिर रहे नालों को ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाएस्थानीय युवाओं और सामाजिक संगठनों को आधिकारिक रूप से अभियान में शामिल किया जाए

5 मार्च को घेराव, बेमियादी धरने का ऐलान

जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने साफ घोषणा की है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 5 मार्च को जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया जाएगा और बेमियादी धरना शुरू होगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि अब यह लड़ाई नदी की नहीं, प्रशासनिक जवाबदेही की है।

सवाल जो प्रशासन से जवाब मांग रहा

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी आपदा का इंतजार कर रहा है? जब जनता स्वयं नदी बचाने के लिए उतर चुकी है, तब सरकारी तंत्र की चुप्पी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करती है। मनोरमा आज केवल गंदगी से नहीं जूझ रही – वह व्यवस्था की उदासीनता से लड़ रही है। और यदि समय रहते निर्णय नहीं हुआ, तो यह सफाई अभियान आने वाले दिनों में एक बड़े जनांदोलन की भूमिका लिख सकता है।

ग्राम पंचायत कोइलसा में जारी मनरेगा मस्टर रोल होगा जीरो - सचिव शिव शंकर यादव

● ऑनलाइन फर्जी मस्टर रोल ऑनलाइन जारी फर्जी मस्टर रोल पर महिला मेट किरन लगा रही थी फर्जी हाजिरी

सचिव शिव शंकर यादव की सक्रियता से ग्राम पंचायत कोइलसा में मनरेगा फर्जीवाड़ा रुकने की जगी उम्मीद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केसल्टौवा गोपालपुर ग्राम पंचायत कोइलसा में मनरेगा कार्यों के नाम पर जारी ऑनलाइन फर्जी मस्टर रोल जीरो करने का सचिव शिव शंकर यादव ने आश्वासन दिया है । ग्राम प्रधान सावित्री देवी द्वारा जारी करवाया गया ऑनलाइन मस्टर रोल पर मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने से सचिव ने मना कर किया है । सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण कार्य , नाली खुदाई कार्य व तालाब खुदाई कार्य का मस्टर रोल जारी था जिसमें वृक्षारोपण कार्य का मस्टर रोल पूर्ण हो चुका है और नाला खुदाई कार्य व तालाब खुदाई कार्य का मस्टर रोल वर्तमान समय में चल रहा है आपको बता दे कि विकासखंड सल्टौवा गोपालपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोइलसा में मनरेगा कार्यों के नाम पर ग्राम प्रधान सावित्री देवी व महिला मेट किरन द्वारा मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी के सहारे सरकारी धन पर डाका डालने की तैयारी चल रही थी । मीडिया टीम ग्राम पंचायत कोइलसा में चल रहे मनरेगा कार्यों का धरातलीय पड़ताल किया तो पता चला कि मनरेगा कार्य धरातल पर ना कराकर महिला नेट व ग्राम प्रधान द्वारा कागज में कराया जा रहा था जिसकी सूचना सचिव शिव शंकर यादव को फोन के माध्यम से दी गई थी । सचिव शिव शंकर यादव ने मीडिया टीम के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मनरेगा ऑनलाइन साइट पर ग्राम पंचायत कोइलसा में चल रहे मनरेगा कार्य की जांच पड़ताल किया । सचिव द्वारा जांच पड़ताल में मनरेगा फर्जीवाड़ा का साक्ष्य मिलने पर मनरेगा कार्य के नाम पर जारी ऑनलाइन मस्टर रोल को जीरो करने का ग्राम प्रधान सावित्री देवी को निर्देश दिया है । सचिव शिव शंकर यादव ने कहा कि बिना मनरेगा कार्य कराये किसी भी हाल में हमारे अधीन सभी ग्राम पंचायतों में फर्जी भुगतान नहीं होगा । सचिव शिव शंकर यादव का सीधा मतलब है जब काम नहीं तो दाम नही । सचिव शिव शंकर यादव के द्वारा जारी फर्जी मस्टर रोल को जीरो करने के निर्देश पर भ्रष्टचारी प्रधानों में अफरा तफरी मचा हुआ है । अब देखना यह है कि सचिव शिव शंकर यादव के दिए गए निर्देश का पालन हो पता है या नही । जिसको लेकर जिले में तरह-तरह की चर्चा चल रही है ।

सड़क सुरक्षा मानको की अनदेखी करने वाले विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेंगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में सड़क सुरक्षा मानको की अनदेखी करने वाले विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेंगी। आयुक्त सभागार में आयोजित मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उक्त निर्देश मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने दिया। उन्होने कहा कि शासन की स्पष्ट मंशा है कि दुर्घटनाओं में कमी लायी जाय। इसके लिए मण्डलीय सुरक्षा समिति गाइडलाईन के अनुरूप विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए जनहित में कार्य संपादित करें। बैठक में परियोजना निदेशक एन.एच.आई. ने बताया कि मुख्यालय स्तर से ओवर स्पीड कैमरा लगाये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है, जिसे फरवरी 2026 के अन्त तक पूर्ण करा लिया जायेंगा। एटीएमएस/कैमरा इंस्टालेशन का कार्य संवेदक द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया है। इसके निमित्त जरूरी उपकरणों की क्रय किये जाने की कार्यवाही प्रारम्भ है।

मण्डलायुक्त के निर्देश के क्रम में सांकेतिक बोर्ड स्थापित कराये गये है, जो दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में स्थापित है।

यातायात निरीक्षक अवधेश तिवारी ने बताया कि बडेवन पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था न होने तथा हाईमास्ट क्रियाशील न होने के कारण वाहनों के आवागमन में असुविधा उत्पन्न हो रही है। इस संदर्भ में एन.एच.आई. के निदेशक द्वारा बताया गया कि शीघ्र ही प्रकाश व्यवस्था संचालित करा दिया जायेंगा। मण्डलायुक्त के निर्देश के क्रम में एआरटीओ प्रर्वतन ने बताया कि वाहनों की फीटनेश, लाईसेंश की वैधता तथा ड्रिंकर चालको की गहनता से चेंकिंग की जा रही है तथा संबंधित प्रकरण में त्वरित कार्यवाही भी की जा रही है। जनपद में गुड सेमेरिटन के रूप में कार्यरत प्रमोद ओझा ने बताया कि छावनी के पास रामरेखा पुल की रेलिंग टूटी हुयी है, जो दुर्घटना का सबब बनी हुयी है। इसे तुरन्त ठीक कराया जाना आवश्यक है। ए.एन.एच.आई. के पास नये वाहन दुर्घटना की स्थिति में मौजूद है परन्तु गैस कटर सहित अन्य उपकरणों की कमी है। जिसे आपातकालीन स्थिति में दुर्घटना के दौरान घायलों की सहायता की जा सकें। बैठक का संचालन आरटीओ प्रर्वतन बस्ती मण्डल सुरेश कुमार मौर्या ने किया। इसमें मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती राजीव निगम, मुख्य चिकित्साधिकारी संतकबीर नगर, आरटीओ फरीउद्दीन, सहायक शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ल, सीओ सत्येन्द्र भूषण तिवारी, गुड सेमेरिटन सदस्य प्रमोद ओझा सहित संबंधित मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बस्ती में टीईटी अनिवार्यता के सवाल को लेकर शिक्षकों का आन्दोलन जारीः धरना प्रदर्शन 26 को

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती में टीईटीअनिवार्यता के सवाल को लेकर शिक्षकों का आन्दोलन जारीः धरना प्रदर्शन टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का विरोध लगातार जारी है. राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षकों ने बीते सोमवार से बुधवार तक लगातार तीन दिन हाथों पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया. इससे पहले बीते 22 फरवरी को राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर शिक्षकों ने एक बड़ा ट्विटर अभियान चलाया था. बस्ती सहित पूरे देश के शिक्षक 26 फरवरी गुरुवार को बीएसए कार्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन करके जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपेंगे. उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने बताया कि 26 फरवरी के धरने में पूरे जिले के शिक्षक ड्यूटी अनिवार्यता के विरोध में कार्यालय पर जुटेंगे और अपनी मांग केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा आदेश वापस नहीं लिया गया, तो मार्च माह में देश की राजधानी दिल्ली में विशाल आंदोलन, घेराव और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा. जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि सभी शिक्षक संगठन एकजुट होकर आंदोलन कर रहे हैं. शिक्षकों की आवाज को अनदेखा नहीं किया जा सकता, क्योंकि आंदोलनों के इतिहास में सरकार को हमेशा उनकी मांगों पर विचार करना पड़ा है. जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव और जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र ने कहा कि टीईटी अनिवार्य करने का निर्णय वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के साथ अन्याय है. कहा कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें अनदेखा कर लिया गया कोई भी फैसला स्वीकार्य नहीं होगा. ब्लॉक अध्यक्ष बहादुरपुर प्रमोद सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष बनकटी सुरेश गौड़, ब्लॉक अध्यक्ष हरैया रामसागर वर्मा और ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर रवि सिंह ने कहा कि जबरन थोपे जाने वाले टीईटी अनिवार्यता के आदेश को शिक्षक किसी प्रकार से स्वीकार नहीं करेंगे इसके लिए अब आर-पार का आंदोलन होगा।

कमरौली पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 25 ग्राम स्मैक बरामद

अमेठी । पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व 'नशा मुक्त अमेठी अभियान' के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कमरौली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्त वेद प्रकाश प्रजापति पुत्र रंगनाथ प्रजापति निवासी पूरे ठकुराइन मजरे बरसण्डा थाना कमरौली जनपद अमेठी उम्र करीब 32 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 25 ग्राम स्मैक बरामद हुआ । गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना कमरौली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

जन्म-जन्मांतर के पुण्य से भागवत श्रवण का अवसर मिलता है, - पं श्री आदित्य जी महाराज

●कथा सुनने मात्र से दूर होती है जीवन की व्यथा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुबेहा हैदरगढ़ बाराबंकी शहरी इस्लामपुर गांव में चल रही भागवत कथा के चौथे दिन पं श्री आदित्य जी महाराज द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जन्म और वामन अवतार की कथा सुनाई गई। पं श्री आदित्य जी ने अपने प्रवचन में कहा कि जब-जब धरती पर अत्याचार, दुराचार और पाप बढ़ता है, तब-तब भगवान विष्णु धर्म की स्थापना और अत्याचार को समाप्त करने के लिए अवतार लेते हैं।उन्होंने यह भी बताया कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य अत्यंत दुर्लभ होता है। जब भी ऐसा अवसर मिले, उसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा का श्रवण तभी सार्थक होता है, जब उसके बताए मार्ग पर चलकर परमार्थ के कार्य किए जाएं।कथा के दौरान, पं श्री आदित्य जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के अनेक भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को आनंदित किया। इनमें 'गोकुल में आनंद भयो जय कन्हैयालाल की' और 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैयालाल की' जैसे भजन प्रमुख थे। कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान कृष्ण और वासुदेव जी की संजीव झांकी ने श्रोताओं का मन मोह लिया।श्रोताओं ने भगवान का पूजन कर माखन मिश्री का भोग लगाया। आयोजकों ने भगवान कृष्ण के बालरूप की आरती उतारी और मिठाई, फल, फूल बांटकर जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर यजमान् जय करन शुक्ल, भवानी प्रसाद तिवारी,बंशीलाल त्रिपाठी , सत्यदेव शुक्ला, ज्ञानदीप तिवारी, शिव दास तिवारी देवनाथ तिवारी, पवन पांडे, अभिजीत सिंह श्याम बिहारी तिवारी,सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाजार शुक्ल पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी 24 घंटा के अंदर किया हत्या का खुलासा

●बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा हत्या में वांछित व प्रकाश में आए 2 अभियुक्त गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक तलवार मृतक का मोबाइल नंबर सहित कुल तीन मोबाइल फोन व दो मोटरसाइकिल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

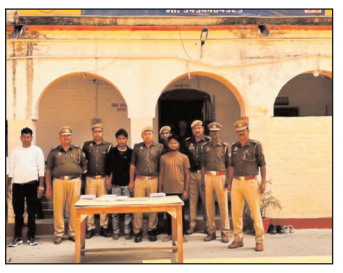

शुकुल बाजार अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में तथा थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा की सक्रियता के चलते थाना बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं में बाजार शुक्ल जनपद अमेठी में वांछित व प्रकाश में आए दो अभियुक्त सुहेल पुत्र नियाजउद्दीन निवासी पुरे लोहांगी मजरे दक्खिनगांव क्यार थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी उम्र 23 वर्ष व अभिषेक पाल पुत्र दान बहादुर पाल निवासी ग्राम मवैया रहमतगढ़ थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सोहेल के कब्जे से एक मोबाइल फोन एक मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स बिना नंबर प्लेट व अभियुक्त अभिषेक पाल के कब्जे से मृतक का मोबाइल फोन एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस यूपी 36 वी 5268 बरामद हुई मोटरसाइकिल के कागज मांगने पर दिखा ना सके। पूछताछ में अभियुक्त सुहेल ने बताया कि उसकी बहन से शाहिद (मृतक) बातचीत करता था इसी रंजिश के कारण उसने अपने साथी अभिषेक पाल व एक अन्य साथी के साथ मिलकर तलवार से शाहिद को मारा था तथा तलवार मवैया चौराहा से आगे नाले के किनारे छुपा दिया था अभियुक्त की निशानदेही पर आलाकत्ल एक तलवार बरामद हुआ। घटना में शामिल एक बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस निगरानी में लिया गया बरामदगी व साक्ष्यों के आधार पर उक्त अभियोग में अन्य सुसंगत धाराओं की बढ़ोतरी की गई तथा थाना बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की गई।

नवविवाहिता ने की आत्महत्या, पोस्टमार्टम में हुई पुष्टि

●दो बच्चों का पिता ढाई माह पहले भगाकर था लाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर – दो दिन पहले एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि हुई है। मृतका के मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। यह घटना सुल्तानपुर के कोतवाली नगर स्थित पंचाबी कॉलोनी में हुई। अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के दहियावां निवासी तौफीक खान एक दवा कंपनी में एमआर है और वह यहां किराए के कमरे में रहता था। लगभग ढाई माह पूर्व तौफीक अपने गांव के इदरीस खान की बेटी सितारा बानो को भगाकर लाया था। सितारा के पिता इदरीस ने पीपरपुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से तौफीक को पकड़ा था। उस समय थाने में पंचायत हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने सुलह समझौता कराकर सितारा को तौफीक के साथ भेज दिया था। इसके बाद वे सुल्तानपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। तौफीक पहले से दो बच्चों का पिता है। सितारा को भगाकर लाने के बाद उसकी पहली पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई थी। सोमवार दोपहर तौफीक और सितारा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके कुछ देर बाद सितारा का शव फंदे से लटका हुआ मिला था। पुलिस ने मृतका के पिता इदरीस को फोन पर बेटी की मौत की सूचना दी थी। इदरीस ने आरोप लगाया कि तौफीक के पिता और भाई ने धमकी दी थी कि 'जिसको चाहूं निपटा दूंगा' और उन्होंने उनकी बेटी को 'निपटा दिया '। मृतका दो भाइयों में अकेली बहन थी। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें मौत का कारण आत्महत्या बताया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में मृतका के पैर में दो चोटों का भी उल्लेख है। अब इस मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

बंद कमरेमें लटका मिला युवक का शव

●संदिग्ध मौत, दो दिन पहले मां-पत्नी को पीटा था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर – जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के तिंदौली गांव में एक 40 वर्षीय युवक का शव उसके बंद घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार सुबह तिंदौली निवासी अशोक यादव (40) पुत्र ननंद लाल यादव के घर का दरवाजा नहीं खुला। ग्रामीणों ने छत के रास्ते घर में प्रवेश किया। कमरे के अंदर खिड़की से झांकने पर अशोक का शव हुक से लटका हुआ देखकर सभी हैरान रह गए। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा। जांच में सामने आया कि घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था, जबकि छत पर लगा टीन शेड खुला था और वहां एक सीढ़ी भी खड़ी थी। शव दो गमछों से बंधा था और छत के हुक से लटका था, उसके पैर जमीन पर मुड़े हुए थे। शव की जीभ बाहर नहीं निकली थी, जिससे वारदात की आशंका जताई जा रही है। मृतक अशोक यादव घर में अकेला था। उसकी पत्नी और बच्चे मायके गए हुए थे। वह मंगलवार रात एक निमंत्रण से खाना खाकर घर लौटा था। जयसिंहपुर के सीओ आरके चतुर्वेदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक अशोक दो दिन पहले अपनी मां और पत्नी के साथ मारपीट कर उन्हें घर से भगा दिया था। वह अक्सर मारपीट करता था। सीओ के अनुसार, शुरुआती तौर पर यह मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

संक्षिप्त खबरें

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने UGC कानून को लेकर प्रेस वार्ता की

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान में एवं संगठन के अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 अनूप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एन0सी0सी, विकाश नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश कार्यालय पर ऌष्ट क़ानून को लेकर प्रेस वार्ता कर एक महत्वपूर्ण बैठक किया गया जिसमें सभी की सहमति से 8 मार्च 2026 को राम लीला मैदान दिल्ली में विशाल विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। जिसमे सभी संगठनों के संस्थापक व अध्यक्ष भी शामिल रहेंगे। संगठन के अध्यक्ष ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऌष्ट जैसे काले क़ानून हमारे देश की एकता व अखंडता को तोड़ सकती है इसलिए इस कानून राष्ट्रीय स्तर पर विरोध करना अनिवार्य है ताकि भारत देश की एकता बनी रहे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव पूर्व ढ्ढ्रस्र भारत सरकार, राष्ट्रीय सचिव व भारतीय एकता युवा मोर्चा संस्थापक दीपक लाल श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष मयंक श्रीवास्तव, आनंद प्रकाश, दीवाकर खरे, अजय दीप, मिथिलेश श्रीवास्तव, अरुण श्रीवास्तव एवं समस्त पदाधिकारीगण उपस्तिथ हुए।

नल में पानी भरने गई युवती से छेड़छाड़ का आरोप, विरोध पर मारपीट

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नल से पानी भरने गई युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपित युवक ने उसकी पिटाई कर दी। घायल युवती का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। पीड़िता की मां ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सुबह करीब सात बजे उनकी बेटी घर से दूर लगे नल पर पानी लेने गई थी। तभी गांव का एक युवक वहां पहुंचा। उसने जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने युवती को मारना-पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर मां और बड़ी बहन मौके पर पहुंचीं।आरोप है कि युवक ने उनके साथ भी मारपीट की। मारपीट में घायल युवती को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उसका इलाज हुआ। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश है। दोनों ओर से शिकायती पत्र मिले हैं। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बदलते मौसम में किन बातों का रखें ध्यान? आज इस नंबर पर कॉल कर पूछें सवाल

लखनऊ। मौसम में अचानक बदलाव होने से सर्दी-खांसी, बुखार और एलर्जी के मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिन और रात के तापमान में दो गुणा तक अंतर बना है, जिसकी वजह से बच्चों से लेकर बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं। सुबह और रात में हल्की ठंड, लेकिन दिन में तेज धूप निकलने से गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। ऐसे मौसम में इम्युनिटी मजबूत करने के लिए किन बातों का ध्यान रखें? इसका जवाब देने के लिए गुरुवार को दोपहर एक से दो बजे तक हेलो डाक्टर कार्यक्रम में लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के सीएमएस एवं जनरल मेडिसिन के विभागाध्यक्ष प्रो. विक्रम सिंह मौजूद रहेंगे। आप उनसे फोन नंबर 0522-2204050 पर सवाल पूछ सकते हैं।

कलेक्ट्रेट परिसर में आशा एवं आशा संगिनी बहनों का प्रदर्शन

● राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बाराबंकी, जनपद बाराबंकी के कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को आशा एवं आशा संगिनी बहनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम ऐतिहासिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित आशा एवं आशा संगिनी कार्यकर्ताओं ने अपने अधिकारों की मांग को एकजुट होकर बुलंद स्वर में रखा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष के.के. मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में श्रमिक संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे और आशा बहनों को पूर्ण समर्थन प्रदान किया।

जिला अध्यक्ष, बाराबंकी आशा एवं आशा संगिनी कर्मचारी संगठन, शीला चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि आशा एवं आशा संगिनी बहनें वर्षों से National Health Mission (राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान) के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के समय भी इन कार्यकर्ताओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना घर-घर जाकर सर्वेक्षण, टीकाकरण एवं जन-जागरूकता का कार्य किया। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, परिवार नियोजन तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों में उनका योगदान अतुलनीय रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बहनों ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब वे अपने अधिकारों के प्रति पूर्णतः जागरूक और संगठित हैं। प्रदर्शन के उपरांत जिला अधिकारी, बाराबंकी के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से आशा एवं आशा संगिनी बहनों को राज्य कर्मचारी का दर्जा प्रदान करने, नियमित वेतनमान सुनिश्चित करने, सामाजिक सुरक्षा लाभ जैसे कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन एवं बीमा की व्यवस्था लागू करने तथा लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान करने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्ष 2005 से अब तक महंगाई में निरंतर वृद्धि हुई है, किंतु मानदेय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई है, जिससे जीवन-यापन अत्यंत कठिन हो गया है।

मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में आशा एवं आशा संगिनी बहनों के संघर्ष को न्यायोचित बताते हुए हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया। सभी उपस्थित बहनों और श्रमिक साथियों ने एक स्वर में अपनी एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रम पूर्णतः शांतिपूर्ण, गरिमामय एवं लोकतांत्रिक ढंग से संपन्न हुआ। अंत में सभी ने संकल्प लिया कि जब तक उनकी मांगें पूर्ण नहीं होतीं, तब तक संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक माध्यम से संघर्ष जारी रहेगा। संगठन की ओर से समस्त आशा बहनों, आशा संगिनी बहनों तथा मजदूर संघ के भाई एवं बहनों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला छात्रा का शव, कोहराम

● परिजनों ने छेड़छाड़ के प्रयास के बाद उठाया कदम बताया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बछरावां रोड स्थित रणगांव में बुधवार दोपहर एक 17 वर्षीय छात्रा का शव घर के भीतर पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव निवासी सत्येंद्र सिंह अपनी पत्नी संतोष सिंह, बेटी प्रज्ञा सिंह (17) और बेटे प्रिंस (14) के साथ अधीन का पुरवा गांव के निकट नई बस्ती में रहते हैं। बुधवार को सत्येंद्र और उनकी पत्नी बिजली बिल जमा करने गए थे। बेटा स्कूल गया था। दोपहर करीब 12 बजे जब दंपती लौटे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से झांकने पर बेटी बरामदे की छत में लगे पंखे की हुक से लटकी दिखी। यह देख उनके होश उड़ गए। शोर सुनकर आसपास के तमाम लोग जुट गए। दरवाजे के बगल की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। फंदा काटकर नीचे उतारा गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मामले में परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मंगलवार शाम जब वे एक रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए थे, उसी दौरान घर के पास स्थित आरेडिका के लिए उपकरण बनाने वाली फैक्ट्री में काम करने वाले कुछ युवक छात्रा को खेत की ओर खींच ले गए और जबरदस्ती करने की कोशिश की। पास के तालाब में मछली पकड़ रहे लोगों ने शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग निकले। निमंत्रण से लौटने पर छात्रा ने पूरी बात अपने माता पिता को बताई। सत्येंद्र भी उसी फैक्ट्री में काम करते हैं। परिजनों का आरोप है कि

फैक्ट्री मालिक ने मामले को दबाने का दबाव बनाया और लौटकर बात करने को कहा। यह भी आरोप है कि फैक्ट्री मैनेजर ने आरोपी युवकों को वहां से हटा दिया। परिवार का कहना है कि इसी बात से क्षुब्ध होकर छात्रा ने यह कदम उठाया। छात्रा इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा दे रही थी। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायतनामा कराकर शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। फैक्ट्री में काम करने वाले लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

NHM संविदा कर्मचारियों का प्रदर्शन

● वेतन भुगतान में देरी और समायोजन की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर - संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) कर्मचारी संघ ने संविदा कार्मिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान और राज्य-आधारित व्यवस्था निर्माण की मांग को लेकर बुधवार को प्रदर्शन किया। संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। संघ ने बताया कि NHM के तहत कार्यरत संविदा कर्मचारी गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। दिवाली 2023 से वेतन भुगतान में लगातार देरी हो रही है, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हैं। किराया, बच्चों की शिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारियां और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति मुश्किल हो गई है।

कर्मचारियों के अनुसार, SNA-SPARSH प्रणाली में तकनीकी बाधाओं के कारण वेतन समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनका मनोबल प्रभावित हो रहा है। इन कर्मचारियों ने कोविड महामारी के दौरान और नियमित टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा आपातकालीन चिकित्सा जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया है।

अपनी मांगों में, संघ ने SNA-SPARSH प्रणाली की बाधाओं को दूर कर प्रत्येक माह की 3 तारीख से पहले नियमित वेतन भुगतान सुनिश्चित करने और लंबित वेतन का तुरंत भुगतान करने की अपील की है। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य के कुल बजट का न्यूनतम 9-10 % स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए निर्धारित किया जाए। अन्य प्रमुख मांगों में PHS मानकों के अनुसार नए पदों का सृजन करना, 10 वर्ष या उससे अधिक सेवा पूरी कर चुके अनुभवी कार्मिकों के समायोजन के लिए नीति बनाना, और मध्य प्रदेश की तर्ज पर स्पष्ट एवं पारदर्शी वेतन नीति निर्धारित कर वेतन विसंगतियों को दूर करना शामिल है। संघ ने वरिष्ठता का सम्मान सुनिश्चित करने और सामाजिक सुरक्षा (स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, ग्रेच्युटी) तथा सेवा स्थिरता प्रदान करने की भी मांग की। संघ ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेकर हजारों स्वास्थ्य कर्मियों को न्याय मिलेगा।

भारत-नेपाल संबंध मात्र राजनीतिक संबंध नहीं, अपितु संवेदना, परंपरा और आत्मीयता से जुड़े हुए हैं : पूर्व आचार्य प्रोफेसर रामदेव शुक्ल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में हिंदुस्तानी अकादमी उत्तर प्रदेश, प्रयागराज तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत-नेपाल संबंधों का हिंदी भाषा एवं साहित्य पर प्रभाव' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्रों के संकलन पर आधारित संपादित पुस्तक 'भारत-नेपाल सम्बन्ध : हिन्दी भाषा, साहित्य एवं विविध आयाम' का विमोचन भी मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। इस पुस्तक के संपादक प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार दुबे हैं। उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य प्रोफेसर रामदेव शुक्ल ने भारत और नेपाल के संबंधों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय गहराई पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल संबंध मात्र राजनीतिक संबंध नहीं, अपितु संवेदना, परंपरा और आत्मीयता से जुड़े हुए हैं। राजनीतिक अस्थिरता या गतिरोध कभी-कभी प्रभाव डाल सकते हैं, परंतु दोनों देशों की मैत्री का आधार मानवीय संबंधों में निहित है, जो अटूट और अविच्छिन्न हैं, विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री प्रोफेसर सतीश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि नेपाल का विकास सदैव भारत की चिंतनधारा के केंद्र में रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर नीता यादव ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध सांस्कृतिक निरंतरता के प्रतीक हैं। साहित्य, लोकसंस्कृति और शैक्षिक संवाद इन संबंधों को गहराई प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे इन आयामों पर शोध को प्रोत्साहित करें।

स्वागत उद्बोधन हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व अधिष्ठाता प्रोफेसर हरीशकुमार शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल संबंधों की जड़ें लोकजीवन में रची-बसी हैं और साहित्य इन संबंधों का जीवंत दर्पण है।

विषय प्रस्तावना संगोष्ठी के संयोजक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार दुबे द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी केवल औपचारिक अकादमिक आयोजन नहीं, बल्कि अपने भौगोलिक और सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ा हुआ एक जीवंत प्रयास है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव सहित विश्वविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। प्रथम दिवस दो तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ, जिसमें दो दर्जन से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. राम पाण्डेय ने की और मुख्य वक्ता डॉ. राणा प्रताप तिवारी रहे जबकि दूसरे सत्र के अध्यक्ष डॉ. विशाल गुप्ता तथा मुख्य वक्ता डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव रहे। दूसरे दिन दो तकनीकी सत्रों के साथ समापन समारोह आयोजित होगा।

पत्नी को लेने गए युवक को पीटा, भाई पर सिर फोड़ने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के ऐहार गांव में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पत्नी को वापस लाने गए युवक पर उसके ही भाई ने हमला कर दिया। इससे युवक का सिर फट गया। गांव निवासी कुलदीप ने बताया कि 19 फरवरी को उसकी पत्नी बेटी को छोड़कर कहीं चली गई थी। वह कई दिनों से खोजबीन कर रहा था। जानकारी मिली कि पत्नी साकेत नगर में उसके भाई के साथ रह रही है।कुलदीप जब उसे वापस लेने पहुंचा तो वहां कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि भाई रिंकू ने सिर पर वार कर दिया। इससे वह लहूलुहान हो गया। किसी तरह वह कोतवाली पहुंचा। पुलिस ने फौरन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। घटना के बाद पत्नी उसके साथ घर लौट आई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण सकुशल संपन्न

● मधुमक्खी पालन से ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी: डॉ योगेंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर 25 फरवरी चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में दो सप्ताह का प्रशिक्षण सकुशल संपन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से स्वरोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी महाविद्यालय में मधुमक्खी पालन के साथ वर्मी कंपोस्ट एवं फूड प्रोसेसिंग के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं साथ मेंकंप्यूटरआधारित ऑफिस ऑटोमेशन एवं इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स भी संचालित किया जा रहे हैं जो भी प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वह अपना रजिस्ट्रेशन महाविद्यालय में आकर करवा सकते हैं। मधुमक्खी पालन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे आसानी से किया जा सकता है जहां पर फूल वाली फसलों की खेती अधिक होती है वहां पर मधुमक्खियां को पाला जा सकता है। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के सह-आचार्य धनेंद्र कुमार सिंह ने बताया की प्रशिक्षण में कई तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा हुई मधुमक्खी शहद कैसे बनती है कैसे डिब्बे तैयार किए जाते हैं शहद निकालने की विधि बताई गई। महाविद्यालय के सह- आचार्य रवी शंकर वर्मा ने मधुमक्खी की जीवन वृत पर चर्चा किया। तथा डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मधुमक्खियों को गर्मियों में देखभाल, कीट एवं बीमारी प्रबंधन पर चर्चा औरकहां की क यह प्रशिक्षण ग्रामीण आजीविका और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में 14 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया।

शंकराचार्य के अपमान पर कांग्रेस का प्रदर्शन

● प्रधानमंत्री को भेजा मांगपत्र, राजेश तिवारी बोले- हिस्ट्रीशीटर के आरोप लगाने पर बीजेपी सरकार का अत्यंत निंदनीय प्रयास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ कथित दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के मामले को लेकर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भेजकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया कॉर्डिनेटर राजेश तिवारी ने इस दौरान कहा कि आदित्यनाथ सरकार एक कुचक्र रचकर पूज्य शंकराचार्य को फंसाने का प्रयास कर रही है, जो संपूर्ण सनातन का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक हिस्ट्रीशीटर के आरोप लगाने पर बीजेपी सरकार का यह प्रयास अत्यंत निंदनीय है। तिवारी ने आगे कहा कि शंकराचार्य को सच बोलने के लिए परेशान किया जा रहा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि यह मामला केवल एक संत का नहीं, बल्कि सनातन परंपरा और करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है। इसमें माघ मास जैसे पावन अवसर पर शंकराचार्य को स्नान से वंचित किए जाने को धार्मिक अधिकारों का खुला हनन बताया गया है। साथ ही, पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार और झूठे मुकदमे दर्ज कर दबाव बनाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

कांग्रेस ने मांग की है कि गैर-भाजपा शासित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक स्वतंत्र समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। इसके अलावा, आरोपित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर कठोर कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी ने कहा कि धर्मगुरुओं के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगा और सरकार तुरंत कार्रवाई करे। जफर खान ने चेतावनी दी कि अगर न्याय नहीं मिला तो यह आंदोलन जनआंदोलन बनेगा और जवाब सड़कों पर दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान अतहर नवाब, राम किशोर, असलम अंसारी, हाजी फिरोज, विकास मिश्रा, मो मंसूर, अजय मिश्रा, दिनेश तिवारी, मोहसिन सलीम, इकराम खान, अवधेश गौतम, विनय कुमार, महेश सिंह, आलोक पाण्डेय, जनेश्वर उपाध्याय, अखंड मिश्रा समेत कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ध्वजारोहण एवं मंडप उद्घाटन के साथ छः दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ बुढार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल। नगर के नव-निर्मित श्री शांतिनाथ जिनालय में आयोजित छः दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ आज ध्वजारोहण एवं मंडप उद्घाटन के साथ अत्यंत भव्य एवं मांगलिक वातावरण में संपन्न हुआ।यह महामहोत्सव संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य, गुणायतन प्रणेता ज्येष्ठ मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज के सान्निध्य में आयोजित हो रहा है। उनके साथ निर्यापक मुनि श्री प्रसादसागर महाराज, मुनि श्री शीतलसागरमहाराज, मुनि श्री संधानसागर महाराज एवं क्षुल्लक श्री समादरसागर महाराज ससंघ उपस्थिती में ध्वजारोहण एवं मंडप उद्घाटन का मंगल कार्य विलासपुर के संवाई सिंघई कोयला परिवार द्वारा संपन्न किया गया। इसके पश्चात वेदी शुद्धि, इंद्र प्रतिष्ठा सहित समस्त मांगलिक क्रियाएँ विधिपूर्वक सम्पन्न हुई। दोपहर में याग मंडल विधान एवं हवन का आयोजन हुआ मुनि संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय मीडिया प्रभारी प्रसन्न जैन दीपू ने 26 फरवरी गुरुवार को प्रातः 6 बजे से श्रीजी का अभिषेक, शांतिमंत्रों के साथ शांति धारा एवं गर्भ कल्याणक पूजन संपन्न होगी।

प्रातः 8 से 9:30 बजे तक विश्वप्रसिद्ध 'भावनायोग' कार्यक्रम मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज के मुखारविंद से संपादित किया जाएगा। इस भावनायोग के माध्यम से आध्यात्मिक जागरण, मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का लाभ प्राप्त होगा। मुनि श्री वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ इसके शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों में लाभ की विधि भी बताएंगे।सकल दिगम्बर जैन समाज धनपुरी एवं महासभा न्यास के समस्तपदाधिकारियों ने सर्व समाज को इस पुण्य अवसर पर उपस्थित होकर लाभान्वित होने का आमंत्रण दिया है।

पंचकल्याणक का वास्तविक उद्देश्य जीवन रूपांतरण- मुनि श्री प्रमाणसागर

प्रातः प्रवचन सभा में मुनि श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि पंचकल्याणक को मात्र एक आयोजन या उत्सव न समझें। इसका मूल उद्देश्य जीवन का कल्याण है। यदि भावपूर्वक क्रियाएँ की जाएँ तो जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन संभव है,उन्होंने कहा कि 'पंचकल्याणक' भगवान के गर्भ,जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान एवं निर्वाण की घटनाओं को प्रदर्शित किया जाता है, यह देव और मनुष्यों द्वारा मनाया जाने वाला दिव्य उत्सव है। आज भले ही साक्षात भगवान हमारे सामने उपस्थित नहीं हैं, परंतु हम मंदिर निर्माण एवं प्रतिष्ठा के माध्यम से उनके सान्निध्य की अनुभूति प्राप्त करते हैं।

मुनि श्री ने कहा कि प्रतिष्ठा से पूर्व मंदिर केवल एक इमारत के रुप में है, किंतु भावों से परमात्मा हमारे अंतःकरण में विराजमान होते हैं। अमूर्त परमात्मा को पहचानने के लिए मूर्त स्वरूप का आलंबन आवश्यक है, और उसी अमूर्त तत्व को मूर्त प्रतिमा में प्रतिष्ठित करने के लिए ही पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाता है।उन्होंने चार महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष प्रकाश डालते हुये कहा पंचकल्याणक क्या है?

क्यों करें? कैसे करें? और क्या करना है? मुनि श्री ने कहा कि पंच जब प्रपंच में उलझ जाते हैं तो उसका उद्देश्य विकृत हो जाता है,हमारा लक्ष्य आत्मा का कल्याण है, यह आयोजन केवल पाँच दिनों का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन रूपांतरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है।

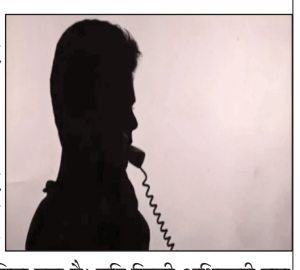

यूपी में अब विधायकों के फोन का 10 मिनट में उत्तर देंगे अधिकारी, विधानसभा में मुद्दा उठने के बाद शुरू हुई ये व्यवस्था

लखनऊ। अधिकारियों द्वारा विधायकों के फोन कॉल न उठाने की समस्या के निदान के लिए बुधवार से गाजियाबाद, हरदोई और कन्नौज में संवाद सेतु (जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर) की व्यवस्था शुरू हो गई। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इन कमांड सेंटर्स की शुरुआत वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण की मौजूदगी में की गई।

असीम अरुण ने कहा कि यह व्यवस्था पक्ष, विपक्ष और निर्दलीय सभी जनप्रतिनिधियों के लिए समान रूप से उपलब्ध है। अधिकारी हों चाहे जनप्रतिनिधि, हमारा एक ही प्रोटोकॉल है, जनता की सेवा करना। आने वाले समय में इस व्यवस्था का परिणाम अच्छा मिलेगा। जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर्स में स्टाफ की तैनाती कर दी गई है। सीयूजी नंबर अपडेट कर कॉल मॉनिटरिंग प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। यदि किसी अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि की कॉल 10 मिनट के भीतर रिसीव या काल बैक नहीं की जाती है तो जनप्रतिनिधि कमांड सेंटर को सूचित कर सकेंगे। कमांड सेंटर संबंधित अधिकारी को तुरंत काल बैक के लिए निर्देशित करेगा और संवाद सुनिश्चित करेगा। यह व्यवस्था केवल कार्य दिवसों और कार्यालय समय में और सरकारी नंबरों पर लागू होगी। इसकी प्रतिदिन समीक्षा भी की जाएगी। इस दौरान विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह सहित तीनों जिलों के अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वाभिमानी राष्ट्र देश के नागरिकों का श्रेष्ठ रक्षक

आत्मनिर्भरता राष्ट्र का स्वाभिमान।

'पराधीन सपने हूं सुख नाही 'यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि 'एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं ',पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 'दैव दैव आलसी' पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है। कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता - राम सहायक उनके होते, जो होते हैं, आप सहायक, हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती हैं।

संजीव ठाकुर

'केरल' से 'केरलम': पहचान की पुनर्स्थापना या राजनीतिक रणनीति? नाम परिवर्तन के फैसले के लाभ-हानि, चुनावी असर और भाजपा के संभावित फायदे की पड़ताल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। यह फैसला उस प्रस्ताव की अगली कड़ी है जिसे राज्य विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी थी। अब प्रश्न यह है कि इस नाम परिवर्तन से राज्य को वास्तविक लाभ क्या होंगे, संभावित हानियां क्या हो सकती हैं, इसका चुनावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा और क्या इससे भारतीय जनता पार्टी को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है।

सबसे पहले लाभ की बात करें तो समर्थकों का तर्क है कि 'केरलम' नाम राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के अधिक अनुरूप है। मलयालम भाषा में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है, इसलिए यह परिवर्तन स्थानीय अस्मिता और आत्मसम्मान को मजबूती देता है। भारत में पहले भी कई राज्यों ने अपनी ऐतिहासिक या भाषाई पहचान के अनुरूप नाम बदले हैं—जैसे ओडिशा (पूर्व नाम उड़ीसा) और उत्तराखंड (पूर्व नाम उत्तरांचल)। इन उदाहरणों से यह तर्क दिया जाता है कि नाम परिवर्तन कोई असामान्य कदम नहीं, बल्कि समय के साथ पहचान के परिष्कार की प्रक्रिया है।

दूसरा संभावित लाभ सांस्कृतिक ब्रांडिंग का है। 'केरलम' नाम पर्यटन, आयुर्वेद, बैकवाटर्स और पारंपरिक कला रूपों की वैश्विक पहचान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकता है। जब कोई राज्य अपनी मूल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को आधिकारिक रूप देता है तो वह अपने नागरिकों में गौरव की भावना उत्पन्न करता है। इससे प्रवासी समुदाय, विशेषकर खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों मलयाली लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत हो सकता है। यह मनोवैज्ञानिक लाभ सीधे आर्थिक लाभ में बदले या न बदले, लेकिन सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां और संभावित हानियां भी जुड़ी हैं। नाम बदलने की प्रक्रिया में प्रशासनिक दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, सरकारी वेबसाइटों, कानूनी अभिलेखों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संशोधन की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों लेती है। आलोचकों का कहना है कि जब राज्य बेरोजगारी, बाढ़ प्रबंधन, कर्ज बोझ और बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब नाम परिवर्तन प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि इससे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ सीमित हैं, जबकि प्रशासनिक लागत वास्तविक है। चुनावी असर के संदर्भ में यह निर्णय दिलचस्प है। केरल में लंबे समय से वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का वर्चस्व रहा है। भाजपा यहां अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। ऐसे में यदि नाम परिवर्तन का निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी से आगे बढ़ता है, तो भाजपा इसे 'संस्कृति के सम्मान' और 'संविधान सम्मत प्रक्रिया' के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि केंद्र क्षेत्रीय पहचान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ है। इससे भाजपा को यह नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिल सकता है कि वह केवल हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की आकांक्षाओं को भी समझती है।

लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि केरल की राजनीति अत्यंत जागरूक और वैचारिक रूप से परिपक्व मानी जाती है। यहां मतदाता केवल प्रतीकात्मक मुद्दों पर वोट नहीं देते, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए केवल नाम परिवर्तन से चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव आ जाए, यह मान लेना जल्दबाजी होगी। हां, यह भाजपा के लिए एक संवाद का द्वार खोल सकता है, जिससे वह राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील दिखे।

भाजपा के संभावित फायदे पर यदि विस्तार से विचार करें तो यह निर्णय उसे दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर दे सकता है। पार्टी यह तर्क रख सकती है कि उसने राज्य विधानसभा की इच्छा का सम्मान किया और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कदम उठाया। इससे वह उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है जो क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन चाहते हैं। साथ ही, यह विपक्ष के उस आरोप को भी कमजोर कर सकता है कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता की अनदेखी करती है।

दूसरी ओर, विपक्ष इसे 'प्रतीकात्मक राजनीति' बताकर जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। यदि राज्य में आर्थिक या सामाजिक समस्याएं बनी रहती हैं, तो नाम परिवर्तन का मुद्दा जल्दी ही पृष्ठभूमि में चला जाएगा। इसलिए चुनावी लाभ तभी संभव है जब इसे व्यापक विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ जोड़ा जाए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय स्तर का है। यदि संसद में यह विधेयक पारित होता है, तो यह संदेश जाएगा कि भारत की संघीय संरचना में राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की परंपरा जारी है। इससे अन्य राज्यों में भी समान मांगें तेज हो सकती हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल द्वारा 'बांग्ला' नाम के प्रस्ताव के मामले में देखा गया था। हालांकि हर प्रस्ताव का मूल्यांकन अलग राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ में होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'केरल' से 'केरलम' का नाम परिवर्तन भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके आर्थिक और प्रशासनिक प्रभाव सीमित और मिश्रित रहेंगे। चुनावी राजनीति में इसका असर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।यदि इसे क्षेत्रीय सम्मान और विकास के व्यापक विमर्श से जोड़ा गया तो भाजपा को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक लाभ मिल सकता है; यदि यह केवल नाम तक सीमित रहा तो इसका प्रभाव भी प्रतीकात्मक ही रहेगा। लोकतंत्र में नाम केवल पहचान का माध्यम है, असली कसौटी नीतियों और उनके परिणामों से तय होती है।

कांतिलाल मांडोत

भर्ती प्रक्रिया या राजस्व का साधन? युवाओं का बड़ा सवाल

[युवाओं से वसूली, नौकरी में कंजूसी—किसका विकास?]

[परीक्षा शुल्क: व्यवस्था की मजबूरी या युवाओं की मजबूरी?]

उम्मीदों के आसमान तले खड़ा भारत आज एक कड़वी हकीकत से जूझ रहा है–युवा शक्ति होने के बावजूद युवा ही सबसे अधिक असुरक्षित और आक्रोशित है। आंखों में सपने, हाथों में डिग्रियां और मन में अटूट विश्वास लिए करोड़ों अभ्यर्थी सरकारी नौकरी को अपने भविष्य की अंतिम सीढ़ी मानते हैं। परंतु जब बेरोज़गारी भयावह रूप ले चुकी हो, तब यह सपना संघर्ष में बदल जाता है। ऐसे निर्णायक समय में आम आदमी पार्टी के नेता, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भर्ती व्यवस्था की उस अनदेखी सच्चाई पर प्रहार किया है, जिस पर अब तक चुप्पी साधी गई थी। उनका सीधा प्रश्न है–जब एक पद के लिए लाखों आवेदन लेकर भारी परीक्षा शुल्क वसूला जाता है, तो असफल अभ्यर्थियों की फीस वापस क्यों नहीं की जाती? यह मुद्दा अब केवल पैसों का नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी और संवेदनशील शासन का प्रश्न बन गया है।

यह प्रश्न किसी एक दिन की उपज नहीं, बल्कि वर्षों से भीतर ही भीतर धधक रहे युवाओं के आक्रोश की गूंज है। राघव चड्ढा ने उसी दबे दर्द को शब्द दिए हैं। आज देश में स्थिति ऐसी हो गई है कि कई सरकारी भर्तियों में कुछ ही पदों के लिए दस लाख से अधिक आवेदन आना भी सामान्य बात बन चुकी है। हर आवेदन के साथ 500 से 1500 रुपये तक शुल्क लिया जाता है, और जब इन आंकड़ों को जोड़ा जाता है तो एक भर्ती से सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये प्राप्त होते हैं, जबकि चयनित अभ्यर्थियों की संख्या नगण्य रहती है। बाकी लाखों युवा असफलता का भार लेकर लौटते हैं। वे केवल परीक्षा नहीं हारते, बल्कि अपना समय, धन और आत्मविश्वास भी गंवा बैठते हैं। ऐसे में यह संदेह स्वाभाविक है कि कहीं यह व्यवस्था युवाओं की विवशता को राजस्व के स्रोत में तो नहीं बदल रही।

परीक्षा शुल्क का उद्देश्य आयोजन की लागत–प्रश्नपत्र निर्माण, केंद्र प्रबंधन, पर्यवेक्षक मानदेय और मूल्यांकन–को पूरा करना होना चाहिए। परंतु वास्तविकता में एकत्रित राशि अक्सर इन खर्चों से कहीं अधिक होती है। कई बार परीक्षाएं रद्द होती हैं, पेपर लीक होते हैं या परिणामों में अनावश्यक देरी होती है, फिर भी अभ्यर्थियों को कोई राहत नहीं मिलती। मध्यम और निम्न वर्ग के छात्र परिवार की सीमित आय से यह शुल्क चुकाते हैं, जबकि कोचिंग, पुस्तकें, आवास और यात्रा का अतिरिक्त बोझ अलग होता है। जब अंततः परिणाम निराशा देता है, तो यह केवल एक व्यक्ति की हार नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक पीड़ा बन जाती है।

जब रोजगार के अवसर सीमित हों, तब संवेदनशील शासन की पहचान उसकी नीतियों से होती है। राघव चड्ढा का स्पष्ट मत है कि यदि सरकार पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध नहीं करा पा रही, तो कम से कम परीक्षा शुल्क को न्यूनतम रखा जाए या असफल अभ्यर्थियों को आंशिक रिफंड दिया जाए। उनका तर्क है कि प्रतियोगी परीक्षा सफलता की गारंटी नहीं देती, इसलिए शुल्क को रोजगार का प्रवेश-पत्र मानकर वसूलना न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह विचार सीधे युवाओं की भावनाओं को अभिव्यक्ति देता है। आज लाखों अभ्यर्थी वर्षों तक तैयारी करते हैं, कई बार आयु सीमा भी पार कर जाते हैं और अंततः निराश होकर निजी या अस्थायी कार्य की ओर मुड़ते हैं। उनके लिए परीक्षा शुल्क महज रकम नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश होता है।

निस्संदेह, रिफंड व्यवस्था लागू करना सरल नहीं होगा। प्रशासनिक जटिलताएं, तकनीकी प्रबंधन और बजटीय प्रभाव जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। फिर भी समाधान संभव हैं। शुल्क को प्रतीकात्मक बनाया जा सकता है, एक पंजीकरण से कई परीक्षाओं में भागीदारी की सुविधा दी जा सकती है, या परीक्षा रद्द होने पर स्वतः रिफंड अनिवार्य किया जा सकता है। डिजिटल भुगतान और सत्यापन प्रणालियों के इस दौर में पारदर्शिता सुनिश्चित करना असंभव नहीं है। आवश्यकता केवल स्पष्ट नीति और ठोस इच्छाशक्ति की है, ताकि व्यवस्था अधिक न्यायपूर्ण बन सके।

यह प्रश्न केवल धनराशि का नहीं, बल्कि युवाओं के मनोबल और सामाजिक संतुलन का भी है। वर्षों की तैयारी, परिवार की उम्मीदें और समाज की अपेक्षाएं मिलकर अभ्यर्थियों पर गहरा मानसिक दबाव बनाती हैं। असफलता के बाद अनेक युवा निराशा और अवसाद से जूझते हैं, कुछ चरम कदम भी उठा लेते हैं। जब व्यवस्था उन्हें केवल आंकड़ों में बदल देती है, तो स्वाभाविक रूप से भीतर असंतोष जन्म लेता है। ऐसे समय में यदि सरकार संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाए और शुल्क नीति में सुधार करे, तो यह भरोसा पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे युवाओं को महसूस होगा कि उनकी मेहनत और संघर्ष को समझा जा रहा है।

राघव चड्ढा द्वारा उठाया गया यह प्रश्न दलगत राजनीति से आगे बढ़कर सामाजिक चेतावनी का रूप ले चुका है। यह व्यवस्था को संकेत देता है कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं, बल्कि ठोस और व्यावहारिक सुधार आवश्यक हैं। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और पर्याप्त पद सृजन अनिवार्य हैं। यदि सरकार युवाओं से शुल्क लेती है, तो उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और प्रभावी हो। अन्यथा यही शुल्क अनजाने में अप्रत्यक्ष कर जैसा प्रतीत होने लगता है, जिसका भार उसी संघर्षरत वर्ग पर पड़ता है जो पहले से ही सीमित संसाधनों में भविष्य गढ़ने का प्रयास कर रहा है।

आज आवश्यकता है कि नीति-निर्माता इस उठती आवाज को केवल सुनें ही नहीं, उस पर ठोस निर्णय भी लें। बेरोज़गारी के इस दौर में युवाओं पर आर्थिक बोझ डालना अत्यंत संवेदनशील विषय है। यदि नौकरियां सीमित हैं, तो कम से कम अवसर की लागत अवश्य घटाई जानी चाहिए। परीक्षा शुल्क में सुधार, आंशिक रिफंड या नाममात्र शुल्क जैसी पहलें न केवल आर्थिक राहत देंगी, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत करेंगी। अंततः किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके युवा होते हैं। यदि उनके सपनों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव डाला जाएगा, तो विकास की गति प्रभावित होगी। इसलिए आवश्यक है कि भर्ती प्रणाली अधिक न्यायपूर्ण, पारदर्शी और मानवीय बने–ताकि हर युवा महसूस कर सके कि व्यवस्था उसके साथ है, उसके खिलाफ नहीं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

संपादकीय

बांग्लादेश में मुकदमों की नई जांच से क्या बदलेगी शेख हसीना की किस्मत

बांग्लादेश की राजनीति में 23 फरवरी 2026 को गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद द्वारा मुकदमों की पुनः जांच का आदेश देना एक ऐसा मोड़ हैए जिसके गहरे निहितार्थ हैं। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना के पतन के बाद देश जिस उथल.पुथल से गुजराए उसने न केवल सत्ता का केंद्र बदला बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक प्रतिशोध के आरोपों से घेर दिया। अब जब नई निर्वाचित बांग्लादेश नेशनालिस्ट पार्टी सरकार ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में इन मामलों की समीक्षा करने का निर्णय लिया हैए तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शेख हसीना को कोई राहत मिल सकती है। इस विषय का विश्लेषण करने के लिए हमें कानूनी बारीकियोंए राजनीतिक नैरेटिव और अंतरराष्ट्रीय दबाव के त्रिकोण को समझना होगा।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि इस समीक्षा का दायरा क्या है। गृहमंत्री ने स्पष्ट किया है कि जांच केवल उन मुकदमों की होगी जो 5 अगस्त 2024 के बाद दर्ज किए गए। हसीना सरकार के गिरने के बाद उपजी अराजकता में कई अवामी लीग कार्यकर्ताओंए व्यवसायियों और पत्रकारों पर ऐसे मुकदमे दर्ज हुएए जिनके बारे में माना जाता है कि वे व्यक्तिगत रंजिश या ष्भीड़ तंत्रष् के दबाव में किए गए थे। कानूनी रूप सेए यह समीक्षा शेख हसीना के लिए सीधे तौर पर कोई ढाल नहीं बनती। इसका कारण यह है कि हसीना पर लगे मुख्य आरोप जैसे 2024 के छात्र आंदोलन का दमन और मानवता के खिलाफ अपराध 5 अगस्त से पहले की घटनाओं से जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा उन्हें दी गई मौत की सजा और भ्रष्टाचार के मामलों में मिली 10 साल की कैद इसी श्रेणी में आती है। अतःए पोस्ट.अगस्त मुकदमों की फाइलें दोबारा खुलने से उनकी सजाओं पर कोई तत्काल कानूनी प्रभाव नहीं पड़ता। हालांकि कानून केवल धाराओं से नहींए बल्कि साक्ष्यों और प्रक्रियाओं की शुचिता से चलता है। यदि समीक्षा में यह पाया जाता है कि 5 अगस्त के बाद अवामी लीग के हजारों समर्थकों पर फर्जी केस लादे गए थेए तो यह शेख हसीना के वकीलों को एक मजबूत प्रक्रियागत तर्क प्रदान करेगा। वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह दावा कर सकेंगे कि जब निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले राजनीतिक द्वेष से प्रेरित हो सकते हैंए तो सर्वोच्च नेता के खिलाफ की गई पूरी न्यायिक प्रक्रिया भी निष्पक्ष नहीं हो सकती। यह स्थिति शेख हसीना को एक ष्पीड़ितष् के रूप में चित्रित करने में मदद करेगीए जिससे उन्हें प्रत्यक्ष कानूनी लाभ न सहीए पर एक नैतिक और नैरेटिव आधारित लाभ अवश्य मिल सकता है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो तारिक रहमान की सरकार एक कठिन संतुलन साधने की कोशिश कर रही है। एक तरफ उन्हें उन छात्रों और जनता को संतुष्ट करना है जिन्होंने हसीना के खिलाफ क्रांति कीए और दूसरी तरफ उन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह दिखाना है कि बांग्लादेश अब ष्प्रतिशोध की राजनीतिष् से आगे बढ़ चुका है। यदि समीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में मुकदमे वापस लिए जाते हैंए तो अवामी लीग के वे कार्यकर्ता जो अब तक भूमिगत थे या डरे हुए थे फिर से सक्रिय हो सकते हैं। कार्यकर्ताओं की यह सक्रियता शेख हसीना के लिए एक संजीवनी की तरह होगीए क्योंकि किसी भी निर्वासित नेता की शक्ति उसकी जमीन पर मौजूद फौज से ही तय होती है। इससे हसीना को यह कहने का मौका मिलेगा कि उनकी पार्टी के खिलाफ जो भी हुआ वह एक अवैध तख्तापलट् का हिस्सा था।

एक और महत्वपूर्ण आयाम अंतरराष्ट्रीय संबंधों का है। शेख हसीना वर्तमान में भारत में निर्वासन में हैं और ढाका की नई सरकार उनके प्रत्यर्पण के लिए दबाव बना रही है। मुकदमों की पुनः जांच का आदेश कहीं न कहीं यह संकेत देता है कि बीएनपी सरकार कानून के शासन को बहाल करना चाहती है। यदि जांच निष्पक्ष होती हैए तो यह नई सरकार की साख बढ़ाएगीए लेकिन यदि इसमें अवामी लीग के प्रति नरमी के संकेत मिलेए तो भारत जैसे पड़ोसी देशों को हसीना के पक्ष में खड़े होने का और अधिक आधार मिल जाएगा। भारत पहले ही इन मुकदमों को बांग्लादेश का आंतरिक मामला बताते हुए मानवीय आधार पर हसीना को शरण दिए हुए है। यदि ढाका खुद स्वीकार करता है कि उसके यहाँ दर्ज मुकदमों में विसंगतियां हैंए तो प्रत्यर्पण की मांग कानूनी रूप से कमजोर पड़ सकती है।

सामाजिक रूप सेए बांग्लादेश इस समय बुरी तरह ध्रुवीकृत है। 5 अगस्त के बाद अल्पसंख्यकों और अवामी लीग से जुड़े लोगों के खिलाफ हुई हिंसा ने एक घाव छोड़ दिया है। गृहमंत्री का यह कहना कि निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाएगाएष् उस वर्ग में सुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है जो हसीना का समर्थक रहा है। यह सामाजिक स्थिरता की ओर एक कदम हो सकता हैए लेकिन हसीना के लिए यह परोक्ष फायदा है क्योंकि इससे उनके समर्थन आधार का बिखराव रुक जाएगा। जब समर्थक सुरक्षित महसूस करेंगेए तभी वे हसीना की वापसी या उनके विचारों के लिए आवाज उठा पाएंगे।

अंततः इस पूरी कवायद से शेख हसीना को मिलने वाला लाभ ष्सीमित और परोक्ष् प्रतीत होता है। उन्हें जेल से बाहर निकालने या उनकी सजा कम करने का कोई सीधा रास्ता इस समीक्षा से नहीं निकलता। लेकिनए यह कदम उस कठोर कानूनी और राजनीतिक घेराबंदी को थोड़ा ढीला जरूर कर सकता है जो 5 अगस्त के तुरंत बाद उनके चारों ओर बनाई गई थी। यदि बीएनपी सरकार इस जांच को पारदर्शी तरीके से पूरा करती है तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की जीत होगीए लेकिन यदि इसमें जरा भी चूक हुई तो शेख हसीना इसे अपनी वापसी का पहला पायदान बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। निष्कर्षतः यह कदम हसीना की सजा को तो नहीं बदल सकता लेकिन उनकी धूमिल होती छवि को ष्राजनीतिक शिकारष् के रूप में पुनर्जीवित करने का अवसर अवश्य प्रदान कर सकता है।

महेन्द्र तिवारी

प्रहार : अटूट संकल्प

इस समय केवल भारत ही नहीं बल्कि समूचा विश्व मानव जनित त्रासदी यानि आतंकवाद से त्रस्त है। आतंकवाद मानवता, शांति, विकास और लोकतंत्र जैसे मूल्यों का शत्रु है। आतंकवाद एक ऐसी कट्टरपंथी सोच का परिणाम है जो खुद को सबसे श्रेष्ठ और दूसरों को काफिर मानती है। ऐसी ताकतें लगातार षड्यंत्र रचती रहती हैं। आतंकवाद ने भारत को कई बड़े जख्म दिए हैं। भारत दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार होता रहा है। आतंकवाद की कोख से क्रांति नहीं केवल घृणा और विनाश जन्म लेता है। पाकिस्तान में सत्ता और नॉन स्टेट एक्टर्स की संधि में कोई अंतर नहीं बचा। आतंकी ताकतों ने हमारे धर्मस्थलों को नहीं छोड़ा। लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर संसद तक को निशाना बनाया गया। मुम्बई हमले में सैकड़ों निर्दोषों की जान चली गई। पुलवामा में हमारे जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी। पहलगाम हमले में बेगुनाहों को उनका धर्म पूछकर मारा गया। यह नैतिक और बर्बरता की प्रकाष्ठा थी। जैसे-जैसे देश के लिए खतरों का स्वरूप बदलता रहता है और नई चुनौतियां पेश करता है। उनका सामना करने के लिए देश को नई नीतियां बनानी पड़ती हैं। गृह मंत्रालय ने जल, थल, नभ खतरों की नई चुनौ?तियों का आंकलन करने के बाद देश की पहली आतंकवाद विरोधी नीति 'प्रहार' का दस्तावेज जारी किया जो जीरो टालरेंस और खुफिया जानकारी के आधार पर चमरपंथी हिंसा की रोकथाम और उसे बाधित करने पर आधारित एक बहुस्तरीय रणनीति है। यह नीति देश के भीतर और बाहर से उत्पन्न होने वाले आतंकी खतरों का मुकाबला करने के लिए सात प्रमुख स्तम्भों पर आधारित है।

प्रहार का तात्पर्य है भारतीय नागरिकों और हितों की रक्षा के लिए आतंकी हमलों की रोकथाम, खतरे के अनुरूप और त्वरित प्रतिक्रियाएं देना, समग्र सरकारी दृष्टिकोण में तालमेल हासिल करने के लिए आंतरिक क्षमताओं का एकीकरण, खतरों को कम करने के लिए मानवाधिकार और 'कानून के शासन' पर आधारित प्रक्रियाएं। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को कम करना जिसमें कट्टरपंथ भी शामिल है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों को सरेखित और आकार देना। समाज के समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से पुनर्प्राप्ति और लचीलापन। पाकिस्तान का नाम लिए बिना, दस्तावेज में कहा गया है कि भारत सीमा पार आतंकवाद से लगातार खतरों का सामना कर रहा है, जिसमें जिहादी संगठन और अलकायदा और आईएसआईएस जैसे वैश्विक समूह हमलों की योजना बनाने के लिए स्लीपर सेल का उपयोग कर रहे हैं। विदेशों से संचालित चरमपंथी उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हैं, जिनमें ड्रोन भी शामिल हैं, विशेष रूप से पंजाब और जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी हिंसा में हताहतों की प्रकृति को लेकर कोई संकोच नहीं होता। आतंकवादी सभी को साफ्ट टारगेट मानते हैं। छुट्टी पर आए सैनिक हों या निहत्थे पुलिसकर्मी। यहां तक कि बच्चों से भरी स्कूल बसें भी इनके निशाने पर हैं। किसी भी राष्ट्र की आतंकवादी विरोधी नीति अनिवार्य रूप से अतीत में ऐसे मामलों से निपटने के उसके अनुभव और वर्तमान स्थिति पर आधारित होती है। 80 के दशक में हमने पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का भयंकर दौर देखा। मैं स्वयं उस परिवार से संबंध रखता हूं जिसने आतंकवाद की बहुत पीड़ा झेली है। पंजाब में धार्मिक अल्पसंख्यकों यानि हिन्दुओं को बसों और ट्रेनों से निकालकर बेरहमी से मार डाला गया तो जम्मू में कश्मीरी पंडितों पर जुल्म ढाए गए और 90 के दशक में घाटी कश्मीरी पंडितों से खाली हो गई। कश्मीरी पंडित अपने ही देश में शरणार्थी हो गए और उन्हें 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत की नीति में मूल परिवर्तन आया है। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रह गया। 2016 का सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 का बालाकोटा एयर स्ट्राइक और 2023 का ऑपरेशन सिंदूर यह सभी कदम नीति में परिवर्तन का प्रमाण हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवादी कहीं भी हो उन्हें खत्म किया जाएगा और आतंकवाद के किसी भी स्वरूप को सहन नहीं किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते वर्षों में आतंक पर जीरो टॉलरेंस नीति एवं राष्ट्रहित पर कोई समझौता नहीं करने की रणनीति अपनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि शासन का स्थायी सिद्धांत बना दिया है। चाहे सीमा पार से आने वाले आतंकी हमले हों या देश के भीतर की कट्टरवादी गतिविधियां मोदी सरकार ने हर स्तर पर यह साबित किया है कि भारत अब न तो चुप रहेगा और न झुकेगा। मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को एक ही झटके में खत्म कर आतंकवाद को खत्म करने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया। अब अलगाववादी हुर्रियत कान्फ्रेंस का नामोनिशान नहीं बचा है। आतंकवादी संगठन हाशिए पर हैं। आतंकवादी वारदातों की संख्या काफी कम हो गई है। आतंकवादी कमांडरों का जीवन बहुत कम रह गया है। हालांकि बचे-खुचे आतंकवादी टारगेट किलिंग में सफल हो रहे हैं लेकिन राज्य में बहुत बड़ा परिवर्तन यह आया है कि बाजार गुलजार हैं। पहलगाम की घटना के बाद अब पर्यटन स्थल दोबारा से खुल चुके हैं। हाल ही के महीनों में खुफिया एजेंसियों ने कई राज्यों में रची जा रही 10 से ज्यादा बड़ी आतंकी साजिशों पर विराम लगाया है। जैश-ए-मोहम्मद, आईएसआईएस, टीटीपी और अन्य आतंकवादी संगठनों द्वारा देश में अंजाम दिए जाने वाले हमलों पर प्रभावी रोक लगी है। देश के भीतर नक्सलवाद अब आखिरी सांसें ले रहा है। लाल आतंक का गलियारा अब खत्म हो चुका है। नक्सली कमांडर या तो मारे जा चुके हैं और बाकी सभी ने आत्मसमर्पण कर दिया है। नक्सल मुक्त भारत का सपना साकार हो चुका है। गृहमंत्री अमित शाह ने अपना अटूट संकल्प पूरा कर दिखाया है। मोदी सरकार ने आतंकवादियों को न केवल सीमाओं पर जवाब दिया गया बल्कि उनकी फंडिंग, नेटवर्क और ठिकानों पर भी निर्णायक वार किया। इस सख्त नीति का परिणाम आंकड़ों में साफ झलकता है। जब सरकार की नीयत साफ हो और नेतृत्व निर्णायक हो, तब आतंक की जड़ें हिलती हैं। भारत ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति, आधुनिक तकनीक और सशक्त सुरक्षा नीति से आतंकवाद के फन को कुचला जा सकता है। हर भारतीय को राजनीति प्रथम और राष्ट्र प्रथम की मानसिकता रखने वाली सरकारों में अंतर नजर आ रहा है। नया भारत न खामोश बैठता है न झुकता है। आतंकवाद के विरुद्ध नई नीति 'प्रहार' निर्णायक कार्रवाई करने का अटूट संकल्प है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

होली व ईद के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

रूद्रपुर, देवरिया। होली व ईद के मद्देनजर कोतवाली रुद्रपुर में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हो गई। बैठक में प्रमुख रूप से पुलिस क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव कोतवाल कल्याण सिंह सागर तहसीलदार चंद्रशेखर वर्मा व नायब तहसीलदार अनिल तिवारी मौजूद रहे। हिंदू और मुस्लिम समुदायों के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में त्योहार को शांतिपूर्वक माहौल में मनाने का संकल्प लिया गया। नगर पंचायत की तरफ से साफ सफाई व पानी की व्यवस्था उपलब्ध कराने की बात कही गई। रुद्रपुर में शुरू से ही त्योहारों पर गंगा जमुनी तहजीब की झलक मिलती रही है। एक बार फिर सभी ने त्योहार शांति से मनाने की अपील की। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी व कोतवाल ने लोगों को आगाह किया कि त्यौहार में खलल डालने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर पत्रकार गण व अधिवक्ता गण तथा दोनों समुदायों के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से 26 वर्षीय महिला की मौत, पति-बच्चा घायल

गोरखपुर। कुसम्ही जंगल क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब महिला अपने पति और दो वर्षीय बच्चे के साथ गोरखपुर जा रही थी। जानकारी के अनुसार, एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही जंगल में ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में महिला के पति और दो वर्षीय बच्चे को भी मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। मृतक महिला की पहचान आसना गुप्ता (26) पत्नी अनुज गुप्ता, निवासी कुसम्ही बाजार टोला रुद्रापुर थाना एम्स के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

धोखे से जमीन का बैनामा, विरोध करने पर विधवा और बेटियों से मारपीट का आरोप

देवरिया। जनपद के खामपार थाना क्षेत्र के सवरेजी गांव में जमीन विवाद ने तूल पकड़ लिया है। आरोप है कि नाम चढ़वाने के बहाने एक बुजुर्ग विधवा महिला को ले जाकर धोखे से जमीन का बैनामा करा लिया गया। जब परिवार को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने थाना से लेकर जिला प्रशासन तक शिकायत की, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित परिवार का कहना है कि न्याय की मांग करना उन्हें भारी पड़ गया। आरोप है कि कथित दबंगों ने महिला और उसकी दो बेटियों के साथ मारपीट की, जिससे वे घायल हो गईं। घटना के बाद गांव में आक्रोश है और लोगों में प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कदम न उठाए जाने से आरोपियों के हौसले बढ़े। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि शुरुआती स्तर पर जांच कर कार्रवाई होती तो विवाद हिंसा तक नहीं पहुंचता। फिलहाल मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पीड़ित पक्ष ने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि कानून व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कायम रह सके।

इटियाथोक थाना क्षेत्र में चोरी का खुलासा, शातिर अपराधी गिरफ्तार

गोण्डा। थाना इटियाथोक पुलिस ने चोरी की हालिया घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए एक अन्तरजनपदीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कुरासी पुलिया के पास से अभियुक्त चुनमुन चौहान निवासी जनपद बहराइच को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 55,615 नगद, सोने-चांदी के आभूषण, चोरी में प्रयुक्त औजार तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने 22/23 फरवरी 2026 की रात सदाशिव बाजार में तीन दुकानों में सेंधमारी कर लाखों के जेवर व नगदी चोरी करना स्वीकार किया। साथ ही 19/20 फरवरी को नवाबगंज क्षेत्र में भी वारदात करने की बात कबूली। अभियुक्त के विरुद्ध विभिन्न जनपदों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसे न्यायालय भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में राहत का माहौल है।

गोरखपुर से गूंजा उपभोक्ता अधिकारों का शंखनाद! ठगी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी जंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर । उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने और बाजार की हर धोखाधड़ी के खिलाफ बुलंद आवाज उठाने का जोरदार संकल्प लेकर कंज्यूमर्स कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (CCI) की 'Consumer Awareness Bharat Yatra' आज गोरखपुर के प्रताप सभागार में धूमधाम से शुरू हो गई। जिलाध्यक्ष प्रिया शुक्ला के मजबूत नेतृत्व में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सैकड़ों उपभोक्ता और खासकर महिला शक्ति का हुजूम उमड़ा। मुख्य अतिथि पर्यंक दुबे, कुसुम चंद, डॉ. सरिता सिंह, नीलम तिवारी समेत दर्जनों महिलाएं इस अभियान की मशाल बनकर सामने आईं। 'पद पखारि जलु - पितर पारु करि' के प्रेरणादायी संदेश के साथ शुरू हुई यह राष्ट्रव्यापी यात्रा 24 दिसंबर 2025 से 15 मार्च 2026 तक पूरे देश में चलेगी। उपभोक्ता कल्याण परिषद समिति, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में चलाया जा रहा यह अभियान उपभोक्ता जागरूकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का ऐतिहासिक कदम है। कार्यक्रम में उपभोक्ता अधिकार, बाजार की पारदर्शिता, सुरक्षित खरीदारी और डिजिटल ठगी के बढ़ते खतरे पर जोरदार चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष भूप सिंह पाल ने आग बरसाते हुए कहा, 'उपभोक्ता ही बाजार व्यवस्था की रीढ़ है।

जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। आज फर्जी विज्ञापन, नकली उत्पाद और ऑनलाइन लूट का बाजार गर्म है। हमें चुप नहीं बैठना है, बल्कि हर धोखे के खिलाफ लड़ना है। ' प्रदेश अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश राणा ने उपभोक्ताओं से सीधा आह्वान किया, 'अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। ठगी या धोखाधड़ी देखते ही आवाज उठाएं। चुप्पी अपराध को बढ़ावा देती है। 'प्रमुख सचिव कैला कुमावत और श्रीकृष्ण गौतम ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की हर धारा को आसान भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि शिकायत निवारण तंत्र कितना सरल और प्रभावी है। जुबेद उर रहमान (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), हरेंद्र कुमार सिंह (लखनऊ मंडल अध्यक्ष), कुजुम शर्मा (प्रदेश महासचिव, महिला मोर्चा), संजीव कुमार (मेरठ मंडल अध्यक्ष) सहित तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मंच पर विराजमान रहे। इस भारत यात्रा के पांच बड़े उद्देश्य हैं – उपभोक्ताओं को उनके कानूनी अधिकारों की पूरी जानकारी देना, फर्जी विज्ञापनों और साइबर ठगी से बचाना, ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता फैलाना, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 को हर घर तक पहुंचाना और सुरक्षित बाजार व्यवस्था की मांग को मजबूत करना कार्यक्रम में जागरूकता रैली निकाली गई, सामूहिक शपथ ली गई और खुला संवाद सत्र आयोजित हुआ। उपस्थित हर व्यक्ति ने 'जागरूक उपभोक्ता, सशक्त भारत' का नारा लगाते हुए संकल्प लिया कि अब कोई भी उपभोक्ता अकेला नहीं रहेगा, गोरखपुर से उठी यह जागरूकता की मशाल अब पूरे उत्तर प्रदेश के हर जिले तक पहुंचेगी। 15 मार्च 2026 तक यह यात्रा देशभर में लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचकर एक क्रांति का रूप लेगी। आज के डिजिटल युग में जब हर क्लिक पर ठगी का खतरा मंडरा रहा है, ऐसी यात्राएं न सिर्फ जरूरी हैं बल्कि देश को नई दिशा देने वाली हैं।

गोरखपुर बेलघाट में फिर मिला कुआनो नदी में शव, इलाके में सनसनी

ग़ोला। गोरखपुर जनपद के बेलघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत रसूलपुर माफी गांव के सामने कुआनो नदी में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में दहशत और सनसनी का माहौल बन गया। लगातार नदी में शव मिलने की घटनाओं से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। जानकारी के अनुसार सुबह ग्रामीणों ने नदी में एक शव उतराता देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर जांच शुरू की। बाद में मृतक की पहचान अमरजीत पुत्र चुन्नीलाल, निवासी दुघरा गांव, थाना उरूवा क्षेत्र के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि हर एंगल से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि मामला हादसा है, आत्महत्या है या फिर किसी अन्य कारण से जुड़ा हुआ है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा कर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित जनप्रतिनिधियों ने जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम कुसुम योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और ऑपरेशन कायाकल्प की स्थिति पर सुझाव दिए। जलापूर्ति योजनाओं की ब्लॉकवार अद्यतन सूची उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सड़क निर्माण, विद्युत पोल शिफ्टिंग तथा अन्य आधारभूत संरचना कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। पेंशन योजनाओं और आयुष्मान भारत के लाभार्थियों की स्थिति पर जानकारी लेते हुए पात्र व्यक्तियों को शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने आश्वस्त किया कि सभी निर्देशों का अनुपालन किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों मे युवक ने लगाई फांसी मौत

मनकापुर गोंडा- खोड़ारे थाना क्षेत्र के कूकनगर ग्रांट के मजरा गया तिवारी डीह मे मंगलवार की रात मे विशाल विश्वकर्मा पुत्र स्वर्गीय राम नरेश विश्वकर्मा उम्र लगभग 22 वर्ष का घर के अंदर लगे लकड़ी के धरन से संदिग्ध अवस्था मे रस्सी के सहारे लटकते शव मिला। परिजनों ने देखा तो कोहराम मच गई घटना की सूचना खोंडारे पुलिस को दिया सूचना पाकर पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेते हुए मृतक की माता के तहरीर पर विधिक कार्यवाही करते हुए पीएम के लिए भेजा दिया । परिजनों के मुताबिक मृतक पांच भाइयों मे सबसे छोटा था और उसकी शादी भी नहीं हुई है।इस संबंध में थानाध्यक्ष खोड़ारे यशवंत सिंह ने बताया की शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

खजनी रजिस्ट्री कार्यालय में दो वर्षों से रिक्त चल रहा है रजिस्टार का पद बाबू काट रहे हैं मलाई

●रजिस्ट्री कराने वालों से जमकर हो रही है धन उगाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी- गोरखपुर के तहसील खजनी में स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में विगत दो वर्षों से रजिस्ट्रार का पद रिक्त चल रहा हैं बाबु और दलालों के मिलीभगत से अवैध गतिविधियां धड़ल्ले से संचालित करने की कई खबरें सामने आई हैं। ये बाबू मोटी रकम लेकर कर रहे रजिस्ट्री खजनी तहसील के रजिस्ट्री कार्यालयों में बाबू आवासीय भूमि को कृषि भूमि दिखाकर अपना जेब भर रहे हैं और राजस्व को चुना लगा रहे है

दलालों के माध्यम से सेटिंग

बाबू सीधे डील करने के बजाय दलालों के माध्यम से हेरा फेरी का काम करते हैं, ताकि वे सीधे पकड़े न जाएं।

स्टांप ड्यूटी में हेराफेरी

सरकारी स्टैंप शुल्क को कम दिखाकर, कृषि भूमि के नाम पर महंगी जमीन की रजिस्ट्री कर बाबू अपना जेब भरने में कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं।

खसरा खतौनी नहीं लगाते

खजनी तहसील में, आबादी भूमि की रजिस्ट्री के लिए जरूरी खसरा-खतौनी नहीं लगाते, है ताकि भूमि का सही प्रकार (आवासीय या कृषि) का भंडाफोड़ न हो पाये। इस तरह के मामलों के बाद, यूपी सरकार ने जमीन संबंधी धोखाधड़ी को रोकने के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। इसके अलावा, एंटी-करप्शन टीमें समय-समय पर रिश्वतखोर को रंगे हाथों पकड़ने के लिए स्टिंग ऑपरेशन भी चला रहे हैं परंतु खजनी रजिस्टार आफिस में यह गोरखधंधा खुल्लमखुल्ला चल रहा है इस पर किसी की पैनी नजर नहीं पड़ी रही है। जनता की आंख में धूल झोंककर खजनी रजिस्ट्री आफिस के बाबू सरकार के राजस्व आय को व जनता की गाढ़ी कमाई पर पलीता लगा रहे हैं। जिलाधिकारी गोरखपुर से आग्रह है कि इस गोरखधंधे पर विराम लगाते हुए रजिस्ट्रार के पद पर किसी की तैनाती कर शासन व जनता के धन को बर्बाद होने पर लगाम लगाने की कृपा करें।

सौतेली मां का खूंखार कांड! आधी रात चाकू घोंपकर नन्ही सौतेली बेटी की निर्मम हत्या, पूजा मौर्या गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर । थाना पिपराईच क्षेत्र के ग्राम इमलिया उर्फ विजहरा में रात 12 बजे के बाद एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। सौतेली मां पूजा मौर्या ने अपनी नाबालिग सौतेली बेटी पर धारदार हथियार से इतना बेरहम हमला किया कि बच्ची मौके पर ही लहूलुहान होकर ढेर हो गई।

घटना का भयावह विवरण

पुलिस के मुताबिक, बच्ची के पिता त्रिवेणी मौर्य लघुशंका के लिए घर से बाहर निकले ही थे कि पूजा मौर्या ने पहले से तैयार रखे चाकू से नन्ही बच्ची पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि बच्ची बचने का कोई मौका ही नहीं मिला। पड़ोसियों ने चीखें सुनकर दौड़कर देखा तो खून से सनी नन्ही लाश आंगन में पड़ी थी और पूजा बिना किसी पछतावे के वहां खड़ी थी। पूरे गांव में कोहराम मच गया, महिलाएं रोने लगीं, पुरुषों के मुंह से सिर्फ गुस्से की पुकार निकल रही थी।

पुलिस की तुरंत और सख्त कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पिपराईच थाना पुलिस रातोंरात मौके पर पहुंची। एसओजी, फॉरेंसिक टीम और उच्च अधिकारी तुरंत सक्रिय हो गए। साक्ष्य जुटाए गए, पूजा मौर्या को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। थाना पिपराईच में मुकदमा नंबर 94/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पूजा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

कारण क्या? परिवार में छिपा था जहर

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सौतेली बेटी से नफरत और पारिवारिक कलह इस जघन्य अपराध की मुख्य वजह हो सकती है। संपत्ति विवाद या घरेलू तनाव भी जांच का हिस्सा है। विस्तृत पूछताछ और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद पूरा सच सामने आएगा।

गांव और सोशल मीडिया में गुस्से की आग

स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। गांव के बुजुर्ग कह रहे हैं, 'सौतेली मां का प्यार तो दूर, ऐसी क्रूरता कभी नहीं देखी।' महिला मंडल प्रदर्शन की तैयारी में जुट गया है। ट्रेंड कर रहा है। लोग पूछ रहे हैं - क्या सौतेले रिश्ते अब सिर्फ हत्या तक सीमित हो गए हैं?

पुलिस का सख्त संदेश

एसपी ग्रामीण ने कहा, 'यह बेहद संवेदनशील और जघन्य मामला है। हर पहलू की गहन जांच हो रही है। दोषी को कोई भी बच नहीं सकता।' शव का पोस्टमॉर्टम कर लिया गया है और पूजा को कोर्ट में पेश करने की तैयारी चल रही है। अगले 48 घंटे में बड़े खुलासे की संभावना है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि घरेलू रिश्तों में बढ़ता तनाव कितना खतरनाक हो सकता है। गोरखपुर पुलिस ने साफ संदेश दिया है - अपराधी चाहे कोई भी हो, सजा जरूर मिलेगी।

सातवें दिन 'परशुराम चौराहा' नामकरण की मांग को मिला बड़ा बल, पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

●हस्ताक्षर और पोस्टकार्ड अभियान के जरिए सीएम-पीएम तक पहुंचाई जाएगी जनभावना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। निर्माणाधीन चौराहे का नाम 'परशुराम चौराहा/चौक' रखे जाने की मांग सातवें दिन और तेज हो गई। सामाजिक कार्यकर्ता शिवांशु शुक्ला के नेतृत्व में चल रहे हस्ताक्षर अभियान को उस समय नया बल मिला जब पूर्व सांसद दद्दन मिश्र से प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। पूर्व सांसद ने जिला प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र नामकरण सुनिश्चित कराने की बात कही और आश्वस्त किया कि वह मुख्यमंत्री से भी इस संबंध में पत्राचार करेंगे। शिवांशु शुक्ला ने बताया कि 17 फरवरी से शुरू इस अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर समर्थन दिया है। कुछ दिन पूर्व जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश एवं महेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा गया था। संबंधित स्थल पर निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, लेकिन अब तक नाम घोषित नहीं हुआ है। इसे लेकर पूर्व सांसद से औपचारिक अनुरोध किया गया।

अभियान के समर्थन में अखिल भारतीय ब्राह्मण जन कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष रामनरेश त्रिपाठी, संरक्षक सेतुबंध त्रिपाठी, भाजपा नेता पिंटू मिश्रा, मुस्ताक, हंसराज विश्वकर्मा, ऋषि पांडे, संतोष कुमार पांडे, डॉ. अजय शुक्ला, अरविंद सिंह, पवन सिंह ने खुलकर समर्थन दिया। वहीं समाजसेवी भाजपा नेत्री पम्मी पांडेय, पंकज मिश्रा, रजनीश शुक्ला सहित अन्य लोगों ने भी पूर्व सांसद से मुलाकात कर नामकरण में विलंब न किए जाने की मांग उठाई। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि क्षेत्र की जनआस्था और पहचान को देखते हुए चौराहे का नाम 'परशुराम चौराहा' रखा जाना चाहिए। इसी क्रम में पोस्टकार्ड अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसके तहत अब तक 80 पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को भेजे जा चुके हैं। समर्थकों ने स्पष्ट किया कि जब तक नामकरण की आधिकारिक घोषणा नहीं होती, तब तक यह जनअभियान जारी रहेगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर ग्रीन योजना केन्द्र का हुआ शुभारंभ

●आसान किस्तों के माध्यम से सोलर ग्रीन योजना का ले सकते हैं लाभ - सुरेन्द्र चौधरीएक बार सभी जनपद वासियों से सेवा का अवसर देने की सुरेन्द्र चौधरी ने किया अपीलसोलर ग्रीन योजना से दूर होगा ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा संकट - पूर्व सांसद विनय कटियार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मे अयोध्या पूर्व सांसद विनय कटियार ने रोडवेज के निकट बीएसएनएल आफिस के सामने सोलर ग्रीन योजना केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। पूर्व सांसद ने कहा कि यह केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा संकट दूर होगा। यह केन्द्र पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत स्थापित किया गया है। जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है । पूर्व सांसद विनय कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई यह योजना देश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सोलर ग्रीन योजना के माध्यम से आम लोगों को बिजली बिल में राहत मिलेगी और बिजली कटौती जैसी समस्याओं से भी निजात मिलेगी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाएं और अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाकर स्वच्छ ऊर्जा को अपनाएं। सोलर ग्रीन योजना के प्रोपराइटर सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों तक बेहतर और पारदर्शी सुविधा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि केंद्र पर सोलर पैनल इंस्टॉलेशन से लेकर सब्सिडी संबंधी पूरी प्रक्रिया में उपभोक्ताओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ग्राहकों के लिए फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे इच्छुक उपभोक्ता आसान किस्तों में सोलर सिस्टम लगवा सकें। साथ ही सरकार द्वारा निर्धारित सब्सिडी का लाभ भी पात्र उपभोक्ताओं को दिलाया जाएगा।इस अवसर पर अमित चौधरी, सनी चौधरी, विकास चौधरी, मोनू चौधरी, अजय चौधरी, अभिषेक चौधरी, लवकुश चौधरी, विशाल चौधरी, राहुल चौधरी, इन्द्रलेश चौधरी,, अशोक चौधरी, मनोज, जयसिंह, नरेन्द्र कुमार आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हत्या की घटना का किया गया सफल अनावरण, 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 24.02.2026 को वादिनी श्रीमती लीलावति पत्नी राम लखन यादव नि0 ग्राम बसन्तपुर बलदेवनगर थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर द्वारा थाना पचपेड़वा पर सूचना दिया गया कि 21.2.2026 की रात्रि समय करीब 8 बजे प्रार्थिनी के पति राम लखन को विपक्षी प्रार्थिनी का लड़का राजमन यादव पुत्र राम लखन घर की छोटी मोटी बातों को लेकर लाठी डान्डा से मारा पीटा जो काफी चोटे आने से सामुदयिक केन्द्र पचपेड़वा लाया गया वहां से रेफर जिला बलरामपुर अस्पताल किया गया जहां से रेफर बहराईच किया गया जहा प्रार्थिनी के पति की मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध में इस सूचना के सम्बन्ध में वादिनी उपरोक्त की तहरीर के आधार पर थाना पचपेड़वा पर मु0अ0सं0 0021/2026 धारा 105 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की गयी । पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विकास कुमार द्वारा थाना पचपेड़वा क्षेत्रांतर्गत हुई उक्त हत्या की घटना में टीम गठित कर शीघ्र अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु दिये गये सख्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्री विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर श्री जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक श्री ओम प्रकाश चौहान थाना पचपेडवा के नेतृत्व में मय टीम द्वारा घटना का सफल अनावरण करते हुए थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 0021/2026 धारा 105 बीएनएस में वाछिंत 01 नफर अभियुक्त 1-राजमन यादव पुत्र राम लखन निवासी बसन्तपुर बलदेवनगर थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर को आज दिनांक-25.02.2026 को थाना पचपेड़वा पुलिस टीम द्वारा बहद ग्राम गनेशपुर, जैतापुर रोड के किनारे गनेशपुर बाजार के पास से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया जा रहा है। पूछताछ का विवरण राजमन यादव उर्फ सत्तन पुत्र स्व0 राम लखन यादव निवासी ग्राम बसन्तपुर दाखिला बल्देव नगर थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर घटना के सम्बन्ध मे पूछने पर अपनी गलती की बार बार माफी मागंते हुए बता रहा है कि साहब मैंने दिनांक 22.02.2026 दिन इतवार को रात मै मुर्गे का मीट बनाया था जिसे मै अपने बाप से खाने की जिद कर रहा था जबकि वह भगत थे मीट मुर्गा अण्डा नही खाते थे उन्होने मुझे डांट दिया था जिससे नराज होकर मैंने वही पर पड़े हुए तबली के बैंट से उनको मारपीट दिया था वह बैंट भी टूट गया था फिर मै उन्हे घर से बाहर ले जाकर आरसीसी रोड पर छोड़कर घर से भाग गया था ।

खेलों से शारीरिक विकास के साथ ही प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है- आशु

●एमएसडी क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन, सतोह ने गेंदोली टीम को हराया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- तहसील क्षेत्र के ग्राम तीतरा खलीलपुर स्थित महाविद्यालय के मैदान में आयोजित एमएसडी क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 का उद्घाटन बुधवार को युवा भाजपा नेता/ विधायक पुत्र जितेंद्र सिंह उर्फ आशु निरंजन ने फीता काट कर किया। क्रिकेट टूर्नामेंट का फीता काट कर उदघाटन करने के पश्चात आशु ने उदघाटन मैच खेल रही ग्राम सतोह एवं गेंदोली टीम के खिलाड़ियों से हांथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया। इस दौरान आशु ने अपने संबोधन में कहा कि खेलों से शारीरिक विकास के साथ ही प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। आगे चलकर यही प्रतिभाएं प्रदेश और देश की टीम में प्रतिभाग कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करते हैं। इससे पूर्व टूर्नामेंट के आयोजक मंडल में शामिल जितेंद्र पटेल, सोनू मिश्रा, हिमांशु पटेल, जीतू पटेल, विपिन पटेल, वीर बहादुर, सागर उपाध्याय, राज दीक्षित, आशुतोष पटेल, विवेक पटेल, नीरज यादव, शिवांक दीक्षित आदि ने अतिथि आशु सहित गौरी चबोर, अवधेश पटेल, प्रदीप मास्टर, अंकित पड़री, कुलदीप पटेल धनौरा का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। पहले दिन टेनिस की बॉल से 10-10 ओवरों के मैच में सतोह की टीम ने जीत हासिल की। 116 रनों के जबाव में गेंदोली की टीम मात्र 47 रन पर ऑल आउट हो गई। आकाश ने शानदार प्रदर्शन कर 40 रन बनाए और 2 विकेट चटकाए जिन्हें मेन ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा निकाली गई त्रिमूर्ति शिव जयंती शोभायात्रा

बरेली/रिठौरा। समाज में धर्मपताका फहराने को लेकर प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही शोभायात्रा का बुधवार को नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत-सत्कार किया गया।राजयोगी ब्रह्मकुमार शरद भाई ने बताया इस यात्रा का उद्देश्य जन-जन तक परमात्मा का संदेश पहुंचाना है। जिससे आमजन -मानस का कल्याण हो सबको ईश्वर से साक्षात्कार करवाना,इस मौके पर राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रभा दीदी, माउंट आबू से आए भाई भानूप्रताप, सुरेश मिश्रा, मिथलेश पाठक सचिन मिश्रा, विशन स्वरूप यादव, रजनीकांत भाई, डालो, सर्वेश,र ामधार, सभासद नीरज कुमारी, समाजसेवी दिनेश भास्कर, अन्नू यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर जी का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया जा रहा

मितौली खीरी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, पूर्व राज्यसभा सांसद और भारतीय राष्ट्रीय परिषद के सदस्य जुगल किशोर का जन्मदिन आज पूरे प्रदेश में उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग रहा। मुख्यमंत्री कार्यालय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने जुगल किशोर को फोन पर और सोशल मीडिया के माध्यम से दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दीं।जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाते हुए कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर फल वितरण, वृक्षारोपण और अस्पतालों में मरीजों की सहायता की।कार्यकर्ताओं ने उनके राजनीतिक सफर को याद करते हुए बताया कि किस तरह उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में और अब प्रदेश प्रवक्ता के तौर पर पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 'जुगल किशोर जी का राजनीतिक जीवन सादगी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल है। उनके अनुभव से संगठन को सदैव नई दिशा मिलती है। 'भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उनके फार्म हाउस पर समर्थकों और मित्रों ने पहुंचकर उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ग्राम प्रधानप्रतिनिधि दिनेश कुमार मास्टर,कमलेश चौधरी,पत्रकार कमलेश पाल,शमशाद अली,पंकज कुमार गौतम,पत्रकार सोनू शुक्ला, कमलाकांत दिक्षित ?,सुरेश राठौर सहित सभी ने जुगुल किशोर जी को पुष्प गुच्छ और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा भेंट कर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की।

लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पलटी सवारियों से भरी बस, 18 यात्री घायल; फिरोजाबाद में हुआ हादसा

दुर्घटना/हादसा

फिरोजाबाद। नसीरपुर क्षेत्र में मंगलवार रात तीन बजे लखनऊ एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 55. 700 पर लखनऊ से कश्मीरी गेट दिल्ली जा रही प्राइवेट बस डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। जिससे चीख पुकार मच गई। बस में 45 सवारियां थीं। हादसे में 18 सवारियां घायल हो गई। पुलिस ने इन सभी को शिकोहाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया है। वहीं क्षतिग्रस्त बस को क्रेन की मदद से एक्सप्रेसवे से हटवाया गया।

घटना के समय सो रहे थे अधिकांश यात्री

घटना के समय अधिकांश यात्री सो रहे थे। मौके पर यूपीडा की टीम और थाना पुलिस पहुंच गई। घायलों में बस का चालक भी शामिल है। वहीं अन्य घायल लखनऊ, प्रतापगढ़, अयोध्या और पंजाब के निवासी हैं। इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह सोलंकी ने चालक को झपकी लगने से घटना होने की आशंका जताई है। घायलों का उपचार चल रहा है। सभी खतरे से बाहर हैं।

धोखाधड़ी के आरोपियों को बचाने में लगे चौकी प्रभारी कुकुरा- आरोप

● पर्याप्त और पुख्तासबूतों औरगवाही के बाद भी जालसाजो की भाषा बोल रहे चौकी प्रभारी

मामला थाना मैलानी की पुलिस चौकी कुकुरा के गाव हर दुआ का है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी जनपद खीरी की पुलिस चौकी कुकुरा के गांव में एक सुनियोजित साजिश के तहत कूट रचित दस्तावेज तैयार करके जीवित आदमी हरीराम को कागजों पर मृतक दिखा कर स्वरचित परिवार रजिस्टर की नकल में मौर्या बिरादरी की पिंकी देवी पत्नी बिंदर पाल को अनुसूचित जाति के हरीराम की पुत्री बनाकर लगभग दो एकड़ जमीन की फर्जी वरासत कराकर हजम कर लिए जाने की बात चर्चा का विषय बनी है। बताते चलें कि हरीराम पुत्र रजई ग्राम हर दुआ, पर0 कुकुरा तहसील गोला खीरी में आराजी नंबर 431 स्थित गाटा संख्या 731 ठ,740 झ कुल रकबा 0.820 हे0 संक्रमणीय भूमि धरी दर्ज है प्रार्थी लगभग 35 वर्ष पूर्व से लखीमपुर खीरी में रहता था अब वर्तमान समय में वाहिद हाल ग्राम घुसनाखोर पोस्ट भरवलिया जिला बस्ती में रह रहा है। पीड़ित हरीराम के अनुसार उसे हरदुआ बासी लोगों द्वारा पता चला कि मेरी संक्रमणीय भूमि को हल्का लेखपाल भूपेंद्र वर्मा एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रार्थी को मृतक दिखाकर पिंकी देवी पत्नी बंदर पाल को फर्जी हरिराम की पुत्री बनाकर फर्जी बरसात कर दिया गया हरिराम अनुसूचित जाति धोबी है और पिंकी देवी पत्नी बंदर पाल जाति के मौर्य माराव हैं जो अनुसूचित जाति के व्यक्ति की पुत्री मौर्य जाति को बनाकर नाम बरसात किया गया है मैं वर्तमान समय में जीवित हूँ। पीड़ित हरिराम का आरोप है कि लेखपाल भूपेंद्र वर्मा द्वारा पिंकी देवी पत्नी बिंदरपाल से साठ गांठ कर उसका फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया गया तथा मृतक दिखाते हुए हरीराम पुत्र रजई धोबी की पुत्री पिंकी देवी मौर्य को बनाकर बतौर वारिश फर्जी वरासत दर्ज करा ली गई। उनके द्वारा बनाए गए प्रमाण पत्रों में परिवार रजिस्टर की नकल मृत्यु प्रमाण पत्र का जब खंड विकास अधिकारी बांकेगंज से पुष्टि कराई गई जिसमें उल्लेखित किया गया कि प्रमाण पत्र फर्जी तथा कूटरचित हैं। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि परिवार रजिस्टर के अभिलेखों में हरीराम पुत्र रजई नाम का कोई भी व्यक्ति दर्ज नहीं है । जन सूचना अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत हरदुआ के पत्र दिनांक 11 /02/ 2025 द्वारा सूचित कराया गया कि हरीराम पुत्र रजई का किसी अधिकारी द्वारा किसी भी प्रकार का कोई मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है ।जब हरीराम पुत्र रजई नाम का कोई भी व्यक्ति हरिद्वार में नहीं रहता है और ना ही उसकी मृत्यु हुई है तो फिर ग्राम प्रधान रामकिशन द्वारा हरीराम पुत्र रजई का मृत्यु प्रमाण पत्र किस आधार पर जारी किया गया? वही जब हरीराम पुत्र रजई नाम के व्यक्ति का परिवार रजिस्टर में कहीं भी नाम दर्ज नहीं है तो फिर पिंकी देवी पत्नी बिंदर पाल हरीराम पुत्र रजई की पुत्री कैसे बन गई? यह परिवार रजिस्टर किस सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया? आखिर तहसीलदार द्वारा ऑनलाइन मृत्यु प्रमाण पत्र और परिवार रजिस्टर का सत्यापन क्यों नहीं किया गया? लेखपाल द्वारा उपलब्ध कराए गए फर्जी जाली परिवार रजिस्टर एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की सत्यता की जांच क्यों नहीं की गई ?फर्जी एवं कूट रचित प्रमाण पत्रों के आधार पर तहसीलदार गोला द्वारा भारी सुविधा शुल्क लेकर फर्जी वरासत कर दिए जाने के आरोप हरीराम पुत्र रजई द्वारा लगाया जा रहे हैं। तहसीलदार गोला प्रशासनिक पद पर कार्यरत हैं उनको यह शोभा नहीं देता है कि बिना प्रमाण पत्र की सत्यता की पुष्टि किए आंख मूंदकर जिसको चाहे मृतक दिखाकर दूसरे जाति के व्यक्ति की पुत्री बनाकर वरासत का खेल किया जाए। अपने साथ घटित धोखाधड़ी की घटना से आहत होकर हरीराम पुत्र रजई ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर लिखित शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा धोखाधड़ी के इस खेल में शामिल सक्रिय गैंग के लोगों को नामजद करते हुए दोषी लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराए जाने की मांग की ।मामले की जांच चौकी प्रभारी कुकुरा को सौंपी गई ।चौकी प्रभारी कुकरा विपक्षी गणों से मिली भगत कर आरोपियों की भाषा बोलते दिखाई पड़ रहे हैं। तथा दोषी नामजद लोगों को बचाने के लिए मामले की लीपापोती करने में लगे दिखाई पड़ रहे हैं।

जबकि चौकी इंचार्ज कुकरा को पर्याप्त और पुख्ता साक्ष तथा गांव के दो लोगों की खुली गवाही दिलाने के बाद भी चौकी प्रभारी मामले को मैनेज करने में लगे दिखाई पड़ रहे हैं और घटना की रिपोर्ट दर्ज करने से बचते नजर आ रहे हैं। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार जनपद के थाना मैलानी की पुलिस चौकी कुकरा में लगभग 1 साल से जमे चौकी प्रभारी के यहां इंसाफ बिकता देखा जा सकता है। यहां पर तराजू नहीं हाथों पर होती है अवैध कमाई की गिनती तथा जहां चंद पैसों की खातिर साहब द्वारा संज्ञेय अपराध के अपराधियों को तथा संगठित संज्ञेय अपराध के अपराधियों को क्लीन चिट देने का प्रयास किया जाता है। लोगों का आरोप है कि साहब के यहां इंसाफ होते ही नहीं सिर्फ बिकते हैं जनाब मुकदमा हमेशा कमजोर और गरीब मजदूरी पैसा लोगों पर ही लिखे जाते हैं। साधन संपन्न और संगेयअपराध के अपराधियों को ऊंचा बैठका दिया जाता है। उपरोक्त आरोप पीड़ित हरीराम द्वारा लगाये जा रहे हैं। हरिराम का आरोप है कि इससे पहले भी उसने कई आइजीआरएस पोर्टल पर शिकायत की जिनमें मनमानी और फर्जी रिपोर्ट लगाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाला जाता रहा। पीड़ित हरी राम पुत्र रजाई ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर कर इस षड्यंत्र में शामिल अधिकारी कर्मचारी एवं इस प्रकरण में सम्मिलित ग्राम प्रधान राम कुसुम और भू माफियाओं पिंकी देवी पत्नी बंदर पाल दर्शन और जगन्नाथ के विरुद्ध के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराए जाने की मांग की है अब देखना यह है की चौकी प्रभारी कुकरा द्वारा मामले मैं क्या कार्रवाई की जाती है ? इस मामले में चौकी प्रभारी कुकरा से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि यदि आपको विश्वास नहीं है तो आप थाना मैलानी जाकर प्रभारी निरीक्षक मैलानी को समस्त तथ्यों से अवगत कराये और अपना मुकदमा वही पंजीकृत कराए।

प्रशासन की कार्रवाई बेअसर-मोहम्मदी में पान मसाला, सिगरेट व बीड़ी अब भी एमआरपी से ऊपर बिक रही, संगठन ने जताया कड़ा रोष

ढ़खेरवा में पान मसाला-सिगरेट पर ओवररेटिंग का खेल, एमआरपी से दोगुने दाम वसूलने का आरोप

ढ़खेरवा, खीरी। ढखेरवा के थाना पढुआ क्षेत्र अंतर्गत ढखेरवा चौराहा व खरवाहिया नंबर दो की मार्केट में पान मसाला और सिगरेट की खुलेआम ओवररेटिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि बड़े दुकानदार एमआरपी से अधिक कीमत पर सामान बेच रहे हैं, जिससे छोटे दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छोटे व्यापारियों का कहना है कि बड़े कारोबारी पान मसाला और सिगरेट का स्टॉक जमा कर मनमाने दामों पर बिक्री कर रहे हैं। इसका सीधा असर छोटे दुकानदारों पर पड़ रहा है, जो निर्धारित मूल्य पर सामान बेचने को मजबूर हैं, जबकि ग्राहक अधिक कीमत चुकाने को विवश हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले 10 में चार पाउच मिलने वाला किशोर पान मसाला अब 10 में केवल दो ही दिया जा रहा है। इसी तरह सिगरेट के दामों में भी वृद्धि कर अतिरिक्त वसूली की जा रही है। ग्राहकों से कथित तौर पर दो गुनी तक रकम ली जा रही है।

ग्रामीणों और कस्बावासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवररेटिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए और मनमानी कीमत वसूलने वाले दुकानदारों पर छापेमारी कर कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मोहम्मदी में नशीले उत्पादों की कालाबाजारी पर अधिकारियों की कथित कार्रवाई पूरी तरह बेअसर साबित हो रही है। ताज़ा हालात यह हैं कि पान मसाला की पुड़िया आज भी मनमाने और महंगे दामों पर बेची जा रही हैं, वहीं सिगरेट और बीड़ी की बिक्री भी खुलेआम एमआरपी से ऊपर जारी है। इससे साफ है कि जमीनी स्तर पर न तो सख्ती दिख रही है और न ही किसी तरह का डर। इस स्थिति पर ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट संगठन ने कटु शब्दों में गहरी नाराज़गी और गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कार्रवाई का असर दिखता, तो बाजार और गांवों में यह अवैध वसूली बंद हो चुकी होती। संगठन का आरोप है कि छोटे दुकानदारों पर दिखावटी दबाव बनाया जा रहा है, जबकि असली खेल करने वाले बड़े एजेंसी होल्डर और सप्लायर अब भी बेखौफ हैं। यह स्थिति प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर सवाल खड़े करती है और आम नागरिकों की जेब पर सीधा डाका है। संगठन ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि मोहम्मदी में तत्काल प्रभावी, निरंतर और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई–और बड़े नामों पर हाथ नहीं डाला गया–तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, संगठन ने जनता से नशामुक्ति की अपील दोहराते हुए कहा कि महंगे दामों पर पान मसाला, सिगरेट और बीड़ी खरीदना न सिर्फ शोषण को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी। प्रशासन से मांग है कि अब दिखावे नहीं, परिणाम दिखें–वरना संगठन सड़कों से लेकर अधिकारियों के दफ्तर तक आवाज़ और तेज़ होगी।

जिला विज्ञान क्लब फिरोजाबाद 28 फरवरी को मनाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबादः- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में जिलाधिकारी फिरोजाबाद रमेश रंजन, मुख्य विकास अधिकारी फिरोजाबाद शत्रोहन वैश्य एवं जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद धीरेन्द्र कुमार की सहमति एवं निर्देशन में विज्ञान लोकप्रियकरण संचार कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सेवन वंडर्स इंटर कॉलेज, सूरजपुर, दुगमई में 28 फरवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य विषय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस है। जिसमें विज्ञान विषय पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम, विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी, पोस्टर प्रतियोगिता, विज्ञान शपथ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जनपद के सभी बोर्डों के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अनुरोध किया है कि इस वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को समय से प्रतिभाग कराकर उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि करें। सभी प्रतिभागियों को जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

सेवन वंडर्स इंटर कॉलेज, सूरजपुर दुगमई की प्रबंधक ब्रजेश कुमारी और निदेशक संजय शर्मा, प्रधानाचार्य एम डी सर ने जनपद के सभी बोर्डों के विद्यालय के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग कराकर उनकी प्रतिभा का विकास करे।

मारपीट के मामले में तमंचा लहराते वाले को पुलिस ने पकड़ कर भेजा जेल

बरेली/क्यों लड़ियां थाना क्षेत्र के गांव कटिया आत्माराम के निवासी पाती राम के द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में गांव के ही जसवंत पुत्र झब्बू लाल के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी पुलिस ने होली पर शांति व्यवस्था कायम रखना आदि की चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक युवक को पकड़ा उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर तमंचा कारतूस मिला पुलिस ने जब उसका नाम पता पूछा तो वह पातीराम द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट का नाम जल अभियुक्त निकला पुलिस ने उसे थाने लाकर अवैध शस्त्र रखना का एक और मुकदमा दर्ज कर उसको जेल भेज दिया है इन्हें पकड़ने के लिए प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह उप निरीक्षक अर्जित कुमार कांस्टेबल नवीन कुमार सुमित यादव राजीव कुमार कुमार सचिन कुमार आदि पुलिस बल था।

राजश्री कालेज के 17वें स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रमों से हुआ शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा/राजश्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के संस्थान परिसर में तीन दिवसीय 17 वें स्थापना दिवस ''आह्वान-2026'' का उद्घाटन किया , छात्र-छात्राओं से खचाखच भरे पंडाल में मुख्य अतिथि नवाबगंज विधानसभा के विधायक डॉ0 एम0 पी0 आर्य, संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, वाइस चेयर पर्सन डॉ0 मोनिका अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक इं0 रोहन बंसल, एकेडमिक एडवाइजर तूलिका अग्रवाल स्वरूप, सी0ओ0ओ0 ऋषभ बंसल, ट्रस्टी डॉ0 अजय कुमार अग्रवाल , पीयूष गुप्ता ने मां सरस्वती का दीप-प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर समारोह का उद्घाटन किया।

संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने स्थापना दिवस की आधिकारिक घोषणा करते हुये अपने सम्बोधन में बताया कि यह सभी छात्र-छात्राओं के वर्ष भर के परिश्रम एवं उपलब्धियों के जश्न मनाने का दिन है। जिसमें विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से सभी को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होना चाहिये। वाइस चेयरपर्सन डॉ0 मोनिका अग्रवाल ने लगातार सफलता की ओर बढ़ते हुए छात्र-छात्राओं के परिश्रम की प्रशंसा की और जीवन में अपने लक्ष्य को हमेशा ध्यान में रखकर लक्ष्य प्राप्ति के लिए सदैव प्रयासरत् रहने को प्रेरित किया। एकेडमिक एडवाइजर तूलिका अग्रवाल स्वरूप ने वर्तमान परिदृश्य में बढ़ते तकनीकि आधारित विकास जैसे- ए0आई0, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस के क्षेत्र में कार्यरत छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने की दिशा दी और इसकी सामाजिक, आर्थिक एवं सामरिक उपयोगिता पर चर्चा की।

इस अवसर पर राजश्री ग्रुप में संचालित विभिन्न संस्थानों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभाओं को मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे स्किट, सिंगिंग, ग्रुप डांस, रंगोली, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, वेब ऑफ डान्स सहित प्रबन्धन और तकनीकि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसके परिणाम समापन समारोह में घोषित किये जायेंगे।

मजबूरी नही संगठित अपराध बन चुका है सूदखोरी

● आर्थिक शोषण का आतंक है सबसे खतरनाक खेल...!

गंदा है... पर धंधा है!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी कोई फिल्मी डायलॉग नहीं,यह उस काली सच्चाई का बयान है जो आज देश के कस्बों, गांवों और शहरों में खुलेआम ज़िंदगियाँ निगल रही है।सूदखोरी अब मजबूरी नहीं,संगठित अपराध बन चुकी है। गरीब, किसान और छोटे व्यापारी की मजबूरी इन सूदखोरों के लिए सबसे मुनाफ़े वाला धंधा है। जब बैंक दरवाज़ा बंद कर देते हैं, और सरकारी योजनाएं फाइलों में सड़ती हैं,तब मजबूर इंसान

सूदखोर की चौखट पर जाता है और वहीं से उसकी बर्बादी की पटकथा लिख दी जाती है।तीन से पाँच रुपये सैकड़ा महीना यानी सालाना 40-50 प्रतिशत तक का ब्याज। अगर एक महीना चूके तो ब्याज मूलधन बन जाता है।फिर ब्याज पर ब्याज,और अंत में ज़िंदगी गिरवी रख दी जाती है। यह कोई लेन-देन नहीं,यह आर्थिक शोषण का आतंक का सबसे खतरनाक खेल बन गया है। दूसरे कर्ज का है। पहला सूदखोर दबाव बनाता है,दूसरा मददगार बनकर आता है। इंसान समझता हैकि राहत मिल गई। लेकिन दरअसल वह और गहरे दलदल में धकेल दिया जाता है। फिर शुरू होता है दुकान, खेती और ज़मीन पर कब्ज़ा। किस्त टूटते ही इज़्ज़त टूटने लगती है। और जब हर रास्ता बंद दिखता है,तो कई लोगज़िंदगी से ही हार मान लेते हैं।सब कुछ सबके सामने है नाम, चेहरे, मोहल्ले, वसूली के तरीके। फिर भी सवाल उठता है कार्रवाई क्यों नहींपुलिस आती है, कागज़ी कार्रवाई होती है,उकसाने का मामला दर्ज होता हैऔर असली गुनहगारफिर से अगले शिकार की तलाश में निकल पड़ते हैं।

यह सिर्फ कानून की नाकामी नहीं,यह प्रशासनिक संवेदनहीनता है। यह स्वीकारोक्ति है कि कमज़ोर की जान की कीमत ताकतवर के पैसे से कम है। सूदखोरी गैरकानूनी है यह बात सब जानते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या कानून सिर्फ किताबों के लिए बना है, अगर अब भी सूदखोरों पर सख्त और उदाहरणात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मान लेना चाहिए कि व्यवस्था इस गंदे धंधे की मूक साझेदार बन चुकी है। क्योंकि जब शोषण चलता है और सत्ता चुप रहती है,तो अपराध सिर्फ सूदखोर का नहीं रहता पूरा सिस्टम कटघरे में खड़ा हो जाता है।

जमीन की कब्जेदारी को लेकर हुये विवाद मे चार लोग गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा ग्राम कोटखेरवा को जमीन पर कब्जोदारी को लेकर शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले 04 नफर अभियुक्तगण ण 1. विजय बहादुर पुत्र स्व. गजौधर लाल उम्र करीब 58 वर्ष 2. योगेश पुत्र विजय बहादुर उम्र करीब 28 वर्ष निवासीगण ग्राम कोटखेरवा थाना हैदराबाद जिला खीरी 3. सुधीर शुक्ला पुत्र शान्ति स्वरुप शुक्ला उम्र करीब 40 वर्ष 4. सचिन शुक्ला पुत्र शान्ति स्वरुप शुक्ला उम्र करीब 34 वर्ष निवासीगण ग्राम घरथनिया थाना हैदराबाद जिला खीरी को गिरफ्तार कर अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी0एन0 एस0 एस0 में विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया। वही अभियुक्तो को गिरफ्तार करने बाली पुलिस टीम मे उ0 नि0 हेमन्त कटियार, आरक्षी नितिन पुनीत कुमार मुख्य रूप से सामिल रहे।

टूण्डला विधानसभा में नवमनोनित मंडल अध्यक्षों का भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा टूण्डला में नवमनोनित मंडल अध्यक्षों की घोषणा के उपरांत टूण्डला नगर के दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकानों पर व भाजपा कार्यकर्ताओं ने सिटी प्लाजा व शारदा बैंकट हॉल पर भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया। टूण्डला नगर अध्यक्ष के रूप में आजाद जैन, पचोखरा मंडल अध्यक्ष के रूप में अजीत जुरेल,नगला बीच मण्डल अध्यक्ष अजीत कुशवाहा तथा माँ वैष्णों देवी मंडल अध्यक्ष के रूप में नीरश रावत को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नए मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य तेज गति से किया जाएगा।

स्वागत कार्यक्रम में टूण्डला विधायक प्रेमपाल धनगर सहित वृंदावन लाल गुप्ता, दीपक चौधरी, दीपक राजोरिया, रोहित कटियार, नीलम दिवाकर, जितेंद्र शर्मा, विवेक कौशिक, नीरज जैन, राजेश अग्रवाल, आशुतोष गर्ग, अनमोल कपूर, हरीश चन्द्राणी, संजय परमार, अग्रज जैन, ध्रुव, प्रशांत शर्मा, नरेन्द्र शर्मा सहित समस्त भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

होली फीकी किसान मजदूर मायूस, अंजनी दिक्षित।

गोला गोकरननाथ खीरी। बजाज ग्रुप के द्वारा बकाया गन्ना भुगतान न होने के कारण चीनी मिल को गन्ना पहुंच नहीं पा रहा है कारण एक ही है पैसा ना होना। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी दीक्षित ने कहा खेतों में पर्याप्त मात्रा में गन्ना खड़ा हुआ है अगर भुगतान की गति बढ़ती किसानों का भरोसा जागता तो फ्री मिल चलने पर गोला नगर में जाम लगी होती होली का त्यौहार सर पर है किसान और मजदूर सबको भुगतान चाहिए गन्ना बुवाई में महंगी लागत है किसानों को बीज की भी व्यवस्था करना है दूसरी तरफ मार्च आ रही है बैंकों की क्लोजिंग अपना कर्ज अदा करने के लिए बैंक भी किसानों को परेशान कर रहे हैं किसानों की स्थिति काफी देनी है अगर चीनी मिल द्वारा नवंबर माह का भुगतान एक साथ कर दिया जाता किसानों में भरोसा जागता चीनी मिल को गन्ना ज्यादा पहुंचने लगता अभी खेतों में लगभग 30% से अधिक गन्ना खड़ा हुआ है किसान असमंजस में है कोलू क्रेशर पर बेचे या चीनी मिल को सप्लाई करें अगर चीनी मिल पहले बंद हो जाती है तो किसानों को हानि होने की संभावना है दूसरी तरफ अगर चीनी मिल को सप्लाई करते हैं तो खर्चा नहीं चल पा रहा किसान विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है बजाज ग्रुप को कम से कम 60 से 80 करोड़ तक एक साथ भुगतान करना चाहिए जिससे चीनी मिल को गन्ना मिलना भी शुरू हो जाएगा दूसरी तरफ किसान मजदूर का त्यौहार भी हो जाएगा क्योंकि गन्ना की बुवाई बड़ी तेजी से चल रही है चीनी मिल के पास कोई उपयुक्त प्रजाति नहीं है जिस पर किस भरोसा कर अपने खेतों में बुवाई करें जैसे तैसे किसान गन्ने के बीज की व्यवस्था करते हैं और अपना कार्य चला रहे हैं शासन प्रशासन को किसानों की मजबूरी दिखाई नहीं पड़ रही चीनी मिल मालिक तो पहले से ही गूगे और बहरे हैं जो ना कुछ कह रहे हैं ना किसानों की सुन रहे हैं किसान लगातार कर्ज के दलदल में पहुंच रहा है जिससे उभरना मुश्किल है इसका प्रभाव आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा।

लड़की को भगा ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

मितौली खीरी कोतवाली मितौली पुलिस टीम द्वारा लडकी को बहला फुसला कर भगा ले जाने वाले वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक खीरी डा0 ख्याति गर्ग के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी मितौली के कुशल मार्ग दर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक मितौली महेश पाठक के नेतृत्व में कोतवाली मितौली खीरी की पुलिस टीम द्वारा लडकी को बहला फुसला कर भगा ले जाने वाले थाना मितौली के मु0अ0सं0 083/2026 धारा 87/137(2) बीएनएस के वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र मकरन्द निवासी ग्राम बांसताली थाना मितौली जनपद खीरी उम्र करीब 20 वर्ष को बडागांव तिराहा के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली टीमः- उ0नि0 जय कृष्ण तिवारी ,हे0का0 राजेश कुमार मिश्रा ,का0 अंकित हुड्डा थाना मितौली जनपद खीरी।

संक्षिप्त खबरें

जन्म प्रमाण पत्र के लिए भटक रहा युवक, एसडीएम के आदेश के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

भदोही। जनपद के जमुनीपुर अठगवां मोढ़ निवासी प्रदीप कुमार मौर्य ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही देरी को लेकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि वह 13 नवंबर 2025 से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील से लेकर ब्लॉक स्तर तक 20 से अधिक बार चक्कर लगा चुके हैं। प्रदीप कुमार मौर्य के अनुसार 5 फरवरी 2026 को उपजिलाधिकारी न्यायालय द्वारा आदेश पारित होने के बाद भी ब्लॉक सुरियावां में बार-बार बुलाया जा रहा है, लेकिन अब तक उनका जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास खंड अधिकारी व ग्राम सचिव स्तर पर मामला लंबित रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पंचायत स्तर पर सामान्यतः जन्म प्रमाण पत्र 7 दिन में बन जाता है, तो न्यायालय के आदेश के बाद भी देरी क्यों हो रही है। युवक ने मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग की है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज है।

एसपी के निर्देश पर चला महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5.0' के अंतर्गत जनपद भदोही में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति टीमों व एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा बाजार, स्कूल-कॉलेज व सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 1076, 1098, 108 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी गई और महिला सुरक्षा से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए।

देश के लिए खतरा राहुल गांधी नहीं बल्कि मोदी सरकार है

शंकरगढ़ (प्रयागराज)। राष्ट्र पति। के अभिभाषण पर संसद में उत्तर देने से बचने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के इतिहास के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो जवाबदेही से दूर भाग रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी जिम्मेदारी छिपाने के लिए विपक्ष के के नेता पर निराधार आड्डरोप लगाकर देश को गुमराह कर रहा है। यह आरोप इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी जिला अध्यक्ष यमुनापार अशोक सिंह पटेल ने लगाया। उन्होंने कहा कि अब तक नोटबंदी, पुलवामा और पहलगाम आतंकी हमले, मणिपुरब की घटनाएं, तथाबाबाकथित 'ऑपरेशन सिंदूर', विदेश नीति, चीन की घुसपैठ तथा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते जैसे अनेक गंभीर और महत्वपूर्ण विषयों पर संसद में व्यापक और सार्थक चर्चा कराने का साहस सत्तारूढ़ भाजपा एनडीए सरकार ने नहीं दिखाया है। इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी जिला अध्यक्ष यमुनापार अशोक सिंह पटेल ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में एक भी पत्रकार परिषद का सामना न करने वाला भाजपा नेतृत्व केवल विपक्षी नेताओं पर निरर्थक आरोप लगाने में ही अपनी ऊर्जा लगा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने 10 वर्षों के मोदी काल का अनुभव कर ही लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सीटों में 100 प्रतिशत वृद्धि की है, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा की सीटों में 33 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू इस तथ्य को सुविधाजनक ढंग से भूल रहे हैं। तथ्यात्मक एवं बेबाक बयानों के लिए विख्यात इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष यमुनापार अशोक सिंह पटेल ने यह भी कहा कि संसद में कथित जनहित के निर्णयों का समर्थन भी यदि सरकार चर्चा के माध्यम से नहीं कर सकती, तो ऐसे भाषणजीवी सत्ता पक्ष से ही देश को अधिक खतरा है, न कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी से। उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कड़ा प्रत्युत्तर दिया।

चकबंदी ग्राम चौपाल से किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान, विवादों में आई कमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में चकबंदी कार्यों को गति देने एवं किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित 'ग्राम चौपाल' कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि ग्राम चौपाल के माध्यम से न केवल खातेदारों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण हुआ है, बल्कि भूमि विवादों में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

चकबंदी आयुक्त, उ0प्र0 के निर्देश पर तथा जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में चकबंदी प्रक्रियान्तर्गत ग्रामों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। बुधवार को तहसील भदोही के ग्राम कोल्हुआ पाण्डेयपुर एवं सराय क्षत्रशाह तथा तहसील ज्ञानपुर के ग्राम बेरासपुर उपरवार में सफलतापूर्वक चौपाल आयोजित हुई। कार्यक्रम से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

ग्राम कोल्हुआ पाण्डेयपुर में उप संचालक चकबंदी विजय नारायण सिंह की उपस्थिति में चकबंदी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने धारा 9 ए (2) के अंतर्गत 70 वाद पत्रावलियों की सुनवाई की। इनमें से 40 मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष 30 प्रकरणों के लिए 6 मार्च 2026 को पुनः ग्राम चौपाल आयोजित कर स्थल निरीक्षण एवं साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

इसी क्रम में सराय क्षत्रशाह में बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी/उप जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानपुर शिव प्रकाश यादव ने शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित प्रकरणों के विधिक निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। वहीं ग्राम बेरासपुर उपरवार में चकबंदी अधिकारी राजकुमार वर्मा ने किसानों की समस्याएं सुनकर सहायक चकबंदी अधिकारी को विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए।

जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम चौपाल के आयोजन से पारदर्शिता बढ़ी है तथा किसानों को अनावश्यक मुकदमेबाजी से राहत मिली है। इससे चकबंदी प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। जनपद में चकबंदी कार्यों को और गति देने के लिए 27 फरवरी 2026 को तहसील भदोही के ग्राम डुहियाभान में अगली ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि ग्राम चौपालों का नियमित आयोजन सुनिश्चित कर किसानों की समस्याओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी समाधान किया जाए, जिससे चकबंदी कार्य सुचारु रूप से पूर्ण हो सके।

बोर्ड परीक्षा की प्रथम व द्वितीय पाली शांतिपूर्ण संपन्न

भदोही। यूपी बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा की प्रथम एवं द्वितीय पाली जिले भर में शांतिपूर्ण और कड़ी निगरानी के बीच संपन्न हुई। प्रथम पाली में हाईस्कूल विज्ञान विषय में 27,534 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 26,127 उपस्थित तथा 1,407 अनुपस्थित रहे। वहीं इंटरमीडिएट संगीत गायन/वादन/नृत्यकला में 113 में से 108 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। संस्कृत बोर्ड के पूर्व मध्यमा रसायन विज्ञान विषय में सभी 4 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान/समाजशास्त्र विषय में 23,805 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 22,543 उपस्थित तथा 1,262 अनुपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा सीसीटीवी निगरानी, स्टैटिक मजिस्ट्रेट व उड़नदस्ता टीमों की तैनाती के बीच परीक्षा संपन्न कराई गई। जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान ने बताया कि दोनों पालियों में किसी भी परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए नहीं पकड़ा गया।

सुरियावां-पाली मार्ग चौड़ीकरण पर उठे सवाल: पटरी न बनने से बढ़ीं दुर्घटनाएं, मानकों की अनदेखी का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। करीब तीन माह पूर्व 10 किमी लंबे सुरियावां-पाली मार्ग का सात मीटर तक चौड़ीकरण कराया गया, लेकिन सड़क के दोनों किनारों पर पटरी (शोल्डर) का निर्माण न होने से राहगीरों की जान पर बन आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन गड्ढों और कच्चे किनारों की वजह से वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

बताया जाता है कि पिछले महीने लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश के सचिव प्रकाश बिंदु ने निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण कर कार्य को मानक के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद न तो सड़क की गुणवत्ता मानक के अनुरूप दिख रही है और न ही किनारों पर आवश्यक पटरी का निर्माण हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई स्थानों पर सड़क का किनारा सीधे ढलान में चला जाता है, जिससे दोपहिया और छोटे वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

स्थानीय नागरिकों ने कहा कि चौड़ीकरण के बाद भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ी है, पर सुरक्षा इंतजाम अधूरे हैं। बरसात में कच्चे किनारे धंसने और पानी भराव की आशंका भी जताई जा रही है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सुधारात्मक कार्य नहीं हुआ तो बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता।

इस संबंध में लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश के सहायक अभियंता सुभाष चन्द्र से संपर्क करने पर उन्होंने कहा, 'संबंधित ठेकेदार से बात करता हूं,' और जल्द आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि, कब तक मानकों के अनुरूप कार्य पूरा होगा, इस पर स्पष्ट समयसीमा नहीं बताई गई। क्षेत्रवासियों ने उच्चाधिकारियों से स्वतंत्र तकनीकी जांच कराकर मानक के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने, सड़क किनारे पक्की पटरी व जलनिकासी की व्यवस्था कराने और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्रक को देकर लगायी न्याय का गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही जनपद के सुरियावां क्षेत्र क्षेत्र के खरगपुर के ग्रामीण नीलम सरोज पत्नी शिव शंकर सुमन पत्नी रवि शंकर विमल सरोज बसंत लाल श्रीवास्तव आदि ने ग्रामीण ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर के उन्होंने मांग किया प्रार्थना पत्र के माध्यम से कहा है कि कई सालों में आजा बाबा के जमाने से मकान दलाल नाद, खूटा और ऊपरी पाथ रहे हैं लेकिन लेखपाल व कानून जबरदस्ती भू माफिया के दबाव में आकर जबरदस्ती खाली जगह में पंचायत भवन ना बनवा करके आराजी नंबर 298 जबरदस्ती पंचायत भवन के निर्माण के लिए पैमाइश कर सीमांकन किया जा रहा है जो की ग्राम प्रधान दूसरे नंबरों का जिक्र तहसील दिवस पर प्रार्थना पत्र देकर किया लेकिन उस नंबर पर भू माफिया दबंगों के कारण लेखपाल व कानूनगो नहीं बनवा रहे हैं यहां हम लोगों से पैसे की मांग की जा रही है तथा पंचायत भवन का निर्माण जबरदस्ती करवा रहे हैं वहां आने जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है ग्राम सभा के अन्य लोगों का भी रहन-सहन का उठना बैठना है हम प्रार्थीगण के पास पैसा ना देने पर मेरा मडहा गिरा दिया कहे पंचायत भवन का निर्माण यहीं पर होगा ऐसी स्थिति में जिलाधिकारी से ग्रामीणों ने न्याय और जांच करके उचित कार्रवाई करने की मांग की है इस मौके पर विमला देवी, पूनम देवी, सुमन देवी, ज्योति ,विमला देवी, बसंत लाल श्रीवास्तव, कैलाश नाथ आदि लोगों उपस्थित रहे है।

खरगूपुर में किशोर का पेड़ से लटकता मिला शव, हत्या की आशंका

गोण्डा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र के रजनपुर इच्छा पूरवा गांव में बुधवार शाम एक किशोर का शव पेड़ से लटकता मिला। मृतक की पहचान गुलशन कुमार (14 वर्ष) के रूप में हुई है, जो गांव के परिषदीय स्कूल में कक्षा 6 का छात्र था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, क्योंकि शव के बाये भौंह में चोट के निशान थे और बायां कान कटा हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुटी है। सीओ आनंद राय ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों से बात की।गुलशन कुमार के परिवार में माता-पिता और एक छोटी बहन है। उसके पिता पिंटू मुम्बई में मजदूर का काम करते हैं। वह अपने परिवार का एकलौता बेटा था। परिवार के पास जमीन जायदाद नहीं है, मेहनत मजदूरी से घर चलता है। मृतक के बाबा हनोमान का आरोप है कि गुलशन की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही सच का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न, ऋण योजनाओं में प्रगति एवं सीडी रेशियो सुधार पर विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की विशेष बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। बैठक के प्रारम्भ में विगत त्रैमासिक बैठक अंतर्गत जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक दिनांक 27 नवम्बर 2025 में दिए गए निर्देशों एवं उनके अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत लंबित प्रकरणों, ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति का बिंदुवार परीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करते हुए पात्र लाभार्थियों को समय से ऋण उपलब्ध कराया जाए।बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित अन्य सरकारी ऋण योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने निर्देशित किया कि सभी योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ऋण स्वीकृति एवं वितरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके।

जनपद के बैंकिंग परिदृश्य की समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि आगामी त्रैमासिक बैठक तक जनपद का सीडी रेशियो 60.00 प्रतिशत तक पहुंचाना निर्धारित लक्ष्य है। इस पर जिलाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि ऋण वितरण में तेजी लाते हुए सीडी रेशियो में सुधार हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु वार्षिक ऋण योजना एवं ब्लॉक क्रेडिट प्लान पर भी विस्तृत चर्चा की गई तथा प्रस्तावित लक्ष्यों को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए तथा बैंकिंग सेवाओं को जनहित में प्रभावी बनाया जाए। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ जितेंद्र मोरे, नाबार्ड के डीडीएम रामअवध यादव, आरसेटी प्रभारी ,विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक, सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थिंक गैस की जालंधर में सीएनजी को बढ़ावा देने की मुहिम तेज

● बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच ट्रांसपोर्टर्स से बदलाव की अपील।

सीएनजी अपनाने से हर कमर्शियल वाहन को सालाना करीब 5,60,000 रुपए तक की संभावित बचत हो सकती है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पंजाब में स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम् पहल करते हुए, देश की प्रमुख सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों में से एक, थिंक गैस ने जालंधर में प्रमुख ट्रांसपोर्टर्स और फ्लीट ऑपरेटर्स के साथ बैठक की। इस दौरान, कंपनी ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) को क्षेत्र के कमर्शियल ट्रांसपोर्ट सेक्टर के लिए किफायती और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के रूप में अपनाने पर जोर दिया। कंपनी फिलहाल 53 सीएनजी स्टेशंस ऑपरेट कर रही है और अब इस संख्या को बढ़ाकर 71 करने की योजना बना रही है, जिससे प्रमुख ट्रासपोर्ट कॉरिडोर्स पर ईंधन की उपलब्धता और मजबूत होगी। ट्रांसपोर्टर्स मीट का आयोजन जालंधर की अतिरिक्त उपायुक्त, अमरिंदर कौर बरार की उपस्थिति में किया गया। इस बैठक में जिले के वरिष्ठ अधिकारी और ट्रांसपोर्ट समुदाय के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब ईंधन की बढ़ती कीमतें और खराब होती हवा की गुणवत्ता, ट्रांसपोर्ट सेक्टर के सामने दो बड़ी चुनौतियाँ बनकर उभर रही हैं।

सत्र के दौरान, थिंक गैस के अधिकारियों ने बताया कि जो फ्लीट ऑपरेटर्स सीएनजी अपनाते हैं, वे वाहन की श्रेणी और उसकी रनिंग के आधार पर प्रति वाहन सालाना लगभग 5,60,000 रुपए तक की बचत कर सकते हैं। 10 गाड़ियों की एक मध्यम आकार की फ्लीट के लिए यह बचत करीब 50 लाख रुपए सालाना तक पहुँच सकती है, जो ट्रांसपोर्टर्स के लिए पर्यावरणीय लाभ के साथ-साथ मजबूत आर्थिक फायदा भी देती है। अपना अनुभव साझा करते हुए, सुविधा ट्रांसपोर्ट के डायरेक्टर सतीश सचदेवा, जिन्होंने हाल ही में अपने 05 ट्रकों को सीएनजी में बदला है, ने बताया कि उनकी ऑपरेशनल लागत में लगभग 20% की कमी आई है। साथ ही, इंजन की परफॉर्मेंस भी बेहतर हुई है और मेंटेनेंस खर्च भी घटा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी मार्गदर्शन के कारण यह बदलाव आसान रहा। उन्होंने अन्य ट्रांसपोर्टर्स से भी अपील की कि वे सीएनजी अपनाने के दीर्घकालिक आर्थिक फायदे पर गंभीरता से विचार करें।

सभा को संबोधित करते हुए, जालंधर की अतिरिक्त उपायुक्त, अमनिंदर कौर बरार ने कहा, 'स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन विकल्प अपनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है, क्योंकि हमारे शहरों में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआँ शहरी हवा की गुणवत्ता गिरने का एक बड़ा कारण है। सीएनजी जैसे ईंधन अपनाने से प्रदूषण कम किया जा सकता है, कार्बन फुटप्रिंट घटाया जा सकता है और जनस्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है। ऐसे मंच, जो सरकार, उद्योग और ट्रांसपोर्टर्स को साथ लाते हैं, समझदारी भरे फैसले लेने में मदद करते हैं और भविष्य के लिए जिम्मेदार व टिकाऊ ईंधन विकल्प अपनाने को बढ़ावा देते हैं।' कार्यक्रम में बोलते हुए, थिंक गैस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट- सीएनजी एवं मार्केटिंग और बिजनेस हेड, श्री राणा दत्ता ने कहा, 'हमारा फोकस ट्रांसपोर्ट समुदाय को भरोसेमंद सीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर, लगातार सप्लाई और तकनीकी मार्गदर्शन देकर बदलाव को आसान बनाना है। हम फ्लीट ऑपरेटर्स के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि सीएनजी की ओर शिफ्ट सरल, आर्थिक रूप से फायदेमंद और ऑपरेशनल रूप से प्रभावी हो सके। यह पहल भारत के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत देश वर्ष 2030 तक नेट-जीरो उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ रहा है और राष्ट्रीय ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे संवाद सत्र जागरूकता बढ़ाने, व्यावहारिक चिंताओं को दूर करने और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में स्वच्छ ऊर्जा समाधान अपनाने की रफ्तार तेज करने में अहम् भूमिका निभाते हैं।'

कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें ट्रांसपोर्टर्स ने वाहन कन्वर्जन की समयसीमा, निवेश पर रिटर्न (आरओआई) और सप्लाई की निरंतरता जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए। बढ़ती डीज़ल कीमतों के बीच वैकल्पिक ईंधन को लेकर उनकी बढ़ती दिलचस्पी स्पष्ट नजर आई। इस अवसर पर औपचारिक रूप से वर्ष 2026 का कैलेंडर भी जारी किया गया। इस मौके पर थिंक गैस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट- सीएनजी एवं मार्केटिंग और बिज़नेस हेड, राणा दत्ता; थिंक गैस लुधियाना प्राइवेट लिमिटेड के जोनल हेड-पंजाब एवं हिमाचल, विशाल गिरी गोस्वामी; वाइस प्रेसिडेंट आलोक दुबे, थिंक गैस ;थिंक गैस डिप्टी रीजनल हेड दर्पण कुमार चौधरी; ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (जालंधर यूनिट) के चेयरमैन सरदार महिंदर सिंह गुल्लू; प्रेसिडेंट सरदार जगजीत सिंह कंबोज; तथा जनरल सेक्रेटरी राजिंदर शर्मा मौजूद रहे।

सार्वजनिक नालों पर अवैध कब्जा, गंदा पानी सड़क पर जमा बीमारी फैलने का खतरा बढ़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज- मिर्जापुर हाईवे पर स्थित इंडीया होटल के सामने बने सार्वजनिक नालों पर अवैध कब्जे के कारण जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। नालों को कई स्थानों पर पाट दिए जाने और अतिक्रमण कर निर्माण कर लेने से गंदे पानी का बहाव रुक गया है, जिसके चलते सड़क पर पानी जमा होने लगा है। यह स्थिति न केवल यातायात के लिए परेशानी खड़ी कर रही है, बल्कि आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, लंबे समय से नालों की नियमित सफाई नहीं कराई गई है। ऊपर से जिन स्थानों पर नालों को अवैध रूप से पाट दिया गया है, वहां पानी की निकासी पूरी तरह बंद हो चुकी है। परिणामस्वरूप गंदा और दूषित पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका गहरा गई है।

बारिश के दौरान स्थिति और भी भयावह हो जाती है। हल्की वर्षा में ही हाईवे पर जलभराव हो जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार फिसलन के कारण दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सड़क पर जमा पानी के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, जिससे व्यापार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि अविलंब नालों की सफाई कराई जाए और जहां-जहां अतिक्रमण कर नालों को पाटा गया है, वहां से अवैध कब्जा हटाकर जलनिकासी को सुचारु किया जाए। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति बद से बदतर हो सकती है और इसका सीधा प्रभाव आम जनमानस के स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर पड़ेगा। स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे मौके का निरीक्षण कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नैनी क्षेत्र को जलभराव और संभावित स्वास्थ्य संकट से बचाया जा सके।

वंचित महिला को रामबाग चौराहे से मदर टेरेसा होम में सुरक्षित पहुंचाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज गुरुवार को जनहित संघर्ष समिति के प्रयासों से रामबाग (लेबर) चौराहा क्षेत्र में रह रही एक मानसिक रूप से वंचित महिला को सुरक्षित रूप से मदर टेरेसा होम 18 नवंबर में आश्रय दिलाया गया। समिति, के जिलाध्यक्ष अभिलाष केसरवानी,सुमित गुप्ता, कुलदीप चौरसिया एडवोकेट नरेंद्र तिवारी के नेतृत्व में महिला पदाधिकारी जूही सक्सेना एवं माया दास, देविका मिश्रा सहित टीम ने जिलाधिकारी को अवगत कराया था कि उक्त महिला कई वर्षों से लेबर चौराहा पर रह रही थी। मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह शोषण का शिकार हो रही थी तथा उसने कई बार सड़क पर ही बच्चों को जन्म दिया। महिला असहनीय पीड़ा में कई बार तड़पती हुई भी देखी गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक नीलेशा यादव, संबंधित थाना कीडगंज पुलिस टीम एवं समिति के पदाधिकारियों के संयुक्त प्रयास से महिला को सुरक्षित रूप से मदर टेरेसा होम में स्थानांतरित किया गया।

आज जनहित संघर्ष समिति की टीम ने मदर टेरेसा होम पहुंचकर महिला (संगीता) से मुलाकात की तथा वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रांगण में उचित देखभाल एवं व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। समिति के पदाधिकारियों ने होम के संचालन कर रहे पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।समिति ने प्रशासन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के समन्वित प्रयासों से समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षा एवं सम्मान मिल सकता है।

संक्षिप्त खबरें

प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय महोत्सव का आयोजन

राहुल जायसवाल की रिपोर्ट

नैनी। तीर्थराज प्रयागराज के अरैल संगम तट पर स्थित परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भगवान श्री जगन्नाथ धाम मन्दिर की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय महोत्सव उत्तर और पूर्व भारत की सांस्कृतिक एकता का अद्भुत प्रतीक बनकर उभरा है।यह भव्य अनुष्ठान परमार्थ निकेतन आश्रम के स्वामी चिदानन्द सरस्वती के नेतृत्व में हो रहा है। बुधवार को महोत्सव में उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि अरैल संगम तट पर भगवान श्री जगन्नाथ धाम की स्थापना उड़ीसा और उत्तर प्रदेश के बीच सांस्कृतिक सेतु का काम करेगी। साथ ही 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बनाएगी। उन्होंने इसे अद्भुत एवं अनुकरणीय पहल बताया और सम्पूर्ण उड़ीसा वासियों की ओर से चिदानंद सरस्वती को साधुवाद एवं अभिनंदन प्रेषित किया। इस अवसर पर संध्याकालीन भव्य गंगा आरती का आयोजन परमार्थ त्रिवेणी पुष्प स्थित परमार्थ न्यू अरैल घाट पर हुआ। मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और भक्तों की आस्था से संगम तट दिव्यता से आलोकित हो उठा था। उड़ीसा के मुख्यमंत्री श्री माझी ने आरती में सहभागिता कर त्रिवेणी संगम का आशीर्वाद लिया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं नदी स्वच्छता के संकल्प को दोहराया। स्वामी चिदानंद मुनि ने इस आयोजन पर पूर्व राज्यपाल दिवंगत केसरी नाथ त्रिपाठी का श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

नगर निगम के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में गोबर के उपले उपलब्ध कराए जाएंगे

नैनी, प्रयागराज। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने इस वर्ष एक नई पहल की है। पहली बार होलिका दहन में लकड़ी की जगह गोबर के उपलों के उपयोग की तैयारी की गई है। इस अभियान के तहत एक लाख गोबर के उपले तैयार किए गए हैं। उपलों के वितरण की शुरुआत महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी द्वारा की जा रही है ।नगर निगम की योजना के अनुसार, नैनी क्षेत्र सहित नगर निगम के अंतर्गत आने वाले सभी जोनों के वार्डों में गोबर के उपले उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रत्येक वार्ड में निर्धारित स्थानों पर उपले रखे जाएंगे, ताकि लोग होलिका दहन के दौरान उनका उपयोग कर सकें।हालांकि, इस पहल को लेकर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हर वार्ड में केवल एक स्थान पर ही उपलों का वितरण किया जाएगा, जबकि अधिकांश वार्डों में चार से पांच स्थानों पर होलिका दहन की परंपरा रही है। ऐसे में अन्य स्थानों पर होने वाले होलिका दहन के लिए उपलों की व्यवस्था कैसे होगी, यह स्पष्ट नहीं है। परंपरागत रूप से वार्ड के मुख्य चौराहे पर होलिका दहन किया जाता है, लेकिन कई मोहल्लों में अलग-अलग स्थानों पर भी होलिका सजाई जाती है। ऐसे में नागरिकों का मानना है कि यदि सभी स्थानों पर उपलों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए तो यह पहल अधिक प्रभावी और सफल साबित हो सकती है।नगर निगम की यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है। अब देखना यह होगा कि वितरण व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान किस प्रकार किया जाता है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पर्यावरण-अनुकूल प्रयास से जुड़ सकें।

महाविद्यालय में 'नशा मुक्ति' पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

नैनी, प्रयागराज- हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'नशा मुक्ति' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश ने की। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने रचनात्मक एवं प्रभावशाली स्लोगनों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों के विचारों, प्रस्तुति और संदेश की प्रभावशीलता के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा कुमारी कृष्णावती ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कक्षा की कुमारी मुन्नी ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र संजय सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पहुंचे हाईकोर्ट, कहा- गिरफ्तारी को तैयार, कोई सीडी है तो पेश करो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रयागराज में दर्ज पॉक्सो और यौन उत्पीड़न के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि पुलिस गिरफ्तार करती है तो वो रोकेंगे नहीं। मामला अब तूल पकड़ गया है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने POCSO एक्ट के तहत दर्ज मामले में अग्रिम जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने मंगलवार को अग्रिम जमानत (anticipatory bail) की याचिका दाखिल की है। यूपी में यह मामला धार्मिक के साथ-साथ राजनीतिक रुख भी ले रहा है। आरोप है कि राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बयान देने के बाद शंकराचार्य के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले सरकार ने उन्हें माघ मेले में स्नान से रोक दिया था। योगी उनके खिलाफ विधानसभा में बयान तक दे चुके हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी शंकराचार्य को इस तरह अपमानित किए जाने पर नाराज़गी जता रहे हैं। मामला प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज है, जहां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ नाबालिग बच्चे सहित दो व्यक्तियों के यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। एफआईआर में POCSO एक्ट की धाराओं के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 351(2) भी लगाई गई है। आरोपों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में यह कथित घटनाएं हुई। हालांकि ये एफआईआर मात्र आरोप लगाने के आधार पर दर्ज की गई है, पुलिस को इस संबंध में ठोस या हल्का सबूत पेश नहीं किया गया है। एफआईआर तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी की शिकायत पर दर्ज की गई थी। उन्होंने जिला अदालत में अर्जी दाखिल की थी, जिसके निर्देश पर POCSO स्पेशल कोर्ट ने पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इस मामले को साजिश करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि उनके समर्थक और वकील खुद आगे आए और कानूनी सहायता देने की पेशकश की, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। उन्होंने पुलिस से बात करने की भी बात कही है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- 'अगर पुलिस हमें गिरफ्तार करने की कार्रवाई भी करती है, तो हम उनका विरोध नहीं करेंगे। हम सहयोग करेंगे। जनता सब कुछ देख रही है... झूठ का पर्दाफाश आखिरकार हो ही जाता है। कहानी झूठी साबित होगी, अगर आज नहीं तो कल, अगर कल नहीं तो परसों। हम आपके कैमरों की पहुंच में थे। प्रयागराज में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं... उन्होंने इन्हें हर जगह इसलिए लगाया है ताकि अगर कुछ भी होता है, तो वे वॉर रूम से उस पर नज़र रख सकें और सब कुछ रिकॉर्ड कर सकें।

बीएसपी विधायक के घर इनकम टैक्स का छापा

● मंत्री दिनेश प्रताप ने जताई नाराजगी; लिखा- भगवान सद्बुद्धि दे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। उमाशंकर सिंह बीएसपी के इकलौते विधायक हैं। वह कैंसर से पीड़ित हैं। दो बार उनका ऑपरेशन हो चुका है। लखनऊ स्थित आवास में वह आइसोलेशन में रहते हैं। 50 से ज्यादा अफसर पुलिस टीम के साथ उनके घर पर कार्रवाई कर रहे हैं। डॉक्टर और नर्स के भी आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। गोमतीनगर में उनका आवास और दफ्तर है। आयकर विभाग की इस कार्रवाई पर योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छापा मार रही है। देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में ही सारा समय और धन व्यय हो रहा है। सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि विधानसभा का सत्र एक विधायक के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन एक घंटे के लिए भी नहीं जा सके। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी

जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। इस प्रकार की परिस्थितियों में दुर्लभतम अपराधों में भी माननीय न्यायालय दया के आधार पर याचिका स्वीकार करके दोष मुक्त कर देते हैं। किंतु, इस कठिन दौर में भी कौन संवेदनहीन राजनेता या संस्था हो सकती हैं जो ऐसी परिस्थितियों में भी पीड़ा देने की सोच सकता है। प्रभु ऐसे लोगों को और संस्थाओं को सद्बुद्धि दे।

एसआईआर, नोटबंदी के बाद बीजेपी सरकार का वोटबंदी अभियान, नीयत तब भी खराब थी, अब भी खराब है: अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक बार फिर एसआईआर को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने कहा कि ये नोटबंदी के बाद बीजेपी सरकार का वोटबंदी अभियान है। बीजेपी की नीयत तब भी ख़राब थी, अब भी ख़राब है। अखिलेश यादव ने एक्स पर एक खबर पोस्ट करते हुए कहा, पहले तो सिर्फ़ मुसलमान लोगों को कागज के लिए परेशान किया जाता था, अब तो हिंदुओं को भी नोटिस पर नोटिस जा रहे हैं। कोई दावा कर रहा था कि हम गलत वोटों के पकड़े जाने पर उन लोगों को डिटेंशन सेंटर भेज देंगे तो क्या अब वो वोट के आधार पर नागरिकता तय करेंगे और लोगों को उनके खेत, जमीन, घर-मकान से बेदखल करेंगे क्या? अखिलेश यादव ने कहा, जब नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन जी के परिजनों को नकार दिया गया तो आम लोगों का क्या, वो

बेचारे तो लड़ भी नहीं पाएंगे, उल्टे वोटर कार्ड नहीं होने पर वो और उनके परिवार के बुजुर्ग और बच्चे अपने हक़-अधिकार, विरासत, जायदाद, जमा-पूंजी के ज़ब्त हो जाने के डर से हमेशा तनाव और चिंता में ही रहेंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कहा कि सच तो ये है कि बीजेपी ने अपनी बेईमानी, धोखेबाजी और चाल-चरित्र के ऐतिहासिक पतन के कारण अपना जनाधार पूरी तरह खो दिया है। इसीलिए अब बीजेपी को सिर्फ धांधली का ही भरोसा है। उसके तथाकथित पन्ना प्रमुख खुद ही भाजपाइयों को देखकर मुंह फेर ले रहे हैं क्योंकि बीजेपी के गोरखधंधे, गलत नीतियों, महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी की वजह से वो अपने गांव, समाज, बिरादरी में मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं।

पान मसाले की कीमतों में उछाल से हंगामा: दुकानदार परेशान, ग्राहकों से रोज़ाना झड़प

नैनी,प्रयागराज। पान मसाले की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी से बाजार का माहौल तनावपूर्ण हो गया है। एक ओर जहां खुदरा दुकानदार बढ़ी हुई दरों के कारण परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर ग्राहकों के साथ रोज़ाना कहासुनी और झड़प की स्थिति बन रही है।जानकारी के अनुसार, थोक विक्रेताओं द्वारा पान मसाले का स्टॉक डंप कर जमा कर लेने की चर्चा है। आरोप है कि कृत्रिम कमी का माहौल बनाकर कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। इसका सीधा असर छोटे दुकानदारों पर पड़ रहा है, जिन्हें महंगे दाम पर माल खरीदना पड़ रहा है।दुकानदारों का कहना है कि जब उन्हें ही पान मसाला ऊंचे दामों पर मिल रहा है, तो वे कम कीमत पर बिक्री कैसे करें। इसी बात को लेकर ग्राहकों के साथ प्रतिदिन बहस हो रही है। कई स्थानों पर तो पैसों के लेन-देन को लेकर मारपीट की नौबत तक आ चुकी है।सूत्रों की मानें तो कुछ ब्रांड्स, जैसे ' शुद्ध प्लस, पान पारस' आदि के दामों में अचानक वृद्धि से स्थिति और गंभीर हो गई है। विक्रेताओं ने मांग की है कि थोक विक्रेताओं की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि बाजार में स्थिरता बनी रहे और आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

सी.आई.आई ने पार्थ सारथी सेन शर्मा और सफीना हुसैन के बीच गहन संवाद की मेजबानी की

● हर आखिरी लड़की पुस्तक का विमोचन हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। सी.आई.आई द्वारा आयोजित एक प्रभावशाली आयोजन में शिक्षाविद्, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के नेता एकत्र हुए, जहाँ हर आखिरी लड़कीः भारत की भूली-बिसरी बेटियों को शिक्षित करने की यात्रा पुस्तक का विमोचन हुआ—और इसके पीछे की प्रेरक कहानी को सराहा गया। पुस्तक का अनावरण एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक सफीना हुसैन ने किया, जिनकी बातचीत पार्थ सारथी सेन शर्मा आईएएस—उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव—से हुई। संवाद का संचालन डॉ. नूर खान ने किया, जो शिक्षा विशेषज्ञ और लखनऊ बायोस्कोप सनतकदा ट्रस्ट की ट्रस्टी हैं। इस आयोजन ने आंकड़ों, संवादों और गहरी मानवीय कहानियों को एक साथ बुना, जो भारत में बालिकाओं की शिक्षा के बदलते परिदृश्य को रोशन करती हैं।

राजस्थान से 30,000 गाँवों तक की यात्रा

2007 में राजस्थान के कुछ गाँवों से शुरू हुई यह मुहिम अब 55,000 से अधिक स्वयंसेवकों की टीम बालिका के माध्यम से 30,000 गाँवों में फैल चुकी है, जिसने 20 लाख से ज्यादा स्कूल-बाहर की लड़कियों को दोबारा पढ़ाई के रास्ते पर ला दिया। 2025 में एजुकेट गर्ल्स भारत की पहली संस्था बनी, जिसे प्रतिष्ठित रामोन मैग्सेसे पुरस्कार मिला—यह न केवल संस्था के लिए, बल्कि भारत में बालिकाओं की शिक्षा आंदोलन के लिए ऐतिहासिक क्षण था।

आंकड़ों के पीछे की कहानियाँ

पुरस्कार पर चिंतन करते हुए स??ना हुसैन ने कहा, 'यह वास्तव में एक अविश्वसनीय क्षण है कि एजुकेट गर्ल्स रामोन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय संस्था बनी। हमें लगा कि इस मान्यता का उपयोग इन कहानियों को सामने लाने के लिए करना महत्वपूर्ण है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी आवाज़ बुलंद करें और बालिकाओं की शिक्षा में हुई प्रगति का उत्सव मनाएँ। हम सरकार के उस अद्भुत कार्य के लिए हृदय से आभारी हैं, जिसने हर आखिरी लड़की तक पहुँचने के लिए बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। आगे की ओर देखते हुए, हमारा विज़न 2035 तक 1 करोड़ शिक्षार्थियों तक पहुँचने का है। यदि लड़कियाँ दसवीं कक्षा पूरी नहीं करतीं, तो वे बड़े पैमाने पर मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से बाहर रह जाती हैं। इस पर हमें काम करना होगा। 'डॉ. खान ने निरंतर प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया, 'भर्ती तो बढ़ी है, लेकिन स्कूल-बाहर की लड़कियाँ अभी भी हैं—और यही कमी एजुकेट गर्ल्स दूर कर रही है। 'राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में बात रखते हुए शर्मा ने कहा, 'पिछले 50 वर्षों में बड़े पैमाने के आंकड़ों के अनुसार शिक्षा की स्थिति बदली है। पहले लिंग समानता सूचकांक 60 के आसपास था, जो अब 100 प्रतिशत तक पहुँच गया है। यह उल्लेखनीय बदलाव है, हालाँकि राज्यवार भिन्नताएँ हैं। लेकिन बड़े आंकड़े कहानियाँ नहीं दिखाते।' उन्होंने जोड़ा, 'कहानियाँ सुनना जरूरी है, उन पर निर्माण करना और नई कहानियाँ गढ़ना। '

भविष्य की पुकार

हर आखिरी लड़कीः भारत की भूली-बिसरी बेटी को शिक्षित करने की यात्रा महज एक पुस्तक नहीं—यह प्रमाण है कि जब समुदाय जुटते हैं, स्थानीय नेतृत्व बनता है और लड़कियों को प्रगति के केंद्र में रखा जाता है, तो क्या होता है। सीआईआई में विमोचन ने एक कठोर सत्य उजागर कियाः बड़े आंकड़े लिंग समानता में भारी सफलता दिखाते हैं, लेकिन स्कूल-बाहर लड़कियों के अनुभव याद दिलाते हैं कि काम अभी बाकी है। भारत भविष्य की ओर देख रहा है—और इस शाम का संदेश साफ थाः हर आखिरी लड़की को शिक्षित करना नैतिक जरूरत तो है ही, आर्थिक और राष्ट्रीय भी।

उपकेंद्र में बिजली उपकरणों की घोर अनदेखी

नैनी। स्वदेशी काटन मिल उपकेंद्र में बिजली उपकरणों के रखरखाव में गंभीर लापरवाही सामने आई है। उचित देखभाल के अभाव में कीमती केबिल और अन्य विद्युत उपकरण खुले में पड़े-पड़े जंग खा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कटियामार धरपकड़ अभियान के दौरान जब्त किए गए तथा जर्जर केबिलों को बदलने के लिए मंगाए गए नए और महंगे केबिल भी खुले में ही रखे हुए हैं। इन उपकरणों को सुरक्षित स्थान पर न रखे जाने से उनके खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

स्थिति और चिंताजनक तब हो जाती है जब इन्हीं केबिलों के आसपास संविदा और नियमित विद्युत कर्मचारी पान व गुटखा खाकर थूकते देखे जाते हैं। इससे नए केबिल, स्मार्ट मीटर और अन्य उपकरण गीले होकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।बिजली विभाग, जो कि आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं में शामिल है, उसकी इस तरह की लापरवाही कई सवाल खड़े कर रही है। यदि समय रहते उचित रखरखाव और सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए, तो सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हो सकता है।स्थानीय लोगों ने विभागीय अधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेकर उपकेंद्र की व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

केंद्र ने दी केरल का नाम 'केरलम' करने को मंजूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। चुनाव से पहले केरल के लिए भी एक बड़ा फ़ैसला ले लिया गया। केंद्रीय कैबिनेट ने केरल राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर 'केरल' से बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फ़ैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई पीएमओ बिल्डिंग 'सेवा तीर्थ' में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। यह लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में बड़ा क़दम है। कहा जा रहा है कि यह राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को मज़बूत करेगा। इसी वजह से इस फ़ैसले को चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। तो क्या इस फ़ैसले का असर चुनाव पर भी पड़ सकता है? वैसे, केरल का नाम बदलकर केरलम करने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन यह मांग राजनीतिक स्तर पर ही रही है, कभी आंदोलन जैसा कुछ नहीं हुआ। केरल विधानसभा ने 2023 और 2024 में दो बार प्रस्ताव पास करके केंद्र सरकार से नाम बदलने की मांग की थी। दोनों प्रस्ताव

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पेश किए थे। 24 जून 2024 को सर्वसम्मति से पास हुए दूसरे प्रस्ताव में कहा गया कि मलयालम भाषा में राज्य का नाम 'केरलम' है। 1 नवंबर 1956 को भाषाई आधार पर राज्यों का गठन हुआ था, जिसे 'केरल पिरावी' यानी केरल स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में नाम 'केरल' लिखा है। इसलिए संविधान में बदलाव की ज़रूरत है।पहले प्रस्ताव में आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं में बदलाव की मांग थी, लेकिन बाद में पता चला कि सिर्फ़ पहली अनुसूची में ही बदलाव ज़रूरी है। इसलिए दूसरा प्रस्ताव पास किया गया।केरल बीजेपी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी पिछले महीने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर समर्थन दिया था।

गोरखपुर एम्स में नगालैंड की डॉक्टर से छेड़छाड़

● मेघालय सीएम बोले- यह नस्लीय, शर्मनाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स में काम करने वाली नगालैंड की एक युवा डॉक्टर के साथ बहुत बुरी घटना हुई है। तीन युवकों ने रविवार शाम को उन्हें 1.5 किलोमीटर तक बाइक पर पीछा किया, अश्लील बातें कीं, नस्लीय टिप्पणियां कीं और छेड़छाड़ की। मेघालय के मुख्यमंत्री ने नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के साथ हो रही नस्लीय टिप्पणियाँ, हिंसा का मुद्दा उठाया और इसे बेहद शर्मनाक कहा है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और तीसरे की तलाश जारी है। पीड़िता 25 साल की हैं और एम्स गोरखपुर में थर्ड ईयर रेजिडेंट डॉक्टर हैं। वे नगालैंड से हैं और ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी विभाग में काम करती हैं। घटना रविवार शाम को हुई जब डॉक्टर ओरियन मॉल से कुछ सामान खरीदकर एम्स वापस लौट रही थीं। पुलिस के मुताबिक़ तीन लोग बाइक पर थे। उन्होंने डॉक्टर को पीछा करना शुरू किया और रास्ते भर अश्लील कमेंट्स किए। उन्होंने उनकी उत्तर-पूर्वी पहचान को लेकर नस्लीय गालियां भी दीं। डॉक्टर एम्स के गेट नंबर 2 के पास पहुंचीं तो एक आरोपी ने अपनी कमीज उतारकर उन्हें डराने की कोशिश की। फिर आरोपियों ने उन्हें गलत तरीके से छुआ और अश्लील इशारे किए। जब डॉक्टर ने विरोध किया और चिल्लाई, तो आरोपी धमकियाँ देकर भाग गए। डॉक्टर अपने हॉस्टल पहुंचीं और अपने साथी डॉक्टरों को बताया।

उन्होंने उच्चाधिकारियों से आप बीती बताई। सोमवार को शिकायत दर्ज हुई। पुलिस ने एम्स, मॉल और रास्ते के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। इससे दो आरोपी पकड़े गए। गोरखपुर के पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया, 'तीन लोग शामिल थे। दो को गिरफ्तार कर लिया गया है - सूरज गुप्ता और अमृत विश्वकर्मा। दोनों देवरिया जिले के रहने वाले हैं। सूरज फल की दुकान चलाता है और अमृत जनरल स्टोर का काम करता है। आज उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। तीसरे आरोपी की तलाश में छापेमारी चल रही है। बाइक भी जब्त कर ली गई है।' आरोपियों पर

आईपीसी की धारा 354 यानी महिला की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला, अश्लील हरकतें, आपराधिक धमकी और शांति भंग करने वाली गाली देने जैसे आरोप लगाए गए हैं। इस घटना पर मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने सोशल मीडिया एक्स पर गुस्सा जताया। उन्होंने लिखा, 'उत्तर-पूर्व की महिलाओं के साथ नस्लीय भेदभाव और सेक्सुअल हैरासमेंट सिर्फ़ सुर्खियाँ बनकर भूल नहीं जाना चाहिए। एम्स गोरखपुर में नगालैंड की एक रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुआ नस्लीय और सेक्सुअल उत्पीड़न बेहद शर्मनाक है। किसी सभ्य देश में महिला की इज्जत के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। वे भी आपकी बहनें और बेटियाँ हैं। मैं अधिकारियों से अपील करता हूँ कि दोषियों के खिलाफ़ सख़्त कार्रवाई करें।'।

एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका पर सामग्री से सीजेआई नाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका से जुड़ी सामग्री पर गंभीर आपत्ति जताई है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि वह किसी को भी न्यायपालिका की संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कानून अपना काम करेगा और जरूरत पड़ी तो अदालत स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेगी। वहीं, जस्टिस बागची ने इसे बुनियादी ढांचे के खिलाफ बताया। मामला उस पाठ से जुड़ा है जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक हिस्सा जोड़ा गया है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस मुद्दे को अदालत के सामने उठाया। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों को इस तरह की सामग्री पढ़ाया जाना चिंताजनक है। इस पर सीजेआई ने कहा कि उन्हें इस विषय पर कई फोन और संदेश मिले हैं और वह पूरी तरह से मामले से अवगत हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी है। उन्हें लगातार इस बारे में फोन कॉल, मैसेज मिल रहे हैं। बार और बेंच दोनों इससे व्यथित है। नाराजगी जाहिर करते हुए सीजेआई ने कहा कि संस्था का प्रमुख होने के नाते मैंने हमेशा अपने दायित्व को निभाया

है। मैं किसी को इस बात की इजाजत नहीं दूंगा कि वो न्यायपालिका को बदनाम करें। किसी कीमत पर मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा, कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो। कानून अपना काम करेगा। मैं जानता हूं कि इससे कैसे निपटा जाए। मैं स्वतः संज्ञान ले रहा हूं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा यह सोची समझी चाल प्रतीत होती है। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कहूंगा। सीजेआई के रूप में मैं अपनी ड्यूटी निभा रहा हूं। इस मामले पर बेंच के दूसरे सदस्य जस्टिस बागची ने कहा कि यह पाठ संविधान के बुनियादी ढांचे के खिलाफ है। दरअसल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की नई रिलीज हुई क्लास आठ की सोशल साइंस किताब में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका वाला शीर्षक अध्याय के तहत ज्यूडिशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन शुरू किया गया है। कपिल सिब्बल ने अदालत से स्वतः संज्ञान लेने की अपील की। अभिषेक मनु सिंघवी ने भी कहा कि ऐसी सामग्री छात्रों के मन में न्यायपालिका को लेकर गलत संदेश दे सकती है। सीजेआई ने दोनों वरिष्ठ वकीलों का धन्यवाद किया कि उन्होंने इस विषय को अदालत के संज्ञान में लाया। एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक के एक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से सामग्री जोड़ी गई है। इसी हिस्से को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया गया है। अदालत ने भरोसा दिलाया कि उचित और कानूनी कदम उठाए जाएंगे। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका की गरिमा और विश्वसनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लखनऊ के अक्षत ने पिता के शव के टुकड़े कर डाला था एसिड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- लखनऊ के आशियाना इलाके में इस वक्त दहशत का माहौल है. यहां 21 साल के अक्षत प्रताप सिंह ने शराब कारोबारी और पैथोलॉजी संचालक अपने पिता मानवेंद्र सिंह (49) की गोली मारकर हत्या कर दी है. बेटे ने पिता की हत्या के बाद शव के टुकड़े नीले ड्रम में भर दिए. अक्षत ने सबूत छिपाने के लिए कई जतन किए थे, धीरे-धीरे सभी परतें खुल रही हैं।यही नहीं, दरिंदे अक्षत ने अपनी बहन के संग भी अच्छा नहीं किया. बेटी को अपनी पिता की जानकारी लग गई थी. ये बात लड़की किसी को न बता दे इसलिए अक्षत ने उसके संग खूब अत्याचार किए. पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि 20 फरवरी की रात पिता-बेटे में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. गुस्से में आकर अक्षत ने पिता की लाइसेंसी राइफल से उन्हें गोली मार दी थी. हत्या के बाद आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए बाजार से आरी खरीदी और शरीर के टुकड़े कर दिए. उसने हाथ और पैर के हिस्सों को पारा के सदरौना इलाके में फेंक दिया, जबकि सिर और धड़ को घर के भीतर ही एक नीले ड्रम में छिपा दिया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपी ने पहले शव को कार में लादकर गोमती नदी में फेंकने की योजना बनाई थी, लेकिन

भारी वजन के कारण वह सफल नहीं हो सका. इसके बाद उसने शव को काटकर ड्रम में भरने का फैसला किया. पुलिस ने गोताखोरों और सर्विलांस की मदद से फेंके गए अंगों को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिवार के लोगों ने बताया कि हत्या के बाद शरीर पर एसिड का भी इस्तेमाल किया गया था, ताकि पहचान मिटाई जा सके या शव को गलाया जा सके. घर से एसिड की बरामदगी भी हुई है. घटना के वक्त आरोपी की छोटी बहन कृति घर में ही थी, जिसने गोली की आवाज सुनकर पिता का शव देखा था. जब छोटी बहन भागकर कमरे में पहुंची तो अक्षत ने उसे जान से मारने की धमकी देकर चुप करा दिया था. उसे चार दिन तक घर में बंद करके रखा था. कृति काफी डरी हुई है. वह अब भी कुछ नहीं बोल पा रही है। डीसीपी (सेंट्रल) विक्रांत वीर के अनुसार, शुरुआती पूछताछ में अक्षत ने बताया कि उसके पिता उस पर नीट परीक्षा की तैयारी के लिए दबाव बना रहे थे, जिससे वह परेशान था. हालांकि, मृतक के भाई और अन्य परिजनों को इस थ्योरी पर शक है. परिवार का मानना है कि हत्या के पीछे कोई और गंभीर वजह हो सकती है. मृतक के पिता सुरेंद्र पाल सिंह (सेवानिवृत्त दारोगा) सूचना मिलते ही जालौन से लखनऊ पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

बसंतपुर-मुर्गाडांगा ग्रेड-टू मार्ग जर्जर, ग्रामीणों ने निर्माण की मांग तेज की

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़िया प्रखंड के बसंतपुर पंचायत में बसंतपुर-मुर्गाडांगा ग्रेड-टू ग्रामीण सड़क बुरी तरह जर्जर हो चुकी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह स्टोन-मेटल सड़क वर्षों पहले बनाई गई थी, लेकिन लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण अब पूरी तरह टूट चुकी है। खराब सड़क के चलते ग्रामीणों को रोजाना आवागमन में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि विशेषकर वर्षा ऋतु में इस नुकीली और उखड़ी सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। उनका कहना है कि पक्की सड़क बनने से ग्रामीण आसानी से ऑटो-टोटो के माध्यम से सोल्ला पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ से होते हुए पाकुड़, दुमका तथा नलहाटी जैसे निकटवर्ती शहरों तक कम समय में पहुंच सकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार बसंतपुर पीसीसी पथ से मुर्गाडांगा स्कूल होते हुए मुखिया टोला पीसीसी रोड तक सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। वे मांग कर रहे हैं कि यदि इस मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण किया जाए तो न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि सड़क किनारे छोटे-मोटे व्यवसायों के लिए भी अवसर बढ़ेंगे। ग्रामीण महिलाओं ने क्षेत्र के विधायक स्टेफन मरांडी से इस जर्जर व जोखिमपूर्ण मार्ग के शीघ्र निर्माण की मांग की है, ताकि रोजमर्रा की आवाजाही सुरक्षित और आसान हो सके।

नारायणपुर प्रखंड के चार पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण के बाद हुई जनसुनवाई, अपूर्ण कार्यों पर की गई कार्रवाई

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर प्रखंड के रूपडीह, टोपाटांड़, सहरपुर और सबनपुर पंचायतों में बुधवार को सामाजिक अंकेक्षण के बाद पंचायत स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा जांच किए गए कार्यों की रिपोर्ट ज्यूरी के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसके आधार पर कई मामलों में निर्णय लिया गया। जनसुनवाई के दौरान कुछ अनियमितताओं पर जुर्माना लगाया गया और संबंधित कार्यों को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण मनरेगा योजनाओं में पारदर्शिता लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे योजनाओं का वास्तविक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचता है। इससे पूर्व प्रखंड के 21 पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण के बाद जनसुनवाई की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। अब शेष चार पंचायतों में भी यह प्रक्रिया संपन्न हो गई। कार्यक्रम के दौरान उपप्रमुख मीना देवी, अमरेंद्र झा, लाल मोहम्मद, शिशु धीवर, मुखिया कृष्णा सोरेन, सुनिता मरांडी, सकिता हेम्ब्रम, मुनीलाल सोरेन, दलगोविंद रजक, अशोक ओझा, मो. इदरीश और सामंतों दास मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी के गौरा विधानसभा मे कार्यकर्त्ता बैठक सम्पन्न

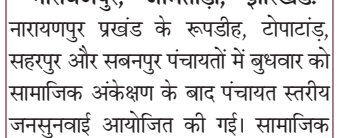

मनकापुर गोण्डा- छपिया के मसकनवा फार्म हाउस तथा विकास बभनजोत मुख्यालय (गौराचौकी बाजार)पर भारतीय जनता पार्टी गौरा के कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री एवं गोंडा के लोकप्रिय सांसद कीर्तिवर्धन सिंह (राजा भैया) तथा क्षेत्रीय विधायक गौरा प्रभात कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही मसकनवा एवं छपिया क्षेत्र के कार्यकर्ता बंधु भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसमस्याओं के समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए जनसंपर्क बढ़ाने एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने का आह्वान किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से नीरज पटेल ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बभनजोत, मधुप सिंह, पप्पू शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख यू पी सिंह,जित्येन्द्र पांडेय, कमलेश पाण्डेय ,राधिका देवी,राम चन्द्र वर्मा ,राजन सिंह,सुनील बर्मा, सोहरथ वर्मा, पप्पू मौर्य,अमर नाथ पांडेय, विक्रम वर्मा,मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष, शक्ति केंद्र के संयोजकगण सहित प्रधान गण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नई एक्सप्रेस ट्रेन से पहले आरओबी-एफओबी निर्माण की मांग तेज, चंदवा में बढ़ती जाम समस्या पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टोरी/चंदवा, झारखंडः- टोरी रेलमार्ग पर प्रस्तावित नई एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन को लेकर क्षेत्र में बहस तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नई ट्रेन शुरू करने से पहले रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का निर्माण कराना अधिक जरूरी है, अन्यथा जाम और आवागमन की समस्या और गंभीर हो सकती है। बताया जा रहा है कि टोरी जंक्शन पर ट्रेनों और मालगाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके कारण टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर फाटक लंबे समय तक बंद रहता है। कई बार आधे घंटे से अधिक समय तक आवागमन ठप रहता है, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। यदि नई एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू होता है तो फाटक के बंद रहने की अवधि और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पहले इस रेलमार्ग पर ट्रेनों की संख्या कम थी और फाटक दिन में सीमित समय के लिए बंद होता था, लेकिन वर्तमान में एक साथ कई मालगाड़ियों के गुजरने से स्थिति और जटिल हो गई है। जाम के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी, प्रसव के मामलों में कठिनाई और छात्रों-नौकरीपेशा लोगों को समय पर गंतव्य तक न पहुंच पाने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग का उपयोग न केवल चंदवा बल्कि आसपास के कई जिलों के लोग भी करते हैं। ऐसे में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण ही स्थायी समाधान हो सकता है। फुट ओवरब्रिज का कार्य भी लंबे समय से अधूरा पड़ा है, जिससे पैदल यात्रियों को जोखिम उठाकर पटरी पार करनी पड़ती है। जानकारी के अनुसार फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य काफी हद तक पूरा होने के बावजूद पिछले एक वर्ष से बंद है, जबकि आरओबी के लिए कई बार टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी निर्माण शुरू नहीं हो सका है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

स्थानीय लोगों ने रेलवे विभाग और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नई ट्रेनों की शुरुआत से पहले बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाए। उनका कहना है कि जब तक आरओबी और एफओबी का निर्माण नहीं होता, तब तक नई ट्रेन से क्षेत्रवासियों को अपेक्षित राहत नहीं मिल पाएगी।

क्षेत्रवासियों ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए अविलंब रेलवे ओवरब्रिज और फुट ओवरब्रिज निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है, ताकि चंदवा में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

झारखंड मुक्ति मोर्चा चंदवा प्रखंड ने एयर एंबुलेंस हादसे पर जताया गहरा शोक, उच्च स्तरीय जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- झारखंड मुक्ति मोर्चा ने चतरा जिले के सिमरिया के कर्माटांड़ में हुई एयर एंबुलेंस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। यह एयर एंबुलेंस रांची से दिल्ली जा रही थी, तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। संगठन ने इस घटना को पूरे राज्य के लिए अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक बताया। जारी प्रेस बयान में जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, जिला उपाध्यक्ष सितमोहन मुंडा और प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि सिमरिया क्षेत्र में हुई यह दुर्घटना पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर देने वाली है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवारों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने वालों में शमशेर खान, रंजीत उरांव, अंकित तिवारी, नौशाद आलम, राजेंद्र भगत, बबलू राही, सरफराज आलम, ब्रह्मदेव प्रजापति, मनीष कुमार उर्फ चांदो, अंकित कुमार, पवन कुमार गुप्ता, अरविंद कुमार, रतनु गंझु, कमेश उरांव, छोटू पासवान सहित प्रखंड के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। नेताओं ने राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों से इस हादसे की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था की पुनर्समीक्षा की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी दोबारा न हो। अंत में संगठन के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि इस कठिन समय में पूरा संगठन पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

खतौनी संशोधन में लापरवाही व धन मांगने के आरोप में लेखपाल निलंबित

देवरिया। खतौनी में अंश सुधार और नाम संशोधन के प्रकरण में लापरवाही तथा अनधिकृत धन मांगने के आरोप में क्षेत्रीय लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम चांदपलिया, पोस्ट इटहुआ निवासी अंगद यादव ने जिलाधिकारी के जनता दर्शन में शिकायत दर्ज कराई थी कि 30 जनवरी को आवेदन देने के बावजूद उनके प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप था कि संबंधित लेखपाल द्वारा कार्यवाही आगे बढ़ाने के लिए धन की मांग की जा रही है। प्रारंभिक जांच में क्षेत्रीय लेखपाल राजीव यादव प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए। जांच में धन उगाही के आरोपों की पुष्टि होने पर उपजिलाधिकारी सलेमपुर दिशा श्रीवास्तवा ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले की विस्तृत जांच के लिए नायब तहसीलदार भटनी हरि प्रसाद को जांच अधिकारी नामित किया गया है। प्रशासन ने भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई की बात कही है।

फाल्गुन एकादशी पर श्याम सेवा मंडल का भव्य रंगीलो फागुन महोत्सव कल

●नवनिर्मित श्याम मंदिर प्रांगण में संध्या 7 बजे से भजन संध्या,सुप्रसिद्ध भजन गायक वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी करेंगे भक्ति रस की वर्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- फाल्गुन एकादशी प्रभु श्री श्याम के भक्तों के लिए अत्यंत पावन और विशेष महत्व रखने वाला पर्व है। मान्यता है कि इस दिन बाबा श्याम का पूजन, कीर्तन और स्मरण करने से विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति का संचार होता है। फागुन माह में बाबा का दरबार रंग, उत्साह और भक्ति से सराबोर हो उठता है। श्याम भक्त इस दिन विशेष रूप से भजन-कीर्तन, सजावट और सेवा के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। इसी पावन अवसर पर श्याम सेवा मंडल के तत्वाधान में कल 27 फरवरी को हजारीबाग के मालवीय मार्ग स्थित नवनिर्मित श्याम मंदिर प्रांगण में रंगीलो फागुन एकादशी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों एवं रंग-बिरंगी सजावट से सजाया जाएगा, जिससे संपूर्ण वातावरण श्याममय और भक्तिमय हो उठेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत संध्या 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी अपनी सुमधुर एवं ओजपूर्ण वाणी से बाबा श्याम के भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले भजन श्रद्धालुओं को भक्ति भाव में सराबोर कर देंगे और पूरा प्रांगण हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा के जयघोष से गूंज उठेगा। भजन संध्या के उपरांत बाबा के प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि उपस्थित श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकें। आयोजन समिति ने समस्त श्याम भक्तों, मातृशक्ति एवं युवा वर्ग से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने और फाल्गुन एकादशी के इस पावन पर्व को भव्य एवं सफल बनाने का आग्रह किया है।

उदयभानु चिब की गिरफ्तारी पर युवा कांग्रेस में रोष, अविलंब हो रिहाई : कोमल कुमारी

हजारीबाग, झारखंडः- झारखंड सहित देशभर में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उदयभानु चिब की गिरफ्तारी पर कड़ा आक्रोश जताया है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई गिरफ्तारी को कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया है। झारखंड युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष कोमल कुमारी ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के माध्यम से युवाओं की आवाज उठाना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ भी है। उन्होंने कहा कि संगठन इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है और उदयभानु चिब को अविलंब रिहा करने की मांग करता है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखती है और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

संकट की घड़ी में संवेदनशील पहल

●युवा साथी झारखंड ने मेराज खान के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- मानवीय संवेदनाओं एवं सामाजिक दायित्व का परिचय देते हुए युवा साथी झारखंड संस्था ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मेराज खान के परिवार को चेक के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की। ज्ञात हो कि बीते दिनों शकरी मुहल्ला कोनरा बरही निवासी मेराज खान एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वर्तमान में उनका इलाज रांची स्थित जेनेटिक हॉस्पिटल में वेंटिलेटर पर चल रहा है। चिकित्सकों की देखरेख में उपचार जारी है, किंतु इलाज का खर्च परिवार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। स्थिति की जानकारी मिलते ही युवा साथी झारखंड के सदस्यों ने आपसी सहयोग से राशि एकत्रित की और परिवार को सहायता प्रदान की। इस सहयोग में विशेष रूप से प्रेम प्रजापति, मोहम्मद सद्दाम खान, मोहम्मद अहमद खान एवं मोहम्मद रिजवान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संस्था इन सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती है, जिनकी संवेदनशील पहल से यह सहायता संभव हो सकी। संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा इस कठिन समय में आर्थिक सहायता कर हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि किसी भी परिवार पर अचानक आई आपदा न केवल आर्थिक बल्कि मानसिक रूप से भी गहरा प्रभाव डालती है। ऐसे समय में सामाजिक एकजुटता और सामूहिक सहयोग ही सबसे बड़ी ताकत होती है। युवा साथी झारखंड सदैव जरूरतमंदों, पीड़ितों एवं वंचित परिवारों के साथ खड़ा रहा है और आगे भी समाजहित में कार्य करता रहेगा। संस्था ने समाज के सभी जागरूक एवं सक्षम नागरिकों से अपील की कि वे भी आगे आकर घायल मेराज खान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें तथा परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान करें। युवा साथी झारखंड का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि समाज में सहानुभूति, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाना भी है। संस्था भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विकास सिंह, कोषाध्यक्ष अजय मेहता, अहमद खान, मोहम्मद रिजवान एवं दीपेश कुमार उपस्थित रहे।

चार माइल एनएच-33 से करियातपुर जीटी रोड तक सड़क को लेकर बरही विधायक मनोज यादव ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

●बरही विधायक मनोज कुमार यादव के सवाल पर मंत्री ने दिया जवाब, डिफेक्ट लाइबिलिटी अवधि के बाद होगा विचार

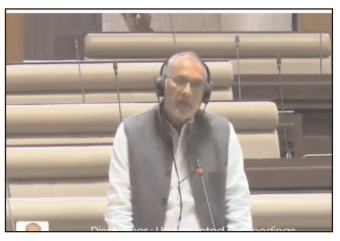

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बजट सत्र के दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने पथ निर्माण विभाग के मंत्री से हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही प्रखंड के चार माइल एनएच-33 से रालो लठिया होते हुए करियातपुर जीटी रोड तक लगभग 14 किलोमीटर लंबी सड़क के संबंध में सवाल उठाया। विधायक ने पूछा कि क्या उक्त सड़क आरईओ योजना के अंतर्गत बनी हुई है। इस पर मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि प्रश्नगत चार माइल एनएच-33 से रालो लठिया होते हुए करियातपुर जीटी रोड तक का पथ ग्रामीण कार्य विभाग के स्वामित्व एवं अधीनस्थ है। विधायक ने यह भी जानना चाहा कि क्या एनएच-33 चार माइल से जीटी रोड करियातपुर तक की यह सड़क एक महत्वपूर्ण बायपास के रूप में उपयोग की जाती है। इस पर मंत्री ने उत्तर दिया कि ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा इस पथ का निर्माण कराया गया है और यह वर्तमान में डिफेक्ट लाइबिलिटी अवधि के अंतर्गत है। पथ निर्माण विभाग द्वारा इसके उन्नयन के लिए अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिसपर विधायक मनोज कुमार यादव ने आगे सवाल किया कि यदि उपरोक्त तथ्य सही हैं तो क्या सरकार इस सड़क को पथ निर्माण विभाग में हस्तांतरित कर उसके सुदृढ़ीकरण एवं मजबूतीकरण कराने पर विचार कर रही है। इस पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि संबंधित प्राधिकार द्वारा कराए गए कार्य की डिफेक्ट लाइबिलिटी अवधि समाप्त होने के बाद तथा पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरण के लिए अनापत्ति मिलने पर, नेटवर्क की उपयोगिता और उपलब्ध निधि के आधार पर प्रस्ताव पर विचार किया जा सकेगा।

बलरामपुर में खेत गई महिला पर तेंदुए का हमला, मौत

●ग्रामीणों में आक्रोश, वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद के सुहेलवा वन्य जीव प्रभाग की भाभर रेंज अंतर्गत परसरामपुर गांव में बुधवार दोपहर लगभग 12 बजे तेंदुए के हमले से एक 25 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है और ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड पचपेड़वा की परशुरामपुर ग्राम पंचायत निवासी मंजू (25) पत्नी रामेश्वर बुधवार सुबह घर से लगभग 100 मीटर दूर खेत की ओर गई थी। परिजनों का आरोप है कि खेत के पास जंगल की ओर पहले से घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसे खींचकर जंगल की ओर ले जाने लगा। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। लोगों की आवाज सुनकर तेंदुआ शव छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

दो महीने में चौथी घटना

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो महीनों में जंगल से सटे गांवों में बाघ या तेंदुए के हमलों की यह चौथी घटना है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने बच्चों और महिलाओं के अकेले खेत या जंगल की ओर जाने पर रोक लगा दी है। ग्राम प्रधान शेखर पांडे ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि जल्द ही तेंदुए को पकड़ने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे आमरण अनशन पर बैठेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

गश्त और पिंजरा लगाने की मांग

ग्रामीणों ने जंगल किनारे नियमित गश्त, तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने तथा प्रभावित परिवार को समुचित मुआवजा देने की मांग की है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और लोग समूह में ही खेतों की ओर जा रहे हैं। वहीं भाभर रेंज बीरपुर-सेमरा के क्षेत्रीय वन अधिकारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि महिला अन्य महिलाओं के साथ जंगल में लकड़ी बीनने गई थी। इसी दौरान किसी जंगली जानवर अथवा तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। घटना के बाद से ग्रामीणों की नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

महुदी मोड़ में बड़ी वारदातः ज्वेलरी दुकान से लाखों के जेवरात की लूट, जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण थाना क्षेत्र के महुदी मोड़ स्थित अंजली ज्वेलर्स में बीती रात हथियारबंद अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया। करीब छह की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने कटर व ग्रैंडर मशीन की मदद से दुकान का शटर और तिजोरी काटकर लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। बताया जाता है कि अपराधी पूरी तैयारी के साथ आए थे और वारदात को बेहद पेशेवर अंदाज में अंजाम दिया। जिस तरीके से तिजोरी काटी गई है, उससे साफ संकेत मिलता है कि बदमाशों ने पहले से रेकी कर योजना बनाई थी। घटना के दौरान भागते समय अपराधियों ने पास के घर से बाहर निकली एक महिला की कनपटी पर हथियार सटा दिया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि महिला सुरक्षित है, लेकिन घटना के बाद आसपास के लोगों में भय का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। वहीं बरही डीएसपी अजीत कुमार बिमल भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा संदिग्ध अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से स्थानीय व्यवसायियों और आम लोगों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बम से हमला करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

●हथियार बरामद, लंबा है आपराधिक इतिहास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर - पुलिस ने बम हमले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को बंधुआकला थाना पुलिस टीम ने इन अभियुक्तों को अवैध हथियारों के साथ पकड़ा। यह मामला आरती सिंह पत्नी करमजीत सिंह निवासी बबुरी अलीगंज की शिकायत से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि उनके भतीजे की वरीक्षा के कार्यक्रम से पहले उनके घर पर रामायण पाठ चल रहा था। दोपहर करीब 1:44 बजे चार मोटरसाइकिलों पर सवार आठ लोग उनके घर पहुंचे। आरती सिंह और उनका परिवार घर के सामने खड़ी बोलेरो गाड़ी के पास खड़ा था, तभी विष्णु प्रभाकर मिश्रा उर्फ अमन मिश्रा, आशीष पाण्डेय, ध्रुव तिवारी, उज्जवल सिंह और तीन अज्ञात लोगों ने उन्हें गालियां दीं। जान से मारने की नीयत से उन पर बम फेंका गया, जो उन्हें न लगकर खड़ी गाड़ी में जा लगा। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मझना ओवरब्रिज के पास से विष्णु प्रभाकर मिश्रा उर्फ अमन मिश्रा पुत्र अनिल मिश्रा निवासी हरदी दाऊदपुर, आशीष पाण्डेय पुत्र भरत पाण्डेय निवासी पूरे शीतल पाण्डेय का पुरवा मजरे मझना, और प्रिंशू मिश्र पुत्र कृपाशंकर मिश्रा निवासी ग्राम बैशी का पुरवा मजरे मझना को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से दो अवैध देशी तमंचे (.32 बोर) और दो जिंदा कारतूस, तथा एक अवैध देशी तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों का आपराधिक इतिहास लंबा है। उनके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

झारखंड के विकास को नई दिशा देने वाला विकासोन्मुखी और सर्वहितकारी बजट : विनोद कुशवाहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- कांग्रेस के झारखंड प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए इसे समाज के सभी वर्गों के लिए लाभकारी और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की सोच के साथ तैयार किया गया है और इसमें समावेशी विकास की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। विनोद कुशवाहा ने कहा कि बजट में महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, जो राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने आम जनता पर किसी प्रकार का अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डाला है, जिससे यह बजट और अधिक सराहनीय बन जाता है। उनके अनुसार, वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में बिना करों का बोझ बढ़ाए विकास योजनाओं को आगे बढ़ाना सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार दूरदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड को विकास की नई दिशा देने वाला साबित होगा और इससे राज्य में आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी। साथ ही सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने तथा आर्थिक प्रगति को गति देने में यह बजट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बजट में किए गए प्रावधानों का प्रभाव आने वाले वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा और झारखंड विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

शंकराचार्य पर दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय से जुलूस निकालते हुए सुभाष चौक, सिविल लाइंस मार्ग से कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान सरकार विरोधी नारे लगाए गए।

कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त उपजिलाधिकारी सीमा पाण्डेय को सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि प्रदेश सरकार असहमति की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कुंभ के दौरान शंकराचार्य और उनके शिष्यों के साथ कथित दुर्व्यवहार किया गया तथा अब उनके विरुद्ध गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस ने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रदर्शन में कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआरः विधायक ने घर-घर जाकर नए मतदाताओं के नामों की ली जानकारी

फॉर्म वितरित कर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए किया प्रेरित

कोंच(जालौन)- केंद्रीय निर्वाचन आयोग के निर्देशन में जारी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सभी राजनैतिक दलों की धड़कन बढ़ी हुई नजर आ रही है। आगामी चुनावों के दृष्टिगत समर्थक मतदाताओं के नाम किन्हीं कारणों से मतदाता सूची से न कट पाए, इसके लिए सभी दलों के स्थानीय नेता व कार्यकर्ता सजगता के साथ संपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। बुधवार को क्षेत्रीय भाजपा विधायक मूलचंद्र निरंजन ने पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं संग मिलकर मोहल्ला जयप्रकाश नगर एवं प्रताप नगर के अलग अलग बूथों से जुड़े घर-घर जाकर मतदाताओं खासकर हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नए मतदाताओं से संपर्क स्थापित किया। विधायक ने नए मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए संबंधित फॉर्म वितरित किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और विकास परख सरकार के गठन के लिए एक-एक वोट महत्वपूर्ण है इसलिए अपने वोट की ताकत को पहचानें और मतदाता सूची में अपना नाम समय रहते जरूर दर्ज कराएं। इस मौके पर नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, बादाम कुशवाहा, महेंद्र सोनी, ओपी कुशवाहा, सभासद सीमा अहिरवार, अनिल अग्रवाल, अंचल बिलईया आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, चचिया ससुर घायल

कोंच(जालौन)- सड़क दुर्घटना में बाइक सवार ग्राम लौना निवासी एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका चचिया ससुर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी 36 वर्षीय युवक शीलू पांचाल पुत्र टुंडे पांचाल मंगलवार की सुबह ग्राम मड़ापुरा थाना कुठौंद स्थित ससुराल गया हुआ था। ससुराल से उसने चचिया ससुर छिद्दू पांचाल को बाइक पर पीछे बैठाया और वहां से लकड़ी खरीदने के लिए औरैया निकल गया। शाम करीब साढ़े 4 बजे उक्त दोनों औरैया में ही बाइक से गुजर रहे थे तभी किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शीलू को गंभीर चोटें आईं जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई जबकि छिद्दू गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर मारने वाला वाहन मौके से भाग निकला। मौके पर मौजूद लोगों की सूचना पर औरैया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छिद्दू को अस्पताल में भर्ती कराया जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है। वहीं मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। बुधवार की शाम शव उसके घर लौना पहुंचा जहां अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना को लेकर मृतक की पत्नी, दोनों बेटी एवं एक बेटे सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक लकड़ी का फर्नीचर बनाने का मिस्त्री था।

हाईवा खरीद सौदे में दो लाख हड़पने का आरोप, एसपी से की शिकायत

ललितपुर। हाईवा वाहन खरीद के सौदे में धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला सामने आया है। झांसी जनपद के थाना बबीना क्षेत्र के ग्राम वधौरा निवासी महेंद्र पुत्र शिवकुमार ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार उसने 6 जनवरी 2025 को तालबेहट निवासी व्यक्ति से हाईवा (रजिस्ट्रेशन संख्या यू.पी. 94 टी 3311) को 12 लाख रुपये में खरीदने का सौदा किया था।सौदे के तहतपीड़ित नेबतौर पेशगी 1 लाख रुपयेनकदऔर 1.50लाख रुपये फोन-पे के माध्यम से, कुल 2.50 लाख रुपये दे दिए थे। तय हुआ था कि शेष 9.50 लाख रुपये देने के बाद वाहन उसके नाम ट्रांसफर कर दिया जाएगा। महेंद्र का आरोप है कि आरोपी ने न तो वाहन उसके नाम किया और न ही दी गई रकम वापस की। उसने बताया कि फोनपे से दिए गए 50 हजार रुपये लौटाने के बाद आरोपी अब शेष 2 लाख रुपये वापस देने से साफ मना कर रहा है और लगातार टालमटोल कर रहा है। प्रार्थी ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर आरोपी ने उसे झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मरवाने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शेष 2 लाख रुपये दिलवाने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवैध डायवर्जन करने वाले गिरोह की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मादक एवं नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम तथा अपराधियों/तस्करों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र पर पंजीकृत मु0अ0सं0-1191/2025, धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2)(क) बीएनएस एवं धारा 27-ए, 29 एनडीपीएस एक्ट से संबंधित अभियुक्त भोला प्रसाद पुत्र रामदयाल प्रसाद निवासी ए-9/24, कायस्थ टोला, प्रहलाद घाट, थाना आदमपुर, कमिश्नरेट वाराणसी तथा उसके पुत्र शुभम जायसवाल द्वारा सुनियोजित एवं संगठित आपराधिक षड्यंत्र के तहत कोडीन युक्त कफ सिरप न्यू फेन्साडिल की नशाखोरी हेतु तस्करी कर अवैध डायवर्जन किया जा रहा था।जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्तगण द्वारा गठित आपराधिक

नेटवर्क के माध्यम से उक्त कफ सिरप को भारी मात्रा में अवैध रूप से डायवर्ट कर सीमा पार बांग्लादेश तक विक्रय किया जाता था, जिससे अकूत अवैध धनराशि अर्जित की गई।

अभियुक्त शुभम जायसवाल वर्तमान में विदेश पलायन कर चुका है। अभियुक्त भोला प्रसाद जायसवाल को विदेश पलायन करते समय दिनांक 29.11.2025 की रात्रि में कोलकाता एयरपोर्ट पर रोककर गिरफ्तार किया गया था। एसआईटी, सोनभद्र पुलिस द्वारा कठोर कार्रवाई करते हुए अभियुक्तगण की अपराध से अर्जित चल-अचल संपत्तियों को चिन्हित किया गया। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट, सोनभद्र के आदेश दिनांक 22.01.2026 के अनुपालन में दिनांक 23.01.2026 को लगभग 28 करोड़ 50 लाख की संपत्ति जप्त/कुर्क की गई थी। इसी क्रम में अभियुक्तगण एवं उनके परिजनों की अन्य चल-अचल संपत्तियों को चिन्हित करते हुए फ्रीजिंग आदेश पारित कर अनुमोदन हेतु सक्षम प्राधिकारी/प्रशासक SAFEMA कोर्ट, दिल्ली को प्रेषित किया गया। एसआईटी सोनभद्र द्वारा प्रस्तुत संतुष्टिपरक तथ्यों एवं प्रभावी पैरवी के आधार पर सक्षम प्राधिकारी/प्रशासक SAFEMA कोर्ट, दिल्ली द्वारा आदेश दिनांक 24.02.2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F(2) के अंतर्गत अनुमोदन प्रदान करते हुए अभियुक्त भोला प्रसाद एवं उसके परिजनों की लगभग 4 करोड़ 50 लाख मूल्य की चल-अचल संपत्ति जप्त/कुर्क कर दी गई है। जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध संपत्ति अर्जन करने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी है।

छात्रों और किसानों को दी जाए निर्बाध बिजली आपूर्ति- मूलचंद्र

● विधायक ने बिजली एसई और एक्सियन के साथ बैठक कर दिए दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- खेतों में सिंचाई के लिए किसानों एवं परीक्षाओं में शामिल छात्र छात्राओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, खासकर रात्रि में निर्बाध बिजली आपूर्ति हर हाल में सुनिश्चित की जाए, यह निर्देश माधोगढ़ क्षेत्र के विधायक मूलचंद्र निरंजन ने बिजली अधिकारियों संग बैठक में दिए।

बुधवार को जिला मुख्यालय उरई स्थित निरीक्षण भवन में विधायक मूलचंद्र ने बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता योगेंद्र सिंह एवं अधिशासी अभियंता जितेंद्र नाथ के साथ बैठक की। बैठक में विधायक ने स्पष्ट रूप से कहा कि इन दिनों छात्र छात्राओं की विभिन्न स्तर की परीक्षाएं चल रहीं हैं। विद्यार्थियों का शिक्षण कार्य बाधित न हो

इसलिए निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, खासकर रात्रि के समय निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति जारी की जाए। लाइन में लोकल फॉल्ट हो जाने पर बगैर समय गंवाए फॉल्ट ठीक किए जाएं। उन्होंने कहा कि खेतों में मूंग की फसल की बोबाई भी चल रही है और नलकूपों के संचालन को ध्यान में रखते हुए गांवों की बिजली आपूर्ति दुरुस्त रखी जाए। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों में भी बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ रखे जाने के निर्देश विधायक ने दिए। इस दौरान ग्राम गोराभूपका से आए दर्जनों किसानों की विभागीय समस्या को लेकर भी विधायक ने बिजली अधिकारियों को आवश्य दिशा निर्देश दिए।

तहसील राबर्ट्सगंज के ग्राम पंचायत मांगो व बघुआरी में ग्राम चौपाल का आयोजन 26 व 27 फरवरी को

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, सोनभद्र जगदीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की चकबन्दी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेशानुसार चकबन्दी प्रक्रियान्तर्गत ग्रामों में ग्राम चौपाल का आयोजन कर कृषकों के फीडबैक प्राप्त कर उनकी समस्याओं का निराकरण कर सूचना निदेशालय पर उपलब्ध कराने के निदेश प्रदत्त है। उक्त के अनुपालन में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी सोनभद्र द्वारा ग्राम चौपाल अयोजित की जानी है। उन्होंने बताया की तहसील राबर्ट्सगंज के ग्राम पंचायत मांगों में 26 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे व ग्राम पंचायत बघुआरी में 27 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे ग्राम चौपाल का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया की अधिकारी / सहायक चकबन्दी अधिकारी उपरोक्त ग्रामों में ग्राम चौपाल के समय चकबन्दी/ चकबन्दीकर्ता/ चकबन्दी लेखपाल समस्त अभिलेखों सहित उपस्थित रहेगें।

प्रवेश द्वार का एमएलसी ने किया लोकार्पण

ललितपुर। विकास खंड महरौनी की ग्राम पंचायत कुम्हैड़ी में बुधवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया गया। एमएलसी रमा आरपी निरंजन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश की एकता और अखंडता के प्रतीक हैं। उन्होंने 562 रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा कि ऐसे लौह पुरुष के सम्मानमें स्थापितयहप्रवेश द्वार आने वाली पीढियों को राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देगा। लोकार्पण समारोह में महरौनी क्षेत्र तथा ललितपुर जनपद के जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुजान पटेल, अरविंद माते, जयराम निरंजन, आशाराम माते, कांशीराम, नीतेश पटेल, अभिषेक विश्वकर्मा, ग्राम प्रधान प्रकाश निरंजन, रवि रजक, निशांत पटेल, संजय नामदेव, नीरज मिश्रा, कल्याण पटेल, लक्ष्मी नारायण मिश्रा, सूरज माते, बलराम निरंजन, कृपाल गौतम (पत्रकार), संतोष पटेल, राजेश पटेल, छोटू नामदेव, अखिलेश विश्वकर्मा, संजू चौरसिया, राहुल पटेल, नाथूराम पटेल, कल्लू परिहार, बिरजेश खरे, संतोष कुमार जोशी, अतुल सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रोवर रेंजर प्रवेश एवं निपुण प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्थानीय मथुरा प्रसाद महाविद्यालय में आयोजित रोवर-रेंजर प्रवेश एवं निपुण प्रशिक्षण शिविर 2026 का बुधवार को समापन किया गया। शिविर के अंतिम दिवस का शुभारंभ रोवर क्रू 'स्नो लेपर्ड' के नेतृत्व में ध्वजारोहण तथा बीपी सिक्स के आयोजन के साथ हुआ। यह आयोजन रोवर-रेंजर आंदोलन की मूल भावना को प्रतिबिंबित करता है तथा प्रतिभागियों में कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्साह का संचार करता है। जो युवाओं में अनुशासन, प्रतिबद्धता तथा सेवाभाव को सुदृढ़ करता है। वहीं कैंप फायर गीत के साथ समापन सत्र का प्रारम्भ हुआ जिसमें महाविद्यालय प्रबंधक केदारनाथ निरंजन, मंत्री ओमशंकर अग्रवाल, प्रबंध समिति सदस्य केशव बबेले, मनोज दूरवार आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने रोवर-रेंजर दलों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता एवं टेंट निर्माण प्रतियोगिता का अवलोकन किया तथा प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं आशीर्वचन प्रदान किए। समापन अवसर पर पुरस्कार वितरित किए गए। 'बेस्ट रोवर टीम' के रूप में टीम लोटस, 'बेस्ट रोवर क्रू' के रूप में स्नो लेपर्ड क्रूज, 'बेस्ट रोवर' के रूप में श्यामजी तथा 'बेस्ट रेंजर' के रूप में नंदिनी को सम्मानित किया गया। समग्र रूप से यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं व्यक्तित्व-विकासोन्मुख सिद्ध हुआ। यह शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, कौशल विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने में भी सहायक रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों सहित अभिभावकगण एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहीं।

होली पर्व को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने को लेकर बुधवार को कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह ने की। उन्होंने नागरिकों से अपील कर कहा कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण तरीके से मिलजुल कर त्योहार मनाएं, ऐसा कोई काम न करें जिससे दूसरों को किसी प्रकार की परेशानी समस्या हो।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह ने भी लोगों से त्योहार के मद्देनजर समस्याएं जानने की कोशिश की और उन्होंने अपील करते हुए कहा कि होली आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का पर्व है। इसे परंपरागत उल्लास के साथ मनाएं, साथ ही कानून व्यवस्था का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन हर परिस्थिति से निपटने के लिए सतर्क है। नागरिकों का सहयोग

अपेक्षित है, अगर किसी को किसी प्रकार की दिक्कत है तो अधिकारियों के साथ साझा करें ताकि समय रहते उसका निदान कराया जा सके। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट साझा करने से बचें। यदि कहीं विवाद या संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त निरीक्षक लल्लूराम रावत, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, पालिका प्रतिनिधि राजा गुप्ता, कांग्रेस नेता रामकिशोर पुरोहित, रवि महाराज प्रधान विरगुवां बुजुर्ग, अखंड प्रताप सिंह, मुलायम सिंह प्रधान रवा, दीपक सिंह, लखन सिंह, जगराम बाबूजी, तौसीफ अहमद, मोहित, बादाम कुशवाहा आदि संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ समापन

●छात्र वर्ग में अजय एवं छात्रा वर्ग में सुमन व गुंजा ने ओवर आल चैम्पियन का लहराया परचम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा(सोनभद्र)। नगर स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में दो दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन 25 फरवरी बुधवार को सम्पन्न हुआ। क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर प्रमोद कुमार नें छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल सर्वांगीण विकास भाई चारे और अनुशासन का आधार हैं।उन्होंने हार जीत से ऊपर उठकर ईमानदारी से खेलने,हार से सिखने और जीत में विनम्र रहने की प्रेरणा दी।एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफ़ेसर सुभाष राम नें पढ़ाई के साथ खेल में निरंतर अभ्यास करने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर राधा कांत पाण्डेय नें किया एवं क्रीड़ा प्रभारी डॉ राजेश प्रसाद नें आभार

ज्ञापन प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ संतोष कुमार सैनी ने किया।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन महाविद्यालय में तीन हजार मीटर,दो सौ मीटर की दौड़,ट्रिपल जम्प,रिले रेस सहित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गयी।जिसमें छात्रा दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गुंजा बीए पंचम सेमेस्टर,द्वितीय स्थान आरती यादव बीकॉम पंचम सेमेस्टर,तृतीय स्थान तंशिका गुप्ता बीए पंचम सेमेस्टर ने प्राप्त किया।वही तीन हजार मीटर छात्र दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान यश अवस्थी बीकॉम प्रथम सेमेस्टर,द्वितीय स्थान अवनीश कुमार बीएससी तृतीय सेमेस्टर,तृतीय स्थान सूजल कुमार बीएससी प्रथम सेमेस्टर ने प्राप्त किया। छात्र ट्रिपल जम्प प्रतियोगिता में अजय प्रथम स्थान,विष्णु यादव द्वितीय स्थान,अंकित यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वही छात्रा ट्रिपल जम्प प्रतियोगिता में अर्चना कुमारी नें प्रथम स्थान,हर्षिता प्रजापति ने द्वितीय स्थान,प्रिया यादव नें तृतीय स्थान प्राप्त किया।

छात्र वर्ग में ओवर आल चैम्पियन का परचम अजय कुमार बीए पंचम सेमेस्टर ने लहराया वही छात्रा वर्ग में सुमन व गुंजा बीए पंचम सेमेस्टर नें ओवर आल चैम्पियन का परचम लहराया।प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रुप में आर एन सिंह,अनील सिंह व सुनील सिंह उपस्थित रहें।इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ उपेंद्र कुमार, डॉ विकास कुमार,डॉ विनोद बहादुर सिंह,डॉ अलोक यादव,डॉ विभा पाण्डेय,डॉ वैशाली शुक्ला,डॉ सचिन कुमार, डॉ संघ मित्रा,डॉ अंजलि मिश्रा एवं कार्यालय अधीक्षक राजेश्वर रंजन,धर्मेंद्र कुमार,महेश पाण्डेय,अभिषेक कुमार,अरुण कुमार सैफुद्दीन साहित तमाम महाविद्यालय के छात्र- छात्रा उपस्थित रहे।

सोनांचल कप लखनऊ की रोमांचक जीत, मुगलसराय टूर्नामेंट से बाहर

●अमरेंद्र तिवारी के ऑलराउंड प्रदर्शन ने पलटा मैच का रुख, लखनऊ 4 विकेट से विजयी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा, सोनभद्र - स्थानीय गांधी मैदान में आयोजित प्रतिष्ठित 23वें सोनांचल कप राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे दिन रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली। लखनऊ और मुगलसराय रेलवे के बीच खेले गए इस कड़े मुकाबले में लखनऊ ने शानदार खेल दिखाते हुए मुगलसराय को पटखनी दी और उसे प्रतियोगिता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। मुगलसराय रेलवे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित 25 ओवरों के मैच में मुगलसराय की टीम 24.1 ओवर में 151 रनों पर सिमट गई। टीम की ओर से योगेश राणा ने 45 गेंदों पर 49 रनों (4 चौके, 1 छक्का) की शानदार पारी खेली, जबकि सिद्धांत पाठक ने 23 गेंदों पर तेज 28 रन जोड़े। लखनऊ की ओर से गेंदबाज अमरेंद्र तिवारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट चटकाए, वहीं आकाश यादव ने 5 ओवर में महज 18 रन देकर 2

सफलताएं हासिल कीं। 152 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम ने सधी हुई शुरुआत की। हालांकि बीच में कुछ विकेट गिरे, लेकिन बल्लेबाजों ने धैर्य बनाए रखा और 24.1 ओवर में 6 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। अमित गुप्ता ने 51 गेंदों पर 48 रनों की परिपक्व पारी खेली, जबकि मुरारी ने 30 गेंदों पर महत्वपूर्ण 33 रन जोड़े। मुगलसराय के गेंदबाज विनोद कुमार और सिद्धांत पाठक 1-1 विकेट लेने में सफल रहे, लेकिन वे लखनऊ की जीत की राह नहीं रोक सके। प्रतियोगिता के चौथे दिन मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी अभियंता (सिविल) ईज़ सदानंद यादव उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। लखनऊ के ऑलराउंडर अमरेंद्र तिवारी को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नाइन स्टार ओबरा के सीनियर खिलाड़ियों द्वारा मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। मैच में निर्णायक की भूमिका रोशन सिंह व सूर्यप्रकाश चौरसिया ने निभाई। स्कोरिंग का जिम्मा अक्षय पटेल व प्रदीप शर्मा ने संभाला, जबकि कमेंट्री संकट मोचन झा व राजू यादव ने की। इस अवसर पर अवर अभियंता ईज़ शेषनाथ यादव, आयोजन सचिव संकट मोचन झा, उपाध्यक्ष राजू यादव, कलीम खान, अरविंद यादव 'गप्पू', बृजेश यादव, रमेश वर्मा और भारी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कल का महामुकाबला प्रतियोगिता के अगले चरण में कल सोनपुर रेलवे (बिहार) का सामना एनआर रेलवे (वाराणसी) से होगा। स्थानीय दर्शकों के बीच इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर काफी उत्सुकता है।

शंकराचार्य के उत्पीड़न का आरोप

●जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को कांग्रेसजनों ने प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के कथित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग की गई। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय की मंशा का उल्लेख करते हुए कहा गया कि वर्तमान सरकार आलोचना और सही सुझावों को सुनने के बजाय उन्हें दबाने का कार्य कर रही है। कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि सरकार के विरुद्ध मुखर होकर अपनी बात रखने वाले ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती और उनके शिष्यों को अनावश्यक रूप से परेशान और प्रताड़ित किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं के अनुसार कुम्भ के दौरान मौनी अमावस्या के पुण्य अवसर पर पुलिस द्वारा शंकराचार्य और उनके शिष्यों को स्नान करने से रोका गया तथा उनके साथ आए साधुओं के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि अब शंकराचार्य, उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद ब्रह्मचारी सहित कई अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ यौन शोषण के आरोप में एफआईआर दर्ज कराए जाने से मामला और गंभीर हो गया है। ज्ञापन में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का हवाला देते हुए कहा गया कि ये प्रावधान धार्मिक स्वतंत्रता तथा धार्मिक संप्रदायों को अपने धार्मिक मामलों के प्रबंधन का मौलिक अधिकार प्रदान करते हैं। कांग्रेसजनों ने कहा कि शंकराचार्य का पद सनातन परंपरा में सर्वोच्च आध्यात्मिक पदों में से एक माना जाता है, जिसकी मान्यता ऐतिहासिक धार्मिक परिपाटियों से निर्धारित होती है। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की कि एफआईआर दर्ज कराने वाले व्यक्तियों की पृष्ठभूमि, परिस्थितियों और संभावित प्रेरक तत्वों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सत्य सामने आ सके। साथ ही उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार से आह्वान किया कि शंकराचार्य और उनके शिष्यों का कथित उत्पीड़न तत्काल प्रभाव से रोका जाए और उन्हें न्याय दिलाया जाए। ज्ञापन सौंपते समय जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक, मनरेगा बचाओ संघर्ष समिति के जिला प्रभारी जसपाल सिंह बंटी, पूर्व जिलाध्यक्ष बलवंत सिंह, महासचिव शशिकान्त दीक्षित, प्रदेश महासचिव एनएसयूआई कुलदीप पाठक, नगराध्यक्ष रामनरेश दुबे, आशाराम तिवारी, नेहा, असलम खान, मु.आसिफ, राहुल सेन के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने सौंपा 18 सूत्रीय ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कर्मचारियों और श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय मजदूर संघ जिला कार्यसमिति ने बुधवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित 18 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान समय में मजदूर और कर्मचारी वर्ग महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी उपेक्षा से बेहद परेशान है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को सरकार द्वारा घोषित मानदेय का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं आशा एवं आशा संगिनी कार्यकर्ताओं के साथ भी अन्याय हो रहा है और उन्हें प्रोत्साहन राशि के स्थान पर नियमित मानदेय दिए जाने की मांग उठाई गई है। संगठन ने संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलता और नौकरी से निकाले जाने का भय बना रहता है। इनके लिए अब तक कोई ठोस

नियमावली भी नहीं बनाई गई है। एनएचएम में कार्यरत संविदा कर्मियों को बीमा, स्थानांतरण और वेतन विसंगतियों से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जबकि इसके लिए केन्द्र से बजट भी उपलब्ध कराया जा चुका है। भारतीय मजदूर संघ ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मचारियों से बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के कार्य कराया जा रहा है और उन्हें उचित वेतन भी नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा 108 और 102 एंबुलेंस सेवा से बर्खास्त कर्मियों की अब तक बहाली नहीं होने से वे आर्थिक संकट में जीवन यापन कर रहे हैं। ज्ञापन में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों में ई-रिक्शा चालक, ऑटो चालक, धोबी, दर्जी, बढ़ई, लुहार, मोची, कुम्हार तथा ग्रामीण व दिहाड़ी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने और उनके पारिश्रमिक तय करने की मांग की गई। पटरी-रेहड़ी दुकानदारों को स्थायी स्थान उपलब्ध कराने और पुलिस उत्पीड़न बंद करने की भी मांग उठाई गई। संगठन ने बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने, सहकारी बैंकों के वेतनमान पुनरीक्षण की विसंगतियां दूर करने, निकायों में वर्षों से वाहन चला रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को ड्राइवर पदों पर समायोजित करने तथा पं. दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस योजना लागू करने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी। इसके अतिरिक्त मिड-डे मील कर्मचारियों का मानदेय 10 हजार रुपये प्रतिमाह करने, संविदा/निविदा सफाई कर्मचारियों को 18 हजार रुपये वेतनदेने, पुरानी पेंशन बहाल करने और पत्रकारों/ श्रमजीवी पत्रकारों को सुरक्षा बीमा व सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। भारतीय मजदूर संघ ने मुख्यमंत्री से इन ज्वलंत समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान कराने की अपेक्षा जताई। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार टोंटे, जिला मंत्री आनंद दीक्षित सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

वार्ड में डस्टबिन का किया गया वितरण

सिद्धार्थनगर- नगर पंचायत उसका बाजार में बुधवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के दृष्टिगत डस्टबिन लगातार हर दिन की तरह प्रत्येक वार्ड में वितरण कार्यक्रम वार्ड नं-5, लोहिया नगर में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमंत कुमार जायसवाल, अधिशासी अधिकारी अभिनव श्रीवास्तव द्धारा वार्डवासियों को डस्टबिन वितरण किया गया,इस दौरान वार्डवासियों से सूखा कूड़ा व गीला अलग-अलग देने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सोमनाथ मिश्रा, सभासद, दीपक कुमार, आदित्य शुक्ला, कृष्णा, अजय साहनी, आनंद जायसवाल अमन साहू आदित्य एवं भारी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

भारतीय मजदूर संघ ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन : 18 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

सिद्धार्थनगर। भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को धरना प्रदर्शन किया।इस दौरान प्रधानमंत्री, श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी रावेंद्र श्रीवास्तव को सौंपा। ज्ञापन में श्रमिकों की समस्याओं से संबंधित 18 सूत्री मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई । जिलाध्यक्ष समरेंद्र प्रताप सिंह, जिलामंत्री आशुतोष यादव ने बताया कि मांगें संघ के 21वें अखिल भारतीय त्रिवार्षिक अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर आधारित हैं। संघ ने सभी क्षेत्रों में श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के लागू करने की मांग की है। ईपीएफ और कर्मचारी राज्य बीमा निगम की वेतन सीमा में वृद्धि तथा बोनस भुगतान के अंतर्गत पात्रता सीमा संशोधित करने की मांग शामिल है। इसके अलावा रसोइया, आशा, आंगनबाड़ी और ठेका श्रमिकों को स्थाई करने तथा सामान्य भर्तियों पर लगी रोक हटाने की मांग गई है। संघ ने केंद्र सरकार से श्रमिक हित में त्वरित व सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर सिंह आदि मौजूद रहे।

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ हुआ एनएसएस शिविर का शुभारंभ

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील लालगंज अन्तर्गत राजकली रमाशंकर शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय मोठिन जलेशगंज में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। प्रधान अनेहरा दिवाकर शुक्ल, प्रधान मोठिन रामकृष्ण द्विवेदी व डॉ0 सर्वेश कुमार त्रिपाठी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। एनएसएस के शिविरार्थियों सुहानी, अंजली, काजल द्विवेदी, कोमल, सुनैना, क्रांति, अंतिमा, शिवम गुप्ता ने सरस्वती वंदना, स्वागत गान व स्वच्छता गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। शिविरार्थियों द्वारा एनएसएस गीत उठे समाज के लिए उठें ने मंत्रमुग्ध किया। वक्ताओं ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं में सामाजिक सेवा व स्वच्छता और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करना होता है। कार्यक्रमाधिकारी प्रमोद कुमार ने शिविर की कार्यवृत्ति प्रस्तुत की। इस मौके पर संतोष मिश्र, पंकज मिश्र, रवि प्रकाश यादव, सुरेशचंद्र त्रिपाठी, सोनम, धीरेन्द्र आदि मौजूद रहे।

सीबीएसई के 10वीं की साइंस की परीक्षा सात केंद्रों पर संपन्न

प्रतापगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं के छात्रों की साइंस की परीक्षा बुधवार को प्रतापगढ़ के सात परीक्षा केंद्रों क्रमशः न्यू एजिल्स सीश्सेश स्कूल, आत्रेय एकेडमी, संस्कार ग्लोबल स्कूल, डॉल्फिन पब्लिक स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, जेएमजी पब्लिक स्कूल कालाकांकर और आइंस्टीन पब्लिक स्कूल लालगंज में सकुशल संपन्न हुई, जिसमें जिले के 47 मान्यता प्राप्त विद्यालयों के 4389 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज किया। कुल 4423 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड थे जिसमें से 34 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।इस बार से सीबीएसई ने 10 वीं साइंस पेपर का पैटर्न बदल दिया है। कक्षा देकर बाहर निकले परीक्षार्थियों के अनुसार बुधवार के विज्ञान का पेपर आसान तथा एनसीईआरटी किताब से हुबहू लिया गया था।

कानपुर में छात्र की मौत के बाद पीएसआईटी कॉलेज में जमकर बवाल, लाठीचार्ज में कई छात्र घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कल मंगलवार जेसीबी से टकराकर हुई छात्र की मौत के मामले में प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उत्तेजित छात्रों ने आज बुधवार को पनकी स्थित पीएसआईटी कॉलेज में बवाल के साथ जमकर तोड़फोड़ भी की। इस बीच पुलिस ने भी जमकर लाठीचार्ज किया ,जिसमें कई छात्र घायल भी हो गए। यहां हालातों पर मुश्किल से नियंत्रण के बाद तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर हालातों का जायजा लिया। साथी छात्र की मौत से आक्रोशित हजारों छात्रों ने पहले कैंपस में शांति मार्च निकाला, जिसके बाद देखते ही देखते उनका प्रदर्शन उग्र हो गया। इस बीच गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। उन्होंने कैंपस के शीशे तोड़ दिए, गमले फेंक दिए और फर्नीचर को भी तहस नहस कर डाला। जिसकी सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और जब छात्र समझाने के बाद भी नहीं माने तो उसने छात्रों पर लाठी चार्ज कर दिया ,जिसमें कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। छात्रों ने इस दौरान यह भी आरोप लगाया कि कॉलेज परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। जिसकी वजह से ही रतनलाल नगर निवासी बीसीए अंतिम वर्ष के छात्र प्रखर सिंह असमय ही मौत का शिकार हो गया। छात्रों ने मांग उठाई है कि सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक, जब कक्षाएं संचालित होती हैं। उस दौरान किसी भी तरह का निर्माण कार्य पूरी तरह प्रतिबंधित रहे। इस हंगामे के दौरान छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। वहीं इसकी सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला और कई घंटे की संघर्ष के बादछात्रों को शांत करने में सफलता प्राप्त की लेकिनतनाव लगातार बरकरार है ,जिसे देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि तोड़फोड़ करने वाले छात्रों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके भी कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो से बाइक में मारी टक्कर, विरोध करने पर की मारपीट

कोंच(जालौन सड़क किनारे खड़ी बाइक में बोलेरो से टक्कर मारने और फिर विरोध करने पर साथियों को बुलाकर बाइक सवार की मारपीट किए जाने की घटना सामने आयी है। पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिरगुवां बुजुर्ग निवासी जनार्दन सिंह पुत्र लाखन सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि मंगलवार की शाम 6 बजे से वह अपने दोस्त दीपक पुत्र मूलचंद्र के साथ मिलकर गेहूं की बोरी बाइक पर रख कर घर जा रहा था। लघुशंका आने पर उसने अपनी बाइक भुआ खेरा मंदिर के समीप सड़क किनारे खड़ी कर दी। इसी दौरान तेज रफ्तार आयी वोलेरो के चालक ने लापरवाही बरतते हुए बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। उसने जब विरोध किया तो बोलेरो चालक ने कॉल कर करीब एक दर्जन अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। उक्त सभी लोगों ने मिलकर गाली गलौज करते हुए लात घूंसो और बेल्टों से उसे व दीपक को बुरी तरह मारापीटा। बचाने आए गांव के ही राजू परिहार के साथ भी मारपीट की और फिर जान से मारने की धमकी देकर उक्त लोग मौके से भाग गए। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है, आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सई बहे स्वच्छ, श्रद्धा रहे पवित्र- प्रदूषण नियंत्रण की अनोखी पहल चालू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के सामाजिक वानिकी वन एवं वन्य जीव प्रभाग, के जिला गंगा समिति/पर्यावरण समिति द्वारा मां बेल्हा देवी सई नदी के किनारे सई नदी की स्वच्छता हेतु एक अनोखी पहल शुरू की गई है जिसमें प्लास्टिक बोतलों से निर्मित प्रोटोटाइप वेस्ट कलेक्शन फ्लोटिंग बैरियर को सई नदी में बेल्हा देवी मंदिर के पास सफलता पूर्वक स्थापित किया गया,जो नदी के प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।इस पहल के अंतर्गत प्लास्टिक बोतलों को रस्सी,प्लास्टिक जाल व बांस की सहायता से श्रृंखला के रूप में जोड़ा गया है जो नदी के बहाव में तैरते कचरे को एकत्रित करता है। फूलों और अन्य जैविक अपशिष्टों को भी प्रभावी ढंग से एकत्र करने में सक्षम है। बेल्हा देवी मंदिर जो सई नदी तट पर स्थित ऐतिहासिक शक्तिपीठ है, भक्तों की भारी संख्या के कारण विशेष रूप से प्रभावित होता है। भगवान राम द्वारा पूजित मानी जाने वाली इस देवी स्थली पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं जिनके फूल चढ़ाने से नदी में अपशिष्ट बढ़ जाता है।प्लास्टिक बोतलें जो स्वयं कचरा हैं, उनका पुनः उपयोग कर नया कचरा एकत्रित करना दोहरा लाभ प्रदान करता है। इससे नदी जल की गुणवत्ता सुधरेगी, एवं जलीय जीवों का संरक्षण होगा । प्रभागीय निदेशक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि यह प्रतापगढ़ वन एवं पर्यावरण विभाग की पहल है जो तकनीकी ज्ञान के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ती है। आने वाले समय में इसे अन्य नदियों पर विस्तारित करने की योजना है। वन विभाग प्रतापगढ़ अब इस प्रोटोटाइप के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगा। यदि सफल रहा तो पूर्ण रूप से कार्यान्वित कर सई नदी को प्रदूषण मुक्त बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की नमामि गंगे जल शक्ति मंत्रालय योजना से प्रेरित यह कदम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक बनेगा।स्थापना के दौरान प्रभागीय निदेशक के नेतृत्व में डॉ लक्ष्मीकांत त्रिवेदी पर्यावरणविद, डॉ गौरी शंकर बायोलाजिस्ट, डॉ रूपेंद्र यादव टैक्सोनोमिस्ट, शिवम यादव- जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे,आलोक शुक्ला सचिव युवा समाजिक सेवा संस्थान व वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी के तहसील सदर के सघन निरीक्षण से अधिकारियों-कर्मचारियों में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने मंगलवार को तहसील सदर का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील के समस्त पटलों की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रख-रखाव, लंबित प्रकरणों तथा न्यायालयीन कार्यों की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया। जिलाधिकारी ने विभिन्न धाराओं में लंबित राजस्व पत्रावलियों, भूलेख पटल, खतौनी कक्ष, पट्टा रजिस्टर, आय एवं जाति प्रमाण पत्र पटल, सर्विस बुक, नजारत, रिकॉर्ड रूम एवं न्यायालय से संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण किया। डीएम ने एसडीएम कोर्ट में रखी राजस्व वाद की विभिन्न धाराओं की पत्रावलियों का गहनता से निरीक्षण किया जिसमें पेशकार की कार्यप्रणाली को सही ठीक ढंग से करने का निर्देश दिया,साथ ही पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जनता दर्शन करने का निर्देश उपजिलाधिकारी सदर को दिया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में अधिवक्ता शेड के निर्माण व पानी की व्यवस्था हेतु जिलाधिकारी से अनुरोध किया जिस पर डीएम ने अधिवक्ता शेड बनवाने का आश्वासन दिया तथा उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि तहसील परिसर में 2 वाटर कूलर आरओ सहित लगवाया जाये। तहसीलदार सदर कोर्ट के निरीक्षण में पत्रावलियों में अनियमितता मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तहसीलदार सदर अनिल कुमार को चेतावनी देते हुये कहा कि यदि एक सप्ताह के अन्दर अभिलेख पूर्ण न पाये गये वेतन बाधित कर दिया जायेगा। उपजिलाधिकारी न्यायिक कोर्ट का निरीक्षण किया और कोर्ट की पत्रावलियों का गहनता से अवलोकन किया गया। डीएम ने तहसील में बने अभिलेखागार का निरीक्षण किया। खराब अग्निशमन यंत्र को सही कराने के निर्देश दिये। अन्त में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर व अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया जो भी कमियां पायी गयी है एक सप्ताह के अन्दर दुरूस्त कराकर अवगत करायें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि न्यायालयी कार्यों में लापरवाही, अनियमितता और पारदर्शिता की कमी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध दर्ज एफआईआर पर कांग्रेस का भारी प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती एवं उनके शिष्यों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर तथा कथित अभद्र व्यवहार के विरोध में कांग्रेस कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतापगढ़ के माध्यम से सौंपा गया।इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि कुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के अवसर पर शंकराचार्य एवं उनके शिष्यों को स्नान से रोका गया तथा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। कुछ बटुकों की चोटी खींचकर अपमानित करने जैसी अमर्यादित घटना भी सामने आई, जिससे धार्मिक भावनाएँ गहराई से आहत हुई है। साथ ही शंकराचार्य, उनके शिष्यों एवं अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज की गई एफआईआर को प्रथम दृष्टया एकतरफा, दुर्भावनापूर्ण व राजनैतिक विद्वेष की भावना से कराया गया कार्य है जो पूर्णतया गलत व निन्दनीय है ।

वक्ताओं ने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर सच्चाई को सामने लाया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिला प्रवक्ता सुरेश कुमार मिश्र ने मांग किया कि शंकराचार्य जी एवं उनके शिष्यों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर की पारदर्शी जांच कराई जाए।ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि भविष्य में धार्मिक स्वतंत्रता एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए जाय।इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, मनरेगा प्रभारी रवि भूषण सिन्हा, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शुभम मिश्र, विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मकरन्द शुक्ल,अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज,पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, जिला महासचिव अंजलि उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष इन्द्रानंद तिवारी, जिला प्रवक्ता मासूम हैदर,भवानी शंकर दुबे, विजय प्रताप त्रिपाठी, के.के शुक्ल, उमेश तिवारी, धर्मराज सिंह,मोहम्मद वसीम, अरबाज आलम,अबू शमा, मो.सब्बीर, आशिक अली, कृष्णकांत शुक्ला, बैजनाथ यादव,अब्दुल रहमान, सुधीर तिवारी, रविंद्र मिश्र,अंजनी कुमार पांडे,मोहम्मद असलम खान,अश्वनी उपाध्याय, मोहम्मद कासिम, मोहम्मद इदरीश, सुरेश मिश्र,राजेश, आनन्द सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लापरवाह अधिकारियों पर गिरी गाज, अनुपस्थित कर्मचारियों का रोका गया वेतन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव व जिला विकास अधिकारी/उपायुक्त श्रम रोजगार सन्तोष कुमार द्वारा जनपद के समस्त समस्त संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारियों, विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पं0), अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) एवं समस्त पंचायत सचिवों के साथ विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में की गई। बैठक में फैमिली आईडी, गौशाला पूलिंग एवं हरे चारे की बुआई, राज्य वित्त एवं केन्द्रीय वित्त के अन्तर्गत व्यय, आवास योजना की प्रगति समीक्षा, जल संचयन जल भागीदारी की फीडिंग, समस्त प्रकार की पेंशन के आवेदन व सत्यापन, फार्मर रजिस्ट्री, श्रम कार्ड पंजीयन, मिशन कायाकल्प के कार्य, अन्नपूर्णा भवन निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर समीक्षा की गई। समीक्षा में ग्राम पंचायत अधिकारी संगीता पाल व दीपक यादव विकास खण्ड सदर, सरिता पाण्डेय विकास खण्ड कुण्डा, ग्राम विकास अधिकारी चन्द्रमौली विकास खण्ड लालगंज अनुपस्थित रहे, जिससे इनका वेतन रोकने का निर्देश दिये गये। ग्राम पंचायत अधिकारी लालचन्द्र पाल एवं बृजेश कुमार विकास खण्ड बिहार की प्रगति न्यून पाये जाने व कार्यों में शिथिलता बरतने के कारण इनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिये गये। सहायक विकास अधिकारी (पं0) शिवगढ़ व अवर अभियन्ता लघु सिंचाई विकास खण्ड गौरा द्वारा अपने दायित्व निर्वहन में लापरवाही के बरतने के कारण वेतन बाधित करने के निर्देश दिये गये। सहायक विकास अधिकारी (पं0) कुण्डा एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा विकास खण्ड सदर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित न कराने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही प्रस्तावित किये जाने के निर्देश दिये गये।

75 स्थानों पर मिनी हाईमास्ट लाइट लगने से क्षेत्र दूधिया रोशनी से जगमगायेगा : विधायक विनय वर्मा

●हाईमास्ट लगने के वाहनों को विधायक विनय वर्मा हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के विभिन्न ब्लॉकों के कुल 75 स्थानों पर विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि से दो करोड़ चौंतीस लाख पचहत्तर हजार रुपये की लागत से मिनी हाईमास्ट लाइट लगाने के लिये विधायक विनय वर्मा ने बुधवार को तहसील कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर व फीता काटकर रवाना किया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि से दो करोड़ चौंतीस लाख पचहत्तर हजार रुपये की लागत से क्षेत्र के विभिन्न 75 स्थानों पर मिनी हाईमास्ट लाइट लगने से क्षेत्र दूधिया रोशनी से जगमगायेगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये कहा कि क्षेत्र के आवश्यकता अनुसार विकास के लिये कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के बेहतरी के लिये लगातार प्रयास जारी है। क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं व सहूलियत मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश व केन्द्र की सरकार क्षेत्र के विकास पर बेहतर ध्यान दे रही है। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़, बढ़नी, जोगिया, इटवा, बर्डपुर ब्लॉक के अलग -अलग 75 जगहों (तीन लाख तेरह हजार रुपये प्रति पर मिनी हाईमास्ट लाइट) लगेगा। विधायक ने यूपी सिडको के वैभव व संदीप मौर्य को गुणवत्तापूर्ण सामग्री से लाइट लगाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम को एसडीएम विवेकानंद मिश्रा, सीओ मयंक द्विवेदी, तहसीलदार प्रकाश सिंह, बीडीओ चंद्रभूषण तिवारी, अनिषि मणि, प्रो.अरविंद कुमार सिंह, दयासागर पाठक, रामविलास यादव, रामदास मौर्य, हरीराम निषाद,जेई अजय कुमार आदि ने सम्बोधित कर विधायक के रोशनी के इस पहल को सराहा। इस दौरान विजय पांडेय, प्रदीप कमलापुरी , लवकुश धर दूबे, कृष्णपाल चौधरी, दलसिंगार दूबे, रत्नेश सोनी, विजय गुप्ता, विष्णु कुमार, विशाल ,अलीमुउल्लाह, इरशाद, मोहम्मद मुस्तफा, कुलदीप चौधरी, संजय मित्तल, सुनील के सी, विवेक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं का वर्णन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- भनवापुर क्षेत्र के ग्राम कमसार राम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन मंगलवार को प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं और ऋषि विश्वामित्र के साथ उनके वन गमन के प्रसंगों का वर्णन किया गया। वृंदावन धाम से पधारी कथावाचिका ज्योति किशोरी द्वारा प्रभु के बाल स्वरूप और माता कौशल्या के वात्सल्य का बखान किया, तो पांडाल 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंज उठा।कथा के प्रथम चरण में बताया गया कि कैसे चारों भाइयों ने गुरु वशिष्ठ के आश्रम में वेदों और शस्त्रों की शिक्षा ग्रहण की। राम का चरित्र एक आदर्श शिष्य और पुत्र के रूप में उभरकर सामने आया। ऋषि विश्वामित्र का आगमनः जब महर्षि विश्वामित्र ने राजा दशरथ से असुरों के विनाश के लिए राम और लक्ष्मण को मांगा, तो महाराज भावुक हो गए। कथावाचक ने समझाया कि यह प्रसंग मोह त्याग कर कर्तव्य पथ पर बढ़ने की सीख देता है। ताड़का वध और असुरों का संहारः वन में जाते समय मार्ग में प्रभु ने ताड़का जैसी आसुरी शक्तियों का अंत कर ऋषि-मुनियों को निर्भय किया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

अहिल्या उद्धारः पत्थर की शिला बनी नारी

कथा के उत्तरार्ध में 'अहिल्या उद्धार' का प्रसंग सबसे भावुक रहा। ऋषि गौतम के श्राप के कारण पत्थर बन चुकीं देवी अहिल्या पर जब प्रभु श्रीराम के चरणों की धूल पड़ी, तो वे पुनः चैतन्य हो उठीं। 'प्रभु की करुणा अनंत है। उन्होंने न केवल अहिल्या को दोषमुक्त किया, बल्कि समाज को यह संदेश दिया कि सच्चा पश्चाताप और ईश्वर की शरण हर पाप से मुक्ति दिलाती है।कार्यक्रम में पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर व्यवस्थापक मनीष गुप्ता, आचार्य दुर्गेश शुक्ल, विनय तिवारी, सचिन तिवारी, शिवा विश्वकर्मा, लक्ष्मी नारायण, उर्दू बाबा, राजेंद्र यादव, अनिल त्रिपाठी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

हंगामेदार बैठक में साढ़े अठारह करोड़ रूपये की परियोजनाओं पर लगी मुहर

●बीडीसी की बैठक में जिला स्तरीय अफसरों की गैरहाजिरी पर आक्रोशित सदस्यों ने जतायी नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज,प्रतापगढ़। क्षेत्र पंचायत समिति की बुधवार को हंगामेदार बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं के मद में साढ़े अठारह करोड़ रूपये की कार्ययोजना पर मुहर लगी है। लालगंज क्षेत्र पंचायत समिति की पूर्व निर्धारित बैठक ब्लाक प्रमुख इ0 अमित प्रताप सिंह पंकज की अध्यक्षता में दोपहर प्रारम्भ हुई। बैठक में सदस्यों ने जनपदस्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर हंगामा शुरू कर दिया। नाराज सदस्य बैठक का बहिष्कार कर सभागार से बाहर आ गये। इस पर प्रमुख अमित सिंह ने जिले के पीडी दयाराम वर्मा से फोनिक वार्ता की। पीडी ने प्रमुख के माध्यम से सदस्यों को भरोसा दिलाया कि अगली बैठक में सभी जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इसके बाद बैठक की कार्रवाई ब्लाक प्रमुख के अनुरोध पर शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख अमित सिंह ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से लालगंज में ग्रामीण विकास योजनाओं को पारदर्शिता के साथ संचालित किया जाएगा। उन्होने आदर्श ब्लाक की प्रगति में प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों से सहयोग मांगा। वहीं बैठक में केन्द्रीय वित्त योजनान्तर्गत दो करोड़ तथा राज्य वित्त योजनान्तर्गत डेढ़ करोड़ एवं विकसित भारत योजनान्तर्गत पन्द्रह करोड़ की परियोजनाओं को सर्वसम्मत से अनुमोदन के लिए प्रस्तावित किया गया। बैठक में शामिल हुए एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। बैठक का संचालन खण्ड विकास अधिकारी मानवेंद्र शर्मा ने किया। स्वागत एडीओ पंचायत विमलेश कुमार मिश्र ने किया। इस मौके पर विमलेश सिंह, दिनेश सिंह, जयप्रकाश प्रजापति, पूर्व प्रमुख रमेश प्रताप सिंह, रामसजीवन झुड़िया, मो0 अशफाक, मुकेश यादव, सुनील पाण्डेय, शिवराम यादव, विद्युत मिश्र, बृजेश सिंह, देवेन्द्र सिंह ने भी विभिन्न विकास योजनाओं पर अपने सुझाव रखे।

जेई को मारने वाली महिला पर मुकदमा दर्ज हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल हुई, जिसमें विकासखंड हरैया सतघरवा के पंचायत भवन चौधरीडीह का दृश्य दिखाया जा रहा है। वीडियो में अवर अभियंता श्री अजीत सिंह के साथ मारपीट की घटना दर्शाई गई है। इस संबंध में जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराई गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि रामरंग उर्फ मिश्रीलाल, जो विकासखंड हरैया सतघरवा अंतर्गत महमूदनगर फीडर में लाइनमैन के रूप में कार्यरत था, द्वारा विभागीय कार्यों में लगातार लापरवाही बरती जा रही थी। वह अक्सर बिना सूचना अनुपस्थित रहता था तथा ओटीएस योजना के अंतर्गत अपेक्षित कार्य भी नहीं कर रहा था, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे थे। उक्त लापरवाही के दृष्टिगत मुख्य अभियंता द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए रामरंग उर्फ मिश्रीलाल को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

पंचायत भवन चौधरीडीह में सरकारी कार्य कर रहे अवर अभियंता अजीत सिंह के साथ मारपीट किए जाने के मामले में अभियुक्त सुमन पत्नी रामरंग उर्फ मिश्रीलाल के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्यों में बाधा डालना या किसी भी अधिकारी/कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार एवं मारपीट करना कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कड़ी एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

थाना ब्यौहारी पुलिस द्वारा गाँजे के मामले में 03 वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल ब्यौहारी पुलिस द्वारा 87 किलो गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी जो वर्ष 2023 से फरार था जिसे गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय प्रस्तुत किया गया थाना ब्यौहारी के अपराध क्रमांक 344/23 एनडीपीएस एक्ट में फोर्ड इकोस्पोर्ट कार में 87 किलो गांजा जप्त किया गया था घटना के पश्चात आरोपी फरार हो गया जो काफी तलाश करने के नही मिल पाया था।

घटना में प्रयुक्त वाहन के संबंध में जानकारी प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा अकलतरा थाना क्षेत्र का होना पाया गया। वाहन मालिक से जाकर पूछताछ करने पर पता चला कि उसके द्वारा वाहन का विक्रय कर दिया गया था । जिसे इमरान पिता मुबारक खान ने खरीद कर उक्त गांजे की तस्करी की थी । बिलासपुर स्थित ऑटो डील के माध्यम से आरोपी इमरान का पता लगाया गया जिसे दिनांक 24.02.2026 को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय प्रस्तुत किया जा रहा है **सराहनीय भूमिका**– फरार आरोपी की गिरफ्तारी मे थाना ब्यौहारी के निरी. थाना प्रभारी जियाउल हक एव अधिनस्थ स्टाफ उनि बालकरण प्रजापति, प्र.आर. हीरा सिंह, आर. गंगा सागर गुप्ता, की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

चोरी के तीन अभियुक्त गिरफ्तार

मनकापुर गोण्डा: खोड़ारे पुलिस ने चोरी के तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। प्रभारी निरीक्षक यशवंत कुमार सिंह ने बताया की राजकुमार ग्राम कूकनगर ग्रंट गोली संतडीह सोमवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी के दर्ज कराये रिपोर्ट में बताया है कि 15, 16 फरवरी की रात परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर कमरे में रखे बक्से से दो अंगूठी सोने की एक लॉकेट सोने की एक जोड़ी बिछुआ चांदी का एक जोड़ी पायल एक चांदी का माला एक मोबाइल फोन सहित अन्य घरेलू सामान उठा ले गए। जिसकी विवेचना उप निरीक्षक ज्ञानेन्द्र शुक्ला द्वारा सम्पादित की जा रही थी विवेचना के मध्य पतारसी सुरागरसी एवं गोपनीय पूछताछ से प्रकाश में आये अभियुक्तगण विकास पुत्र नाजिर ग्राम चतुराभीटी थाना खोडारे राजेन्द्र कुमार पुत्र देवी प्रसाद ग्राम शुकुलपुर थाना खोडारे सरजू प्रसाद पुत्र शिव प्रसाद ग्राम अल्लीपुर थाना खोडारे को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार कर्ता टीम वरिष्ठ उप निरीक्षक रघुवीर गौतम, उप निरीक्षक, ज्ञानेन्द्र शुक्ला, हेड कांस्टेबल ऋषि कुमार, इन्द्रासन यादव, अजय शुक्ला शामिल रहे।

आगामी त्योहारों को शान्ति,सौहार्दपूर्ण सकुशल संपन्न कराने हेतु की गयी पीस कमेटी की मीटिंग/बैठक

बलरामपुर। आज दिनांक 25.02.2026 को आगामी त्योहारों होली व ईद-उल-फितर को शान्ति, सौहार्दपूर्ण सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा थाना श्रीदत्तगंज परिसर में क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों /ग्राम प्रधान/ धर्मगुरुओं/ डी0जे0 संचालकों एवं ग्राम प्रहरियों के साथ पीस कमेटी/ बैठक की गई।बैठक में डी0जे0 संचालको को मानक के अनुसार डी0जे0 बजाने व किसी भी प्रकार के अभद्र गाना न बजाने की अपील की गयी तथा सभी जन मानस को त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने तथा अफवाहोंपर रोकथाम करने हेतु जागरुक किया गया। आपसी भाईचारा बनाकर त्योहार को सकुशल संपन्न कराने, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट व टिप्पणी न करने के लिये युवकों को समझाने के लिए बताया गया तथा किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल डायल112/ थाना स्थानीय पर सूचना देने व शासन द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशो के अनुपालन कराने एवं त्योहारो को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये शान्ति पूर्वक रूप से त्यौहार मनाने के लिये अपील किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी अविरल शुक्ल व अन्य संबंधित अधिकारी/ कर्मचारीगण व संभ्रांत व्यक्ति उपस्थित रहे। इसी क्रम में प्रभारी निरी थाना को0 जरवा राकेश पाल द्वारा थाना को0 जरवा परिसर में व प्रभारी थाना सादुल्लानगर सतेन्द्र वर्मा द्वारा थाना सादुल्लागर परिसर में पीस कमेटी की मीटिंग की गई।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर अधिकतर ट्रांसपोर्टर कारोबार कर रहे हैं, विधायक इमरान हुसैन ने सदन में उठाया आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बादल हुसैन

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली यहां की गलीया कभी इतिहास की कहानीया सुनाती थी।आज वहां सिर्फ जाम है और अतिक्रमण से दिल्ली ढक रही है। लेकिन अब अतिक्रमण थमने वाला है। क्योंकि यहां बुलडोजर की दहाड सुनाई देगी पुरानी दिल्ली की 16 सड़कें अतिक्रमण मुक्त होने वाली है और इसके पिछे है पीडब्ल्यूडी विभाग ने दिल्ली नगर निगम को एक कडा पत्र लिखा है जिसमें पुरानी दिल्ली और आस पास की16 प्रमुख सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है।इन सड़कों पर इन इलाकों में हालात इतने बत्तर है कि सरकारी जमीन पर सालो से ट्रांसपोर्ट से कब्जा जमा रखा है। बड़े बड़े ट्रक समान की ढेरी या सब कुछ सड़क पर। कल्पना कीजिए कितना मुश्किल होता है यहां से गुजरना। पीडब्ल्यूडी ने निगम और पुलिस से तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया है। बता दें कि बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र से विधायक व पूर्व मंत्री इमरान हुसैन द्वारा दिल्ली विधानसभा सदन में गत दिनों पूछे गए एक लिखित जवाब में सामने आया है। विधायक हुसैन ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सदर थाना रोड, कुतुब रोड़, एवं ईदगाह रोड, पर ट्रांसपोर्टरों द्वारा सड़क एवं सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करने पर कार्रवाई न होने के बारे में पूछा था। उन्होंने पूछा था कि अदि ट्रांसपोर्टरों को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में वैकल्पिक स्थान आवंटित किए गए हैं तो उनके यहां से न जाने और उनके द्वारा अतिक्रमण जारी रहने के क्या कारण है, उन्होंने पूछा था कि इस संबंध में अब तक क्या कार्रवाई की गई है, अतिक्रमण हटाने के लिए आगे क्या ठोस कदम प्रस्तावित है। जिस पर पीडब्ल्यूडी ने उत्तर में कहा कि यह बात सही है कि इस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सदर थाना रोड, कुतुब रोड़, एवं ईदगाह रोड, पर ट्रांसपोर्टरों सहित विभिन्न अतिक्रमणकारियों द्वारा सड़क एवं सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। विभाग ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए दिल्ली नगर निगम को पत्र लिखा गया है। पीडब्ल्यूडी ने ज़वाब में बताया कि उसकी तीन सडकें नहीं यहां के 16 मार्गो पर अतिक्रमण है क्यो जरूरी है ये कारवाई दिल्ली पुलिस भी इन अतिक्रमण से परेशान हैं उन्होंने खुद नगर निगम को कई पक्ष लिखे है, क्योंकि ये कब्जे कानून व्यवस्था के लिए भी चुनौती बनते हैं।

क्या कहते हैं स्थानीय निवासी रिक्शा चालकों अवैध वेंडरो, और दुकानदारों ने मिलकर ट्राफिक जाम से नरक बना दिया है घंटों लोग जाम में फंसे रहते हैं।एक राहगीर ने बताया फुटपाथो पर कब्जा अवैध पार्किंग और ठेलो की वजह से पैदल चलने वालों को सड़क पर चलना पड़ता है जिससे हादसे का ख़तरा बना रहता है।

खोड़ारे पुलिस ने चोरी के तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

मनकापुर गोण्डा: खोड़ारे पुलिस ने चोरी के तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। प्रभारी निरीक्षक यशवंत कुमार सिंह ने बताया की राजकुमार ग्राम कूकनगर ग्रंट गोली संतडीह सोमवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी के दर्ज कराये रिपोर्ट में बताया है कि 15, 16 फरवरी की रात परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर कमरे में रखे बक्से से दो अंगूठी सोने की एक लॉकेट सोने की एक जोड़ी बिछुआ चांदी का एक जोड़ी पायल एक चांदी का माला एक मोबाइल फोन सहित अन्य घरेलू सामान उठा ले गए। जिसकी विवेचना उप निरीक्षक ज्ञानेन्द्र शुक्ला द्वारा सम्पादित की जा रही थी विवेचना के मध्य पतारसी सुरागरसी एवं गोपनीय पूछताछ से प्रकाश में आये अभियुक्तगण विकास पुत्र नाजिर ग्राम चतुराभीटी थाना खोडारे राजेन्द्र कुमार पुत्र देवी प्रसाद ग्राम शुकुलपुर थाना खोडारे सरजू प्रसाद पुत्र शिव प्रसाद ग्राम अल्लीपुर थाना खोडारे को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार कर्ता टीम वरिष्ठ उप निरीक्षक रघुवीर गौतम उप निरीक्षक ज्ञानेन्द्र शुक्ला हेड कांस्टेबल ऋषि कुमार, इन्द्रासन यादव,अजय शुक्ला शामिल रहे।

एसबीआई शाखा स्थापित करने का कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है क्षेत्रवासियों ने विभागीय अधिकारियों की सराहना की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: स्थानीय शुभचिंतकों के लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों तथा जनता की जोरदार मांग के परिणामस्वरूप श्रीभूमि जिला के दुल्लभछड़ा में State Bank of India (एसबीआई) की नई शाखा स्थापित करने का कार्य तेज़ी से प्रगति पर है। इस पहल में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों तथा एसबीआई विभाग के अधिकारियों के प्रति क्षेत्रवासियों ने हार्दिक बधाई और आभार व्यक्त किया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, जनसंख्या की तुलना में दुल्लभछड़ा में अब तक केवल एक ही बैंक शाखा होने के कारण ग्राहकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

विशेष रूप से अनिपुर-दुल्लभछड़ा-निविया-चेराग़ी-रंगपुर क्षेत्र के सैकड़ों सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को बैंक संबंधी कार्यों के लिए कई किलोमीटर की दूरी तय कर स्टेट बैंक रामकृष्णनगर ब्रांच में जाना पड़ता था। इससे वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता था। स्थानीय निवासियों ने आशा व्यक्त की है कि नई शाखा शुरू होने के बाद क्षेत्र के सैकड़ों लोगों की दैनिक बैंकिंग समस्याओं का अधिकांश समाधान हो जाएगा। इस पहल को जनहित में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम माना जा रहा है।

मदुरीपथार फॉरेस्ट रिज़र्व में लगी भीषण आग, बृहत इलाके जलकर हुआ रखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। सिलापथार के मदुरीपाथर में स्थित सीसी आरक्षित वनांचल में आज दिन के करीब 11 बजे एक अग्निकांड के खबर आते हैं। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को अग्निकांड के ख़बर दी। देखते ही देखते आग ने बृहत इलाके को तबाह कर दिया। असम और अरुणाचल प्रदेश से आई दो अग्निशमन विभाग के गाड़ी और लिकाबाली आर्मी की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग बुझाने में कामयाब हुए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी दुष्ट चक्र ने ऐसा काम किया है, इस से पहले भी नदी गाई नदी किनारे में किसीने कुछ दिन पहले आग लगा दी थी। समय पर आग में काबू पाने पर जंगल किनारे बसे आवासीक घरों और आर्मी कैंप के फेंसिंग वाल को भारी क्षतिग्रस्त होता।

गुरुग्राम के सोहना में निर्माणाधीन सोसायटी की 17वीं मंजिल से गिरकर श्रमिक की मौत, काम करते वक्त फिसला पैर

गुरुग्राम। सोहना शहर थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन आशियाना सोसायटी की 17वीं मंजिल से गिरने से एक श्रमिक की मौत हो गई। काम करते समय श्रमिक का पैर फिसल गया था। इससे वह नीचे आ गिरा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। घटना मंगलवार दोपहर की है। मृत श्रमिक की पहचान मूल रूप से मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के शोकपुर गांव के रहने वाले ब्रजकुमार के रूप में की गई। बताया जाता है कि वह सोहना में किराए से रहकर श्रमिक का काम करते थे। बीते कुछ दिनों से वह आशियाना सोसायटी में काम कर रहे थे। मंगलवार दोपहर बिल्डिंग के टावर की 17वीं मंजिल पर काम करने के दौरान उनका पैर फिसल गया और वह नीचे जा गिरे। आसपास के लोग उन्हें फौरन अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोहना पुलिस ने बताया कि परिवार वालों को घटना की सूचना दी गई है। अभी कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'उड़ान उम्मीद प्रोजेक्ट 2.0' से एचएस विद्यार्थियों को नई आशा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: daan Education and Research Foundation द्वारा संचालित विशेष अभियान 'उड़ान उम्मीद प्रोजेक्ट 2.0' का दूसरा सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस परियोजना के अंतर्गत कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के 25 हायर सेकेंडरी (HS) विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ये सभी छात्र-छात्राएं सरकारी स्कूलों और कॉलेजों से हैं तथा अधिकांश बीपीएल परिवारों से आते हैं। वर्तमान में ये विद्यार्थी हायर सेकेंडरी फाइनल परीक्षा 2026 में सम्मिलित हो रहे हैं।

कक्षाएं सिलचर स्थित daan Super 40 Coaching Center में आयोजित की गईं। विद्यार्थियों को न्यूनतम शुल्क पर उनकी अंतिम एचएस परीक्षा के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया गया। इस परियोजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल आईएएस, डॉक्टर या इंजीनियर बनाना नहीं था, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और जीवन के प्रति आशा का संचार करना था। उड़ान का मानना है कि एचएस परीक्षा उत्तीर्ण करना ही जीवन की एक सशक्त और सार्थक शुरुआत है। इसी सोच के साथ इस पहल का नाम 'उम्मीद' रखा गया, जो बेहतर जीवन और नई शुरुआत की आशा का प्रतीक है। यह परियोजना Aligarh Muslim University की पूर्व छात्रा डॉ. सारा तहमीना चौधरी (सहायक प्रोफेसर, गवर्नमेंट मॉडल डिग्री कॉलेज, बागभार, बरपेटा) तथा Cognizant, यूएसए के सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर श्री मंसूर अहमद के उदार आर्थिक सहयोग से संभव हो सकी। दूर रहकर भी उन्होंने अपने समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए इस पहल को समर्थन दिया। उनके सहयोग से उड़ान ने सिलचर के मध्य क्षेत्र में एक कक्ष किराए पर लेकर विद्यार्थियों को नियमित मार्गदर्शन प्रदान किया। गत वर्ष इसी परियोजना के तहत 20 विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया था, जिनमें से कई वर्तमान में कछार कॉलेज, गुरुचरण कॉलेज तथा विमेंस कॉलेज, सिलचर में अध्ययनरत हैं। उड़ान सुपर 40 के निदेशक एवं शोधार्थी मिनहाज उद्दीन ए.के. मजूमदार ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सिलचर गवर्नमेंट बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल के पीजीटी (अंग्रेजी) साहिदुल इस्लाम चौधरी के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

इस पहल ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सही दिशा, सहयोग और प्रेरणा मिलने पर सीमित संसाधनों के बावजूद भी विद्यार्थी अपने भविष्य की मजबूत नींव रख सकते हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय स्टाफ संघ (FOCUS) के राष्ट्रीय सचिव पद पर देवाशीष चक्रवर्ती मनोनीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: केंद्रीय विश्वविद्यालय स्टाफ संघ (फोकस) के राष्ट्रीय सचिव पद पर देवाशीष चक्रवर्ती को मनोनीत किया गया है। वह वर्तमान में असम विश्वविद्यालय गैर-शिक्षण कर्मचारी संघ (आनटिया) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अब वे अखिल भारतीय स्तर पर केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए नेतृत्व प्रदान करेंगे। जानकारी के अनुसार, उन्हें सितंबर 2025 से सितंबर 2030 तक पाँच वर्षों के लिए फोकस का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित फोकस की राष्ट्रीय बैठक में सर्वसम्मति से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। देश के विभिन्न हिस्सों से आए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में लिया गया यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

देवाशीष चक्रवर्ती लंबे समय से कर्मचारियों के न्यायसंगत अधिकारों, कार्यसंस्कृति के विकास और प्रशासनिक पारदर्शिता के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी संगठनात्मक क्षमता और दूरदर्शी सोच के सम्मानस्वरूप उन्हें यह दायित्व दिया गया है, ऐसा उनके सहयोगियों का मत है। इस मनोनयन की खबर सामने आते ही असम विश्वविद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। कुलपति से लेकर विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी। गत 24 फरवरी (मंगलवार) को आनटिया की ओर से विश्वविद्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। कुलपति प्रोफेसर राजीव मोहन पंथ की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में देवाशीष चक्रवर्ती के साथ-साथ फोकस के कार्यकारी सदस्य के रूप में मनोनीत होने पर आनटिया के सहायक कोषाध्यक्ष कानु धर को भी गर्मजोशी से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आशा व्यक्त की कि देश के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण समस्याएं–जैसे पदोन्नति नीति, वेतन संरचना, रिक्त पदों की पूर्ति तथा कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे–के समाधान में देवाशीष निर्णायक भूमिका निभाएंगे। वक्ताओं ने यह भी कहा कि देवाशीष चक्रवर्ती और कानु धर को मिली यह जिम्मेदारी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आनटिया और असम विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व का विषय है। उनके नेतृत्व में फोकस और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनेगा, ऐसी आशा सभी ने व्यक्त की। कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक सुप्रबीर दत्तराय, वित्त अधिकारी शुभदीप धर, पूर्व अध्यक्ष सान्निक चौधरी, रणेंद्र चक्रवर्ती, अनुप कुमार वर्मा, सुचरिता राय सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन किंकर पुरकायस्थ ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन रंजीत दास ने प्रस्तुत किया।

भाव से ही प्राप्त होती है भगवान की कृपा- पं सीताराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के अमानीगंज विकासखंड स्थित कोटडीह ग्राम पंचायत अंतर्गत पूरे कालू शुक्ल गांव में शिवकुमार शुक्ला के यहां चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर व्यास आचार्य पं सीताराम जी महाराज ने कहा कि भाव से ही भगवान की कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने इस दौरान राम जन्म और श्रीकृष्ण जन्म की कथा का श्रवण कराया। आचार्य पं सीताराम ने बताया कि जिस व्यक्ति पर भगवान की कृपा होती है, वह संसार में पूजनीय हो जाता है। जबकि जिस पर कृपा नहीं होती, संसार उसकी उपेक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भगवान के भजन की कोई आयु नहीं होती और बचपन से ही भजन का संस्कार मनुष्य में होना चाहिए। कथा व्यास ने ध्रुव चरित्र की कथा का उदाहरण देते हुए समझाया कि भागवत भजन के लिए कोई विशेष उम्र नहीं होती। जब भी मन में व्यक्ति का भाव जागे, व्यक्ति को भजन में लीन हो जाना चाहिए। जब- जब पृथ्वी पर अनाचार और अत्याचार बढ़ता है तब - तब प्रभु लोक कल्याण के लिए धरती पर जन्म लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। इस अवसर पर मुख्य यजमान शिवकुमार शुक्ला व धर्मपत्नी तारावती शुक्ला, शेष कुमार शुक्ला, प्रभाकर शुक्ला, विकास शुक्ला, पप्पू शुक्ला, धर्मेंद्र शुक्ला , संजीव शुक्ला, पारसनाथ शुक्ला, जमुना प्रसाद शुक्ला, मंगली शुक्ला, के के शुक्ला, संजय शुक्ला, राहुल शुक्ला, भैरव प्रसाद शुक्ला, अखिलेश शुक्ला, रमा निवास शुक्ला,लल्लू शुक्ला, रमेश शुक्ला, जगदीश शुक्ला,वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील शुक्ला सहित सैकड़ो श्रद्धालु प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एक गलती और चली गई लाइनमैन की जान, फोन कर मांगा था शटडाउन, स्टाफ ने हां कर नहीं बंद की आपूर्ति

नोएडा। नोएडा के धूम मानिकपुर में लाइनमैन की हुई मौत के मामले में एसएसओ (सब स्टेशन आफिसर) की लापरवाही उजागर हुई है। फॉल्ट ठीक करने के लिए लाइनमैन ने सुबह आठ बजकर 50 मिनट पर एसएसओ को शटडाउन के लिए फोन किया। एसएसओ ने लाइनमैन को हां बोला लेकिन शटडाउन नहीं दिया। लाइनमैन फाल्ट ठीक करने के लिए 33/11 केवी लाइन पर चढ़ा। लाइन को छूते ही उसको करंट लगा। विद्युत सुरक्षा निदेशालय की अब तक जांच में यह कमियां उजागर हुईं। टीम ने अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, जेई और एसएसओ से करीब डेढ़ घंटे पूछताछ कर बयान दर्ज किए। घटनास्थल पर भी पहुंची। पहले दिन की जांच करीब तीन घंटे चली। लाइनमैन के स्वजन के बयान निदेशालय की टीम ने अभी दर्ज नहीं किए हैं। बता दें सोमवार को करंट से हुई लाइनमैन की मौत के मामले में विद्युत सुरक्षा निदेशालय की ओर से भी जांच की जा रही है। पीड़ित स्वजन की शिकायत पर अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, जेई और एसएसओ के खिलाफ गैर इरादतन हत्या से करीब डेढ़ घंटे पूछताछ कर बयान दर्ज किए।

कृषि राज्य मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

● सघन मछली पालन, कृषि नवाचारों पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने बुधवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में कृषि नवाचारों का गहन अवलोकन किया और सघन मछली पालन पर विशेष जोर दिया। मंत्री श्री औलख के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह, निदेशक प्रसार राम बटुक सिंह और अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय धीरेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने मत्स्यकी विभाग द्वारा की जा रही मखाना खेती, सघन मछली पालन इकाई, रंगीन मछलियों के बीज उत्पादन और कुक्कुट सह-मत्स्य पालन का निरीक्षण किया। उन्होंने मछलियों को दाना भी खिलाया।

मत्स्यकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ सी पी सिंह से मंत्री ने रंगीन मछलियों के बीज उत्पादन और मछली पालन पर विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने रामदाना और किनोवा की खेती का अवलोकन किया और संबंधित वैज्ञानिकों से भी जानकारी प्राप्त की। इसी क्रम में मंत्री ने जीपीबी फार्म का भी निरीक्षण किया। जहां चना, अरहर, मसूर, मटर, राजमा और सरसों की फसलों का जायजा लिया। उन्होंने वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए चल रहे शोध कार्यों का भी अवलोकन किया।

उन्होंने मखाना की उन्नत खेती, मत्स्य पालन और विभिन्न कृषि तकनीकों के प्रयोगों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और विशेषज्ञों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि, आत्मनिर्भर कृषि और तकनीक आधारित खेती के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऐसे प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

बसंतकालीन सब्जियों के उन्नत बीजों की बिक्री शुरू

● आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में स्थापित है बीज विक्री केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज में बसंत कालीन सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की बिक्री शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय के सब्जी एवं बीज विक्रय केंद्र पर किसान बड़ी संख्या में पहुंचकर बीज खरीद रहे हैं। जहां किसानों को वैज्ञानिक विधि से सब्जी उत्पादन की तकनीकी जानकारी भी दी जा रही है।

सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ सी एन राम ने बताया कि बीज विक्रय केंद्र सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है। किसानों के लिए लौकी, करेला, भिंडी, लोबिया, कद्दू, नैनवा और तोरई की उन्नत प्रजातियों के बीज उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित प्रमुख किस्मों में लौकी की 'नरेंद्र रश्मि', करेला की 'नरेंद्र बारहमासी', लोबिया की 'काशी कंचन', कद्दू की 'नरेंद्र उपकार', नैनवा तोरई की 'पूसा चिकनी' तथा भिंडी की 'नरेंद्र-10' और 'काशी ललमा' शामिल हैं। इन बीजों की बुवाई खेतों के साथ-साथ किचन गार्डन के लिए भी उपयुक्त बताई गई है। पूर्वांचल के सुल्तानपुर, अमेठी, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़, जौनपुर, रायबरेली और अंबेडकर नगर सहित कई जिलों से किसान बीज खरीदने पहुंच रहे हैं। पांच प्रकार के बीजों का एक पैकेट 100 रुपये में उपलब्ध है। डॉ राम के अनुसार, बुवाई के लिए फरवरी का अंतिम सप्ताह और मार्च का पहला सप्ताह सबसे उपयुक्त समय है। विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगामी 24 घंटों में मौसम शुष्क रहने और तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, जो बुवाई के लिए अनुकूल माना जा रहा है।